Ranchi ● Sunday, 08 March 2026 ● Year : 05 ● Issue : 52 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज...

माह-ए-रमजान

SARAFA

सोना	:	15,150
चांदी	:	290.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज फाइनल मैच

NEW DELHI : रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिताबी भिड़ंत होगी। मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर आसान नहीं होगी। जहां न्यूजीलैंड साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में पहुंचा है। वहीं भारत ने अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर अपना फाइनल का टिकट कंफर्म किया है।

नेपाल में बालेंद्र ने पूर्व पीएम ओली को हराया

KATHMANDU : नेपाल के झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आरएसपी नेता और रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह 'बालेन' ने चार बार प्रधानमंत्री रह चुके केपी शर्मा ओली को लगभग 50 हजार मतों के भारी अंतर से हराया। निर्वाचन आयोग ने यहां यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) के नेता और काठमांडू के पूर्व महापौर, जिन्हें लोकप्रिय रूप से केवल बालेन के नाम से जाना जाता है, अपनी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि 35 वर्षीय बालेन को 68,348 मत मिले, जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 मत मिले।

रंग फैक्टरी में भीषण आग चार महिलाओं की मौत

JIND : शनिवार को हरियाणा के जींद जिले के सफीदों की भाट कॉलोनी स्थित होली का रंग बनाने वाली फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में चार महिलाओं की जलकर मौत हो गई और 13 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने फैक्टरी मालिक सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फैक्टरी में शनिवार को भी आम दिनों की तरह मजदूर काम कर रहे थे। हादसे में चार महिलाएं छत से कूद कर जान को बचा सकीं। जबकि गांव सिंघपुरा निवासी पिंकी (51), वार्ड नौ निवासी गुड्डी (50), डिग्गी मोहल्ला निवासी पूजा (40), आर्दश कालोनी निवासी ऊषा (45) की मौत हो गई। इस हादसे में 13 मजदूर घायल हो गए।

पत्रकार हत्याकांड में डेरामुखी राम रहीम बरी

CHANDIGARH : शनिवार को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार हत्याकांड में बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने यह फैसला सीबीआई कोर्ट द्वारा करीब सात साल पहले पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनाया। रामचंद्र छत्रपति की हत्या वर्ष 2002 में हुई थी।

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

नौकरशाही के मोहल्ले में उठाने-गिराने के किस्से होते रहते हैं। हालांकि, कब किसका समय पलट जाए, कहा नहीं जा सकता। बीती ताहि बिसार के आगे की सुध ले... की तर्ज पर चलने वाली कार्यप्रणाली में सजा के हकदार दोहरे पुरस्कार से नवाजे जा रहे हैं। आखिर क्या चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से...।

मदिरालय के 'मुल्जिम'

फोटो : प्रतीकात्मक रूप से एआई जेनरेटेड

गुरु गरमाए हुए थे। घर के नए सेवादार ने ब्लैक कॉफी शुगर के साथ उबाल दी थी। यह बेहद नागवार गुजरा। दरअसल, गुरु सेहत को लेकर बेहद सजग जीव हैं। खाने-पीने में नमक-तेल का ऊंच-नीच बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते। फिर भला बेस्वाद पेय कैसे गटक लें? घर में घुसते ही पता चला कि सुबह से पूरे परिवार को झाड़ पर झाड़ लगाए जा रहे हैं। कमरे में प्रवेश करते देखा तो थोड़े नरम पड़े। बोले- आओ यार बैठो। अब तो घर में चाय के लिए बोलना तक मुश्किल हो गया है। पता नहीं, कब कौन क्या परोस कर चला जाए? गुरु के पहले वाक्य से नाराजगी की प्रारंभिक सूचना पुष्ट हो गई थी। गुरु को सहज करना जरूरी था। सो, अपनी तरफ से कहा- छोड़िए चाय-पानी। कोई अच्छी किताब दीजिए। बहुत दिनों बाद एक साथ दो दिनों की छुट्टी मिली है। कुछ पठन-पाठन किया जाए। गुरु हंसते हुए बोले- अच्छा, इस बार किताब उड़ाने आए हो?। गुरु के सान्निध्य की पहली शर्त यही थी कि आदमी किताबी हो। अपनी भी एंट्री इसी योग्यता पर हुई थी। गुरु ने पास की आलमारी से चार-पांच किताबें निकाल कर सामने रख दी। कहा, जो ठीक लगे ले लो। बस पढ़कर वापस जरूर कर देना। गुरु में यही बात सबसे अच्छी थी। आदमी चाहे जितने बड़े हों, अपनी जरूरत की छोटी से छोटी चीज मांगने में परहेज नहीं करते। खैर, किताबें इधर-उधर पलटने के बाद कहा- दो ले लेते हैं। बात पूरी होते ही गुरु खिलखिला कर हंस पड़े। बोले, ले लो, ले लो। आजकल डबल का ट्रेंड चल रहा है। बात सुनकर लगा, इशारा किसी खास तरफ है। पूछा- गुरु कौन सा ट्रेंड? कुछ बताइए। जवाब मिला, अरे वनांचल की नौकरशाही में चल रही इस कहानी से कैसे अनजान हो? मदिरालय से माल खींचने के मुल्जिम पर रहबर के रहम की बड़ी चर्चा है। सचिवालय से छुट्टी के साथ फिर एक बार फील्ड की कमान सौंप दी गई। वह भी दो-दो प्रभार के साथ। इतनी नरमी के बावजूद साहब हैं कि राहत की सांस नहीं ले रहे। पदभार संभालने के साथ मनो-विनोद का वीडियो वायरल होने लगा। महोदय, मुलाजिम से फरमा रहे कि जो ऑफिसर्स और स्टाफ हैं, उनका काम है या नहीं यहां पर? अधीनस्थ का एक जवाब साहब के सौ सवाल पर भारी पड़ गया। कर्मचारी कहता है कि काम निकालना पड़ता है। दरअसल, साहब के दिल की बात कर्मचारी खूब समझते हैं। हाकिम ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे कि वह कार्यालय के कामकाज से अनजान हैं। हकीकत यह है कि साहब प्रमंडल से छलांग लगाकर ही सचिवालय शिफ्ट हुए थे। वह भी पूरे भारी-भरकम पदभार के साथ। गुरु जिस नटवर की नागर कथा का अध्याय बांच रहे थे, वह अनंत और अलौकिक है। इंजीनियरिंग की सीढ़ी चढ़कर नौकरशाही में कैसे धाक जमानी है, यह कला कोई इनसे सीखे।

लिहाजा, व्याख्या को बीच में रोककर कहा- गुरु इस महामानव की बात फिर कभी। अब इजाजत दीजिए। गुरु ने मुस्कुराते हुए विदाई दी। राह चलते अंधेरे में अनिष्ट की आशंका के बीच मन गुनगुनाने लगा... मनोजवं मारुततुल्यवेगं...।

जंग : यूएई, सऊदी, जॉर्डन में अमेरिकी 'थाड' डिफेंस सिस्टम पर ईरानी हमला

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में 41 लोगों की मौत

NEW DELHI @ PTI : अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के आठवें दिन लेबनान में नबी चित के पहाड़ी कस्बे में शुक्रवार की देर रात से चले इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह आंकड़ा उपलब्ध कराया। ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने कहा कि उसके लड़ाकों की पूर्वी लेबनान के पहाड़ी इलाकों में शुक्रवार देर रात इजराइली बल से झड़प हुई। इजराइल ने अब तक वहां हो रही लड़ाई पर कोई टिप्पणी नहीं की है। दूसरी ओर मीडिया रिपोर्ट्स में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है ईरान ने बीते एक हफ्ते में सऊदी अरब, यूएई और जॉर्डन में तैनात अमेरिका के टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थाड) सिस्टम को निशाना बनाया। इन हमलों में जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी एयर बेस पर लगे थाड का राडर सिस्टम तबाह हो गया है।

लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराया गया आंकड़ा

ईरान ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी, कुछ ही देर में धमाका

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि अब पड़ोसी देशों पर हमले नहीं किए जाएंगे, जब तक कि उन देशों की जमीन से ईरान पर कोई हमला न किया जाए। पेजेशकियन ने पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देशों पर हुए हमलों के लिए उनसे माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि ईरान इन देशों के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहता और भविष्य में ऐसे हमलों से बचने की कोशिश करेगा। हालांकि, इसके कुछ देर बाद ही कतर की राजधानी दोहा में एक धमाका हुआ।

अमेरिका के पास केवल 7-8 'थाड' सिस्टम

एएन-टीपीवाई-2 रडार और थाड दोनों एक ही मिसाइल डिफेंस सिस्टम का हिस्सा हैं। इसमें एएन-टीपीवाई-2 रडार दुश्मन की मिसाइल को पहचानता है, जबकि थाड सिस्टम उसे हवा में ही तबाह करता है। अमेरिका के पास सिर्फ 7-8 थाड सिस्टम ही मौजूद हैं, इसलिए इसे बड़ा सैन्य नुकसान माना जा रहा है। एक थाड सिस्टम की कीमत 22 हजार करोड़ तक होती है। सैटेलाइट तस्वीरों में एयरबेस के उस इलाके में भारी नुकसान और बड़े गड्ढे दिखाई दिए हैं, जिससे माना जा रहा है कि वहां कई मिसाइलों से हमला किया गया।

ईरानी राष्ट्रपति ने बिना शर्त सरेंडर की ठुकराई मांग

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग एक ऐसा ख्वाब है जिसे उन्हें अपनी कब्र तक साथ ले जाना चाहिए। राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक पूर्व रिकॉर्डेड संबोधन में की।

अधिकारियों को बनाया जाएगा निशाना : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जाएगा और ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जाएगा।

दिल्ली से पटना पहुंचीं पूर्व मुख्यमंत्री, कहा- नहीं छोड़ना चाहिए बिहार

जबरदस्ती हटाए जा रहे नीतीश कुमार : राबड़ी देवी

AGENCY PATNA : दिल्ली में रूटीन चेकअप के बाद लालू प्रसाद और राबड़ी देवी शनिवार को पटना पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा, मुख्यमंत्री को जबरदस्ती हटाया जा रहा है। बिहार छोड़कर नहीं जाना चाहिए। नीतीश कुमार को बिहार में ही रहकर काम करना चाहिए और मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहिए। दूसरी ओर बिहार में जारी सियासी उठापटक के बीच नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। करीब 10 मिनट तक उन्होंने आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि विदाई प्रोटोकॉल के तहत नीतीश कुमार उनसे मिलने पहुंचे थे। उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री हाउस में नीतीश कुमार से मुलाकात की है। इस दौरान उनसे साथ संजय झा भी मौजूद थे।

सियासी गतिविधियों के बीच चीफ मिनिस्टर ने राज्यपाल से की मुलाकात

» उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

» एक्टिव हुए निशांत कुमार, आज जॉइन करेंगे जदयू

जब तक नीतीश, नहीं हटेगी शराबबंदी

इधर, पॉलिटिकल पारी शुरू करने से पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार एक्टिव हो गए हैं। संजय झा ने बताया कि निशांत कुमार 8 मार्च को 1 बजे जदयू जॉइन करेंगे। वहीं बिहारशरीफ में मंत्री श्रवण कुमार ने शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक नीतीश कुमार हैं, बिहार में शराबबंदी नहीं हटेगी। सूत्रों के मुताबिक उनके राज्यसभा में नामांकन भरने के बाद नए सीएम को लेकर भाजपा और जदयू के बीच चर्चा जारी है। बैठक में मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी और संजय झा मौजूद रहे। निशांत इस मीटिंग में शामिल नहीं हुए।

राष्ट्रपति को रिसीव करने नहीं पहुंचीं सीएम ममता टूटा प्रोटोकॉल, मुर्मु नाराज

KOLKATA : शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। राष्ट्रपति ने कहा- नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई राज्य मंत्री उन्हें रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। बता दें कि जब राष्ट्रपति शनिवार दोपहर को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, तो कुछ ही लोग मौजूद थे। सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने वाले अकेले प्रतिनिधि थे। प्रोटोकॉल के मुताबिक, राष्ट्रपति को रिसीव करने के लिए आमतौर पर मुख्यमंत्री या राज्य सरकार का कोई मंत्री मौजूद होता है। इधर, पीएम मोदी ने कहा कि ये शमार्नाक है, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

- द्रौपदी मुर्मु बोलीं- राज्य सरकार आदिवासियों का नहीं चाहती भला
- पीएम मोदी ने कहा- यह शर्मनाक, ऐसा कभी नहीं हुआ

गाड़ी का मालिकाना हक चेंज करने की प्रक्रिया 15 दिनों में होगी ऑनलाइन

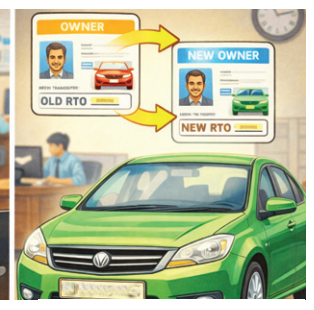

NIKHIL KUMAR, RANCHI : झारखंड में वाहन खरीदने-बेचने के बाद स्वामित्व हस्तांतरण (ट्रांसफर ऑफ ओनरशिप) की प्रक्रिया जल्द ही पूरी तरह ऑनलाइन और फेसलेस हो जाएगी। परिवहन विभाग ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों (डीटीओ) को 15 दिनों के भीतर व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया है, ताकि आम लोगों को आरटीओ कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। परिवहन विभाग की हालिया समीक्षा बैठक में पाया गया कि वर्तमान में कई जिलों में वाहनों के स्वामित्व हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन मोड में नहीं हो रही है। इस पर विभाग के सचिव राजीव रंजन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवश्यक तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में इसे पूरी तरह ऑनलाइन किया जाए। अधिकारियों के अनुसार, वाहन स्वामित्व हस्तांतरण को फेसलेस बनाने के लिए आधार आधारित वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) सत्यापन जरूरी है। इससे वाहन बेचने और खरीदने वाले व्यक्ति की पहचान डिजिटल रूप से सत्यापित की जा सकेगी।

» अब नहीं लगाने पड़ेंगे आरटीओ के चक्कर, परिवहन सचिव राजीव रंजन ने सभी डीटीओ को दिया निर्देश

» आधार आधारित ओटीपी से होगी खरीदार और विक्रेता की पहचान

» आधार के मोबाइल नंबर से लिंक नहीं होने से प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक परेशानी

केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का होगा पालन

हालांकि समीक्षा में यह भी सामने आया कि कई मामलों में वाहन स्वामी या खरीदार का आधार मोबाइल नंबर से लिंक नहीं होने के कारण प्रक्रिया में व्यावहारिक परेशानी आ रही है। विभाग ने इन समस्याओं का समाधान कर सेवा को पूरी तरह ऑनलाइन करने का निर्देश दिया है। परिवहन विभाग ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के तहत प्री-ओन्ड वाहनों और स्वामित्व हस्तांतरण से जुड़े सभी मामलों में जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा। इसके लिए जिला परिवहन पदाधिकारियों को वाहन पोर्टल पर ऑनबोर्ड होकर तय प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। प्री-ओन्ड वाहनों से जुड़े मुद्दों पर जल्द ही एक बैठक भी आयोजित की जाएगी। इसमें संयुक्त परिवहन आयुक्त, राज्य सूचना विज्ञान पदाधिकारी, रांची के जिला परिवहन पदाधिकारी और अधिकृत डीलर शामिल होंगे। परिवहन विभाग ने यह भी निर्देश दिया गया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और उसमें लिए गए निर्णयों के अनुपालन की रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए।

भविष्य की चिंता वैज्ञानिकों ने व्यापक अंतरराष्ट्रीय नियमन की उठाई आवाज

अंतरिक्ष में उपग्रहों के टकराव से धरती पर बढ़ी संकट की आशंका

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : वर्तमान की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति और नए रिसर्च को केंद्र में रखकर लॉन्च किए जा रहे उपग्रहों की संख्या पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रही है। इस वजह से अब अंतरिक्ष में भी कई प्रकार की ऐसी समस्याएं खड़ी हो रही हैं, जिनका सीधे असर पृथ्वी पर हो सकता है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। वैज्ञानिकों ने वर्तमान स्थिति की गंभीरता को लेकर चेतावनी देते हुए यह स्पष्ट किया है कि पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या भविष्य के लिए बड़ा खतरा है। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक और प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। यह क्षति अपूरणीय स्थिति में भी पहुंच सकती है। विशेष अध्ययन के बाद कुछ दिन पहले इस स्थिति की विस्तृत जानकारी ऑस्ट्रेलिया की बॉन्ड यूनिवर्सिटी व कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ रेजिना के ग्रेरी रेडिसिक और समान्था लॉलेर ने दी है।

पिछले कुछ वर्षों में सेटेलाइट्स की लॉन्चिंग की तादाद में लगातार हो रहा इजाफा

फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में मौजूद हैं करीब 14 हजार एक्टिव सैटेलाइट्स

- ऑस्ट्रेलिया की बॉन्ड व कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ रेजिना के शोधकर्ताओं ने की स्टडी
- कारगर कदम नहीं उठाए गए तो पर्यावरण को अपूरणीय क्षति का करना पड़ेगा सामना

ठोस नीतिगत पहल के माध्यम से ही संभाली जा सकती है वर्तमान में उत्पन्न स्थिति

12.3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं

इनका मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत पहल के माध्यम से ही स्थिति को संभाला जा सकता है। बताया गया है कि फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12.3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं।

डेटा केंद्रों के संचालन की जरूरत का आधार

यह गौरतलब है कि अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को अंतरिक्ष विज्ञान एजेंसी स्पेस एक्स ने अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया है। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यतः तकनीकी पहलुओं, जैसे- रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा तक सीमित है। सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और व्यापक पर्यावरणीय प्रभावों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों की तैनाती से रात का आकाश स्थायी रूप से बदल सकता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 और वाणिज्यिक के 114.5 रुपये बढ़े

NEW DELHI @ PTI : पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के बीच भारत में घरेलू गैस की कीमत 60 और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 की भारी वृद्धि की गई है। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास इस बोझ को सहने के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राहत जारी रहेगी। योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन पाने वाले 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को साल में 12 सिलेंडर तक प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती रहेगी। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है।

नई दरें लागू

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए जारी रहेगी राहत

कला-साहित्य

कुंभलगढ़ : देखने की नहीं, ठहरने वाली जगह

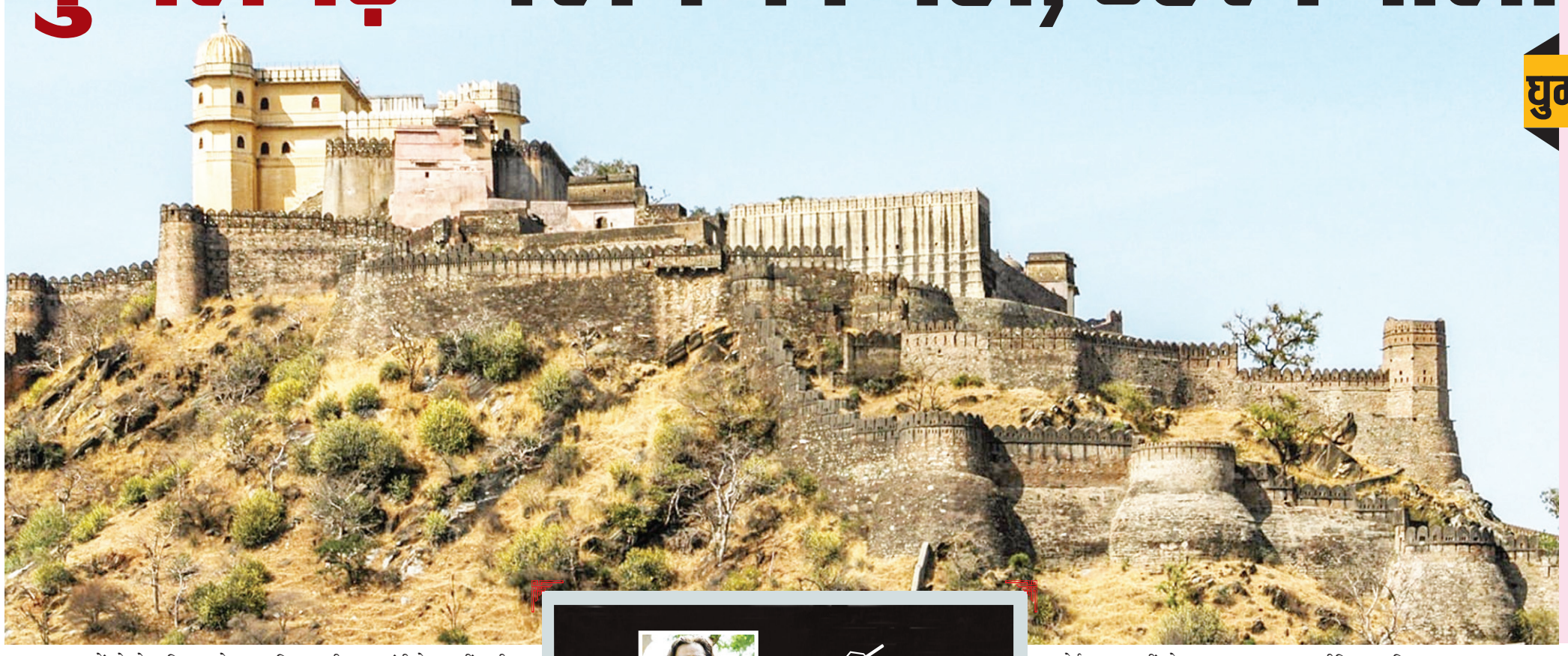

घुमक्कड़ की पाती

मेरा पहला दिन किले की परछाईं में प्रवेश का दिन कहा जा सकता है। उदयपुर से निकलते ही सड़क धीरे-धीरे संकरी होने लगती है। शहर की चहल-पहल पीछे छूटती है और हवा में मिट्टी की सोंधी गंध घुलने लगती है। दूर से कुंभलगढ़ की दीवारें दिखाई देती हैं। मानो अरावली ने अपने सीने पर इतिहास की एक लंबी रेखा खींच दी हो। कहते हैं कि यह दीवार दुनिया की सबसे लंबी किलाबंद दीवारों में गिनी जाती है, पर दीवार की लंबाई से ज्यादा प्रभाव उसकी चुप्पी का है। किले के प्रवेशद्वार तक पहुंचते-पहुंचते सूरज ढलने लगता है। पत्थरों पर पड़ती सुनहरी रोशनी हर शिला को अलग कहानी देती है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पहाड़ों से मेरा रिश्ता हमेशा किसी अधूरे वाक्य जैसा रहा है। हर बार लगता है कि कुछ कहा गया, बहुत कुछ छूट गया। इसी अधूरेपन के साथ जब मैं अरावली की गोद में बसे कुंभलगढ़ की ओर निकला तो मन में सिर्फ. एक ख्वाहिश थी, इतिहास और जंगल को एक ही साँस में महसूस करना। यह यात्रा किसी स्थान को देखने मात्र की नहीं, बल्कि उसमें ठहरने की थी। पत्थरों की स्मृति में, पेड़ों की छाया में और उन पगडंडियों पर, जहां इंसान आज भी प्रकृति का मेहमान है।

मेरा पहला दिन किले की परछाईं में प्रवेश का दिन कहा जा सकता है। उदयपुर से निकलते ही सड़क धीरे-धीरे संकरी होने लगती है। शहर की चहल-पहल पीछे छूटती है और हवा में मिट्टी की सोंधी गंध घुलने लगती है। दूर से कुंभलगढ़ की दीवारें दिखाई देती हैं। मानो अरावली ने अपने सीने पर इतिहास की एक लंबी रेखा खींच दी हो। कहते हैं कि यह दीवार दुनिया की सबसे लंबी किलाबंद दीवारों में गिनी जाती है, पर दीवार की लंबाई से ज्यादा प्रभाव उसकी चुप्पी का है।

किले के प्रवेशद्वार तक पहुंचते-पहुंचते सूरज ढलने लगता है। पत्थरों पर पड़ती सुनहरी रोशनी हर शिला को अलग कहानी देती है। भीतर कदम रखते ही ऐसा लगता है, जैसे समय ने रफ्तार कम कर दी हो। मंदिरों की घंटियां, वीरान प्रांगण और पहरे पर खड़ी तोपें, सब कुछ एक-दूसरे से धीमी आवाज में बातें करती हैं।

मैं देर तक बादल महल के पास बैठा रहा। नीचे फैली घाटियां धीरे-धीरे नीले से स्याह रंग में बदल रही थीं। इसी क्षण समझ आया कि यह किला सिर्फ. युद्धों का साक्षी नहीं, बल्कि अनगिनत संध्याओं का भी साथी रहा है। रात किले से बाहर एक छोटे से जंगल-लॉज में बिताई, जहां खिड़की से झींगुरों की आवाज आती थी और अंधेरा किसी पुराने गीत की तरह चारों ओर फैलता था। रात को दूसरे दिन की कल्पना में जंगल के रास्ते और वाइल्डलाइफ ट्रेल्स थे। यही वजह थी कि सुबह बहुत जल्दी शुरू हुई। जीप में बैठते ही जंगल ने अपनी बाहें खोल दीं। कुंभलगढ़ वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी का यह इलाका अरावली की रीढ़ पर फैला है। कहीं घने सागौन के जंगल, कहीं खुले घास के मैदान और कहीं अचानक उभर आती पथरीली ढलानें। जंगल का रास्ता कोई सड़क नहीं होता, वह एक सतत निर्णय होता है। कहां धीमे चलना है, कहां रुकना है और कहां सिर्फ. सुनना है। हर मोड़ पर उम्मीद रहती है कि शायद आज बाघ दिख जाए। हालांकि टाइगर स्पॉटिंग यहां दुर्लभ मानी जाती है, पर उसकी अनुपस्थिति भी उसकी उपस्थिति जितनी ही प्रभावशाली है। कुछ लोग बताते हैं कि बाघ अक्सर रात में अपने निशान छोड़ जाते हैं। खुरों के निशान, खरोंचें और कभी-कभी शिकार की गंध।

हमने नीलगायों का झुंड देखा, दूर पहाड़ी पर खड़ा एक सांभर और पेड़ों पर उछलती लंगूरों की टोली। पक्षियों की आवाजें किसी अदृश्य संगीत की तरह थीं। एक जगह जीप रोक दी गई। सामने रेत पर ताजे पंजों के निशान थे, बड़े, गोल और गहरे। गाइड की आवाज धीमी हो गई, जैसे जंगल की मयार्दा का ध्यान रख रहा हो। उस पल बाघ दिखा नहीं, पर उसकी संभावना ने पूरे दृश्य को जीवित कर दिया।

दोपहर तक जंगल की धूप तीखी हो गई। लौटते समय रास्ते में एक छोटी पहाड़ी से किले की दीवारें फिर दिखीं, जंगल और किले का यह दृश्य अद्भुत था, जैसे प्रकृति और इतिहास ने एक-दूसरे को थाम रखा हो।

मेरा तीसरा और आखिरी दिन किला देखने, पूर्व की स्मृतियों को सहेजने और विदाई का था। अंतिम दिन मैंने फिर किले की ओर रुख किया, इस बार बिना जल्दबाजी के। किले के भीतर फैले मंदिर- नीलकंठ महादेव, वेदी मंदिर- आस्था और स्थापत्य का सुंदर मेल हैं। यहां पत्थर भी प्रार्थना करते हुए प्रतीत होते हैं। मैं दीवार पर चलते हुए दूर तक फैली अरावली को देखता रहा। हवा तेज थी और नीचे जंगल हरा-भरा। यही वह क्षण था, जब समझ आया कि कुंभलगढ़ का सौंदर्य उसके किसी एक तत्व में नहीं, बल्कि उनके सह-अस्तित्व में है। किला जंगल के बिना अधूरा है और जंगल किले की परछाईं में और भी गहरा। वापसी से पहले एक आखिरी बार मैंने घाटियों को देखा। मन में यह स्पष्ट था कि यह यात्रा सिर्फ. तीन दिनों की नहीं रही। यह एक धीमा संवाद था पत्थरों से, पेड़ों से और उन अनदेखे जीवों से, जो रात में इन रास्तों पर चलते हैं। यात्रा के बाद कुंभलगढ़ से लौटते समय मेरे भीतर कोई अधूरापन नहीं था। शायद इसलिए कि यहां इतिहास ने प्रकृति को दबाया नहीं और प्रकृति ने इतिहास को मिटाया नहीं। दोनों साथ-साथ चलते हैं। जैसे जंगल का रास्ता और किले की दीवार। अगर आप इस जगह आएं, तो जल्दी में न रहें। यहां देखने से ज्यादा सुनने को मिलता है। बाघ दिखे या न दिखे, उसकी संभावना आपको विनम्र बना देती है। और यही कुंभलगढ़ की सबसे बड़ी सीख है कि इंसान, चाहे कितनी ऊंची दीवारें क्यों न बना ले, अंततः वह जंगल का ही एक यात्री है।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'योर सिक्स, माई नाइन'

दिलीप कुमार

तब के अभिनेता और अब के साबुन- मंजन के सबसे बड़े विक्रय प्रतिनिधि अमिताभ बच्चन की बहुत साल पहले एक फिल्म आई थी, जिसका नाम था 'सुहाग'। इस फिल्म का लंबू हीरो अपनी कोल्हापुरी चप्पल सामने वाले को चप्पल उल्टी दिखाता है और फिर पूछता है कि 'ये चप्पल कितने नंबर की है'? सामने वाला उल्टी चप्पल को देखकर कहता है कि 6 नंबर की है। यह सुनते ही फिल्मी नायक चप्पल को सीधा करके दिखाता है और कहता है कि चप्पल 6 नहीं, बल्कि 9 नंबर की है। यह कहते हुए नायक सामने वाले को चप्पल के नंबरों के खेल में बेवकूफ बनाते हुए उसे चप्पलों से पीटने लगता है। यानी किसी का सिक्स किसी का नाइन भी हो सकता है।

यही हाल भारत में हाल ही में हुए एआई समिट में हुआ। दुनिया भर की निगाहें इस समिट पर लगी हुई थीं। इस समिट में भारतीय घरों में बोली जाने वाली कुछ कहावतें चरितार्थ हो गईं। इसमें पहली बात तो ये थी कि 'नकल के लिए भी अक्ल' होनी चाहिए। क्योंकि समिट में 'ओरियन' नामक जिस कृत्रिम मेधा वाले डॉग को एक निजी यूनिवर्सिटी की प्रतिनिधि अपने संस्थान का 'प्रोडक्ट' बता कर हवा-हवाई दावे कर रही थी, उस पर तब भी चीन की कंपनी का लेबल लगा हुआ था, जिसे मैडम शायद हटाना भूल गई थी।

इसी बात पर थुक्का-फजीहत शुरू हुई। विवाद बढ़ा तो उस पे चीन वालों की नजर पड़ गई। चीन की कंपनियां इस बात से बहुत नाराज हो गईं कि दुनिया भर की कंपनियों से थीम चुराकर और उसकी नए सिरे से पैकेजिंग करके दुनिया को अपना प्रोडक्ट बता कर बेच देते हैं चीनी लोग। इसीलिए चीनी माल पर गारंटी की कोई अवधि नहीं होती, क्योंकि उन्हे खुद नहीं पता होता। काहे कि दूसरे के बनाए माल को अपना बताकर बेचेंगे तो उन्हें कैसे पता होगा कि ये माल कब तक चलेगा? इसीलिए चायनीज माल के बारे में कहा जाता है कि 'चल गया तो चाँद तक, नहीं तो फिर शाम तक'। सो दूसरों के माल को अपना बना कर बेचने वाले चाइना के लोगों को जब पता लगा कि भारत में हो रही एआई समिट में उनके माल को किसी ने अपना विकसित प्रोडक्ट कहा है तो उन्होंने आसमां सर पे उठा लिया। क्योंकि ये तो 'चोर पे मोर' नामक कहावत चरितार्थ हो गयी। अब जिस निजी यूनिवर्सिटी ने यह किया था उसे 'बड़े बेआबरू' करके भारत मंडपम से निकाला गया- बिजली काट कर। लोग तो इंटरनेट पर यहां तक कहते हैं कि इस संस्थान में बच्चों को पढ़ाने पर माता-पिता के कपड़े तक बिक सकते हैं क्योंकि इतना ज्यादा फीस चार्ज करते हैं।

350 करोड़ एआई में इन्वेस्ट करने का दावा करने वाली यूनिवर्सिटी डेढ़-दो लाख के चीनी रोबोट कुत्ते को अपना बता रही है, उसके बारे में कुछ मुख्तलिफ मालूमात हैं। उस देश में जहाँ के 97 परसेंट परिवारों की लोगों की मासिक आय पचास हजार रुपये से कम है, तो इससे सुंदर और सस्ती यूनीवर्सिटी तो इस देश में नहीं हो सकती।

काहे कि ये मात्र 1,64,000 में इंजीनियर बना रहे हैं।

बस 20,000 परीक्षा फीस और देनी पड़ती है।

और सावधानी शुल्क के नाम पर 20000 रुपये भी लेते हैं, चिंता मत करें खाली वनटाइम में देना है। आईकार्ड के 1000 रुपये भी देने हैं। अगर हॉस्टल में रह रहे हो तो 1,71,000 अलग से देने हैं। सनद रहे कि ये सबसे बेसिक दर्जे का चार्ज है। अच्छी सुविधा के अच्छे चार्ज देने होंगे।

एक कैम्पस से दूसरे कैंपस तक जाने के लिए बस की सेवा उपलब्ध है, पर ज्यादा नहीं, उसके सिर्फ दस हजार रुपये अलग से देने पड़ते हैं।

ये सब एक साल का खर्च है, जबकि इंजीनियरिंग के लिए आपको 4 साल लगने हैं। यानी आपको फीस देने के समय सिर्फ सिक्स के आकार की फीस बताई जाएगी, मगर एक बार यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने के बाद आपको फीस नाइन के आकर देनी पड़ेगी।

यानी अब यूनिवर्सिटी का ध्येय वाक्य 'योर सिक्स कैन बी माई नाइन' लोगों को समझ में आया कि क्या कहते हैं और क्या देना है? यानी मात्र 14 लाख 65 हजार 600 रुपये की इनवेस्टमेंट और आपका होनहार बच्चा यूनिवर्सिटी के शानदार कैंपस में 2 लाख के चीनी कुत्ते के साथ खेलने का मौका पा सकता है! है ना ये दिलफरेब ऑफर?

ज्ञात हो कि हॉस्टल फीस में मेस का भोजन के साथ-साथ जिम, स्क्वाश, फुटबॉल, टेबल टेनिस, लूडो, गिल्ली डंडा, कंचे, छुपनछुपाई, पुगमपुगाई, फूसबॉल, बास्केट बॉल, रोबोट की बॉल आदि खेलने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

इसके सालाना जलसे में फिल्मस्टार और यूट्यूबर आते हैं अब बोलो! अब तो लोगे ना एडमिशन।

इतना ही नहीं और सुनो... संस्थान हर बच्चे को 100% जॉब प्लेसमेंट दे रहा है। अब भी मन नहीं माना हो तो बता दूँ कि प्लेसमेंट होगा जरूर, भले ही बीटेक करके आपको कैफे कॉफीडे में नौकरी दिला दें, पर प्लेसमेंट की पक्की गारन्टी है।

कैम्पस में फिल्म प्रमोशन भी किया जाता है, अक्षय कुमार, रणबीर कपूर और इमरान हाशमी भी संस्थान में आकर ठुमके मारकर गए हैं। मतलब आगे चलकर बच्चा फिल्मों में जाना चाहे, तो यहां से रास्ते खुल सकते हैं। कितनी अच्छी बात है कि 50-60% मार्क्स पर भी टॉप के कोर्स में एडमिशन दे रहे हैं? बताइए इतनी दयालु यूनिवर्सिटी मिलेगी कहीं?

अब तो कभी -कभार ऐसा लगता है कि स्टूडेंट ऑफ द ईयर के टाइगर, आलिया और वरुण भी इसी यूनिवर्सिटी से पासआउट हुए होंगे।

इतनी सब इन्क्वायरी के बाद जब सोशल मीडिया पर निजी यूनिवर्सिटी की लानत -मलानत कायदे से हुई तब निजी यूनिवर्सिटी की तरफ से एक चुटीली तंज भरी पोस्ट की गई है कि 'एक बार एक आदमी मुझे अंबुजा सीमेंट की कमियां बता रहा था, बाद में पता चला कि वो बांगर सीमेंट का दलाल है। जो इस संस्थान की बुराई करते नहीं थक रहा है, देखना पक्का वो लोग एक कमरे वाली यूनिवर्सिटी के डिप्लोमा-धारी निकलेंगे'।

यह पढ़कर निजी यूनिवर्सिटी के समर्थक एक तुकबंद प्रेमी कवि ने फेसबुक पर यूनिवर्सिटी के समर्थन में एक कविता पोस्ट की है-

'हावर्ड के बच्चे सुधारे ये संस्थान,
ऑक्सफोर्ड को भी पछाड़े संस्थान,
डीयू-जेएनयू में हो सकता है भेदभाव,
मगर सबको अपना बना ले ये संस्थान'।

जिस-जिस के खाते में 15 लाख आ चुके हैं, कम से कम वो लोग तो कंजूसी न करें, आज ही 14 लाख 65 हजार देकर अपने या अपने बच्चों की इस नामी संस्थान में सीट कन्फर्म करें।

नेपथ्य में कोई 'बिगबॉस' का पुराना एपीसोड देख रहा है जिसमें आवाज आ रही है 'त्वाडा कुत्ता टॉमी, साडा कुत्ता, कुत्ता'।

लघुकथा

बदलते समय की एक मौन कहानी

गीता दुबे

लगभग बीस वर्ष पहले की बात है। हम लगभग सात वर्षों तक एक कॉलोनी में रहे। हमारे घर के ठीक बगल में एक सुसंस्कृत, खुशमिजाज अधेड़ दंपती रहा करते थे। समय के साथ केवल पड़ोस का रिश्ता ही नहीं, बल्कि आत्मीयता का एक सहज संबंध भी बन गया था। मैं उन्हें आंटी अंकल कहकर पुकारा करती थी। उनके दो बेटे थे, जो अमेरिका और कनाडा में रहते थे। आंटी बड़े हर्ष और गर्व के साथ अपने बेटों के बचपन की कहानियाँ सुनाया करतीं, उनकी पढ़ाई, नौकरी, विवाह और बहुओं के विषय में विस्तार से बतातीं। बेटों ने कई बार उन्हें अपने पास बुलाने का आग्रह भी किया, किंतु वे मुस्कराकर यह कहकर मना कर देते कि 'तुम ही लोग यहाँ आ जाया करो'। जब भी उनके बेटे अंकल-आंटी को कोई उपहार भेजते, वे बड़े उत्साह से हमें दिखाया करतीं। प्रसन्न स्वर में कहतीं, 'मेरे बेटे ने यह उपहार अपने मित्र के हाथों भिजवाया है'। उनके चेहरे पर उस समय जो चमक होती, वह देखने योग्य होती थी। वे अपना जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ बड़े उल्लास के साथ मनाया करतीं, हमें स्नेहपूर्वक आमंत्रित करतीं, तरह-तरह के पकवान बनातीं और मिठाइयाँ तो प्रायः स्वयं ही तैयार करतीं। उनके छोटे-से बगीचे में तरह-तरह के फूल सदा खिले रहते और उसी में वे कुछ सब्जियाँ भी उगा लिया करतीं। अंकल पढ़ने-लिखने में तल्लीन रहते, तो आंटी अपने घर-गृहस्थी के कार्यों में व्यस्त रहतीं। सच पूछिए तो उन्हें मानो एक क्षण का भी अवकाश नहीं मिलता था।

फिर समय बदला या यूँ कहूँ, समय उड़ गया। हम अपने नए घर में, उस कालोनी से विदा लेकर दूसरी जगह आ बसे। तब तक लैंडलाइन फोन का दौर था, कभी-कभार अंकल-आंटी से बातचीत हो जाती थी। धीरे-धीरे लैंडलाइन बंद हो गए, मोबाइल आ गए। उनका नंबर मेरे पास नहीं रहा, मेरा नंबर उनके पास नहीं। जीवन की आपाधापी में संबंधों की डोर ढीली पड़ती चली गई।

फिर एक दिन, तकरीबन बीस वर्षों बाद, हम पुरानी कॉलोनी, जिसे हम वर्षों पहले छोड़ चुके थे, उसी रास्ते से गुजर रहे थे, मेरे मन में तीव्र इच्छा हुई, क्यों न अंकल-आंटी से मिल आऊँ? हमने उनके घर जाने का निश्चय किया। मैंने उनकी डोरबेल बजाई। दरवाजा आंटी ने खोला। उन्होंने मुझे पहचान तो लिया, पर चेहरे पर वह पुरानी चहकती मुस्कान नहीं थी। वह उजली प्रसन्नता जैसे कहीं खो गई थी। चेहरा शांत नहीं, बल्कि कुछ उदास-सा था। उन्हें देखकर ही समझ में आ गया कि अंकल अब नहीं रहे। हम काफी देर तक बैठे। धीरे-धीरे वे खुलने लगीं। मैंने उनके दोनों बेटों के बारे में पूछा। उन्होंने बताया, सभी अच्छे से हैं, अपने अपने परिवार, बच्चों के साथ खुश हैं, मुझसे कभी कभी बातें हो जाया करती है। फिर कुछ रुककर बोलीं सुधांशु, उनका बड़ा बेटा बहुत ऊंचे ओहदे पर है, आप तो जानती ही हैं कि बड़े ओहदे के साथ बड़ी जिम्मेवारियाँ भी आती हैं इसलिए अंकल के निधन पर वो नहीं आ पाया था, उसे देखे वर्षों हो गए, और वे काफी भावुक हो गईं। वे मोबाइल और वाट्सएप की दुनिया से परिचित नहीं थीं। उन्होंने कहा, मुझे यह सब चलाना नहीं आता और मुझे सीखने में कोई दिलचस्पी नहीं है। एक नौकरानी थी, जो दिनभर उनके साथ रहती थी और रात में घर चली जाया करती थी, उसके बाद घर में सन्नाटा ही सन्नाटा। मैंने आंटी को समझाने की कोशिश की कि वे घर से बाहर निकला करें, पड़ोसियों से मेल-जोल बढ़ाएँ और कभी हमारे घर भी आ जाया करें, सुबह की सैर पर जाएँ; इससे उनका मन लगा रहेगा। उन्होंने धीमे से सिर हिलाया और कहा, अब बाहर जाने की इच्छा ही नहीं होती। ऐसा लगता है, मैं बेकार हो गई हूँ। किसी को मेरी जरूरत नहीं रही।

उनका यह वाक्य मेरे हृदय में तीर की तरह चुभ गया,'किसी को मेरी जरूरत नहीं रही'। हम लौट आए, पर उनका उदास चेहरा मन में बस गया। और फिर लगभग पंद्रह दिन बाद एक दुखद समाचार मिला कि आंटी नहीं रहीं। पता चला कि वे घर में अकेली थीं। दो दिनों तक किसी को पता ही नहीं चला। पहले दिन नौकरानी ने बेल बजाई, वे नहीं खोलीं तो नौकरानी ने समझा कि वे बाहर गई होंगी। दूसरे दिन भी जब वही हुआ तो उसने उन्हें फोन लगाया, कोई जवाब नहीं आने पर उसने पड़ोस में बताया। पड़ोसियों ने पुलिस की सहायता से दरवाजा तोड़ा, वे घर में मृत पड़ी थीं। उनके बेटों को सूचना दे दी गई।

उस क्षण लगा, जैसे भीतर कुछ टूट गया हो। जो स्त्री कभी अपने बेटों के उपहारों पर खिल उठती थी, जो अपने बगीचे में रंग-बिरंगे फूलों की तरह मुस्कुराती थी, वही स्त्री तीन दिनों तक घर में अकेली पड़ी रही। यह केवल एक मृत्यु नहीं थी, यह हमारे समाज के बदलते स्वरूप की मौन चीख थी।

BRIEF NEWS

एसएसपी ने किया दो थानेदारों का तबादला

RANCHI : शनिवार को रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने दो थानेदारों का तबादला कर दिया है। राम नारायण सिंह को नामकुम थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं आदिकांत महतो को रातू थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। बता दें कि नामकुम थाना में हाजत में एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची एसएसपी ने तत्कालीन थानेदार को हटाने के लिए अनुशंसा की थी। वहीं पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया था। नामकुम थानेदार को हटाए जाने के बाद नया प्रभारी राम नारायण सिंह को बनाया गया है।

सीआईडी गृह निर्माण स्वावलंबी सहयोग समिति की बैठक

RANCHI : शनिवार को सीआईडी गृह निर्माण स्वावलंबी सहयोग समिति की बैठक हुई। सीआईडी प्रांगण में हुई इस बैठक में समिति के सदस्य शामिल हुए। जिसमें वर्षों से जमीन उपलब्धता के बावजूद वितरण नहीं करने तथा उक्त जमीन को बिक्री करने के विरुद्ध संघर्ष करने का निर्णय लिया। 8 मार्च को आमसभा में इसे लेकर आंदोलन के लिए विधिवत स्वीकृति ली जाएगी। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सचिव केके रॉय ने की। इस दौरान अवधेश सिंह, विनेश शर्मा, वीरेंद्र प्रसाद, अखिलेश्वर पासवान, रविंद्र शर्मा, मुकेश सिंह समेत दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

श्याम भंडारे में भक्तों ने पाया श्रद्धापूर्वक खाटू नरेश का प्रसाद

RANCHI : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 191 वें श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में भक्तों ने श्रद्धापूर्वक खाटू नरेश का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य, श्याम सुंदर शर्मा, रतन शर्मा सहित अन्य, श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। मंदिर में उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम के स्वर में भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी, गरुड़ जी और गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को भंडारे में मिश्रित किया गया। मोदी परिवार के सदस्यों ने सबसे पहले मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद लिया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देखरेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था।

रांची नगर निगम में प्रशासक ने की अधिकारियों के साथ बैठक, बोले-

अवैध विज्ञापन लगाने वालों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची नगर निगम में प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों, दीवारों और निगम की संपत्तियों पर अवैध विज्ञापन लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसकी वजह से शहर की छवि खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से सख्ती से निपटने की जरूरत है। साथ ही फाइन लगाने को भी कहा गया। उन्होंने कहा कि निगम की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने या उन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक में निगम क्षेत्र के सभी 53 वार्डों में स्थित नगर निगम की परिसंपत्तियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिसमें निगम की भूमि, सामुदायिक भवन, कम्युनिटी हॉल, अटल क्लीनिक, वेंडर मार्केट, आश्रय गृह, पार्क, तालाब, एचवाईडीटी और मिनी एचवाईडीटी, सार्वजनिक शौचालय, बस टर्मिनल और एमआरएफ जैसी सुविधाएं शामिल हैं। प्रजेंटेशन के माध्यम से इन परिसंपत्तियों की वर्तमान स्थिति, उपयोगिता और उनसे जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई।

- परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन व अवैध कब्जा हटाने का दिया निर्देश
- प्रेजेंटेशन के माध्यम से वर्तमान स्थिति, उपयोगिता व समस्याओं के बारे में दी गई जानकारी

अधिकारियों के साथ बैठक में प्रेजेंटेशन देखते प्रशासक

निगम और सरकार की जमीन खाली कराएं

प्रशासक सुशांत गौरव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी वार्डों में निगम की खाली या सरकारी भूमि की जांच, मापी और सीमांकन सुनिश्चित किया जाए। ऐसी जमीनों को भविष्य की विकास योजनाओं के लिए सुरक्षित रखते हुए उन्हें जनोपयोगी बनाया जाए। साथ ही अवैध कब्जों को चिन्हित कर उन्हें कब्जामुक्त कराने की प्रक्रिया भी तेज करने को कहा।

सामुदायिक भवनों की ऑनलाइन बुकिंग

प्रशासक ने यह भी निर्देश दिया कि जिन सरकारी भवनों या कम्युनिटी हॉल पर किसी निजी स्वार्थ के तहत कब्जा किया गया है, उसकी सघन जांच की जाए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक भवनों की ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली शुरू करने पर भी जोर दिया गया, ताकि आम लोगों को इन सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सके। बैठक में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक भवनों और वार्ड कार्यालयों की मरम्मत कराने के साथ वहां पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया गया। इसके अलावा आकर्षक पेंटिंग कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे भवनों की सुंदरता बढ़ेगी और स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत विजिबल क्लीनलीनेस के मानकों को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जाम से मुक्ति के लिए नए पार्किंग स्थल की होगी पहचान

इसके अलावा शहर के सभी गिफ्ट डीड की जमीनों पर लगातार निगरानी रखने तथा ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए नए पार्किंग स्थलों की पहचान करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों, सुलभ शौचालयों और मॉड्यूलर टॉयलेट में स्वच्छता, सुंदरता और सुगमता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में शहर के सभी पार्कों में बेहतर बागवानी विकसित करने और बच्चों के लिए बेहतर क्वालिटी के फाइबर झूले लगाने का भी निर्देश दिया गया। साथ ही सभी तालाबों को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त रखने को प्राथमिकता देने को कहा।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सभी सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक और परिसंपत्ति अधीक्षक सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

NEWS BOX

रांची-टाटा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट नहीं जलने का लोगों ने किया विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : तमाड़ प्रखंड के कई सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने एनएच-33 रांची-टाटा मार्ग पर तमाड़ रायडीह में

फलाईओवर व एप्रोच रोड किनारे लगे स्ट्रीट लाइट महीनों से बंद पड़े रहने के कारण नाराजगी जाहिर की। लोगों ने कहा कि केन्द्र प्रायोजित फोरलेन सड़क का निर्माण बढ़ते वाहनों के बोझ से निजात दिलाने के लिए किया गया था। लेकिन एनएचएआई की अव्यवस्था ने इस महत्वाकांक्षी योजना को धाराशायी कर दिया है। अच्छी व्यवस्था देने के नाम पर प्रतिदिन लाखों रुपए टोल टैक्स वसूली की जा रही है। लेकिन सड़क सहित अन्य चीजों का रखरखाव शून्य है। स्ट्रीट लाइट नहीं जलने के कारण रात में दुर्घटनाएं बढ़ गई है। लोगों ने इसे जल्द से जल्द दुरुस्त कराने की मांग की। मौके पर लक्ष्मण सिंह मुण्डा, महावीर सोनी, दिलीप सेठ, ललित कृष्ण मुण्डा, संजय सेठ, समरेन्द्र मुखर्जी, विवेक गुप्ता, राजू साहु, प्रताप सिंह, रवि सिंह, संतोष सोनी, आकाल मोदक, गुही मोदक, कपूर मोदक, सीताराम रवानी, उदय महतो व अन्य मौजूद थे।

पारचुटू में पांच दिवसीय श्री शिव शक्ति मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को रांची के रिंग रोड स्थित पारचुटू क्षेत्र के मंडाटांड़ रोड नं. 2 में नवनिर्मित श्री शिव शक्ति मंदिर में पांच

दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। भगवान शिव और माता शक्ति की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा और महारुद्र यज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति के साथ उत्साह का माहौल है। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय माता दी के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। पंडित कृष्णकांत तिवारी के सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। मंदिर परिसर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। महोत्सव के पहले दिन भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। इसके बाद भगवान को भोग अर्पित कर प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन समिति के अनुसार दूसरे दिन वेदी पूजन और मंडप पूजन के साथ सभी प्रतिमाओं का अधिवास कराया जाएगा। सोमवार को सुबह 9 से 10:30 बजे के शुभ मुहूर्त में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। वहीं शाम में विशेष हनुमान आराधना और सुंदरकांड पाठ आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार शामिल होने की अपील की है।

श्री-श्री महावीर मंडल सुकुरहुटू कांके के चौथी बार अध्यक्ष बने राजकुमार महतो

PHOTON NEWS KANKE : सुकुरहुटू बाजार टाड़ कांके में श्री-श्री महावीर मंडल केंद्रीय रामनवमी पूजा समिति और डोल मेला समिति

सूकूरहुटू की बैठक शनिवार को कांके उप प्रमुख अंजय बैठा की अध्यक्षता में हुई। इसमें वर्ष 2025 का आय व्यय प्रस्तुत किया गया। साथ ही पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष पद के लिए दो नाम प्रस्ताव में आए। राजकुमार महतो व हरिनाथ साहू का सर्वसम्मति न बनने के कारण पहली बार वोटिंग की व्यवस्था की गई। 219 लोगों ने वोटिंग की। राजकुमार महतो को 117 हरिनाथ साहू को 100 और 2 वोट अवैध पाया गया। इस तरह राजकुमार महतो ने 17 वोट से जीत हासिल की। इस प्रकार से राजकुमार महतो अध्यक्ष निर्वाचित हुए। बैठक में मुखिया अनिता मुंडा, बेनीराम महतो, राम कुमार दीपक, शत्रुधन महतो, प्रभात भूषण,दीपक कुमार, आकाश कुमार,रूपलाल महतो,सतीश महतो, अनिल कुमार, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी,प्रकाश पहान के साथ सैकड़ों रामक्त ग्रामीण उपस्थित थे।

बिना आधी आबादी को अधिकार दिए कोई राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता : कुलपति

PHOTON NEWS RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन सभागार में अंतर-राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पीएफए विभाग के छात्रों की ओर से राष्ट्रगीत,राष्ट्रगान और कुलगीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने ऑनलाइन जुड़कर सबों को इस दिवस की बधाई दी और कहा कि दुनिया में कोई भी देश आधी आबादी को अधिकार देकर ही विकसित हो सकता है। महिलाओं को बिना अधिकार दिये न समाज आगे बढ़ता है और न ही राष्ट्र आगे बढ़ पाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिये यह सौभाग्य की बात है कि आज रांची की मेयर से लेकर रांची विश्वविद्यालय

के कई विभागों में विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष कार्यक्रम में पहुंची हैं। उन्होंने आइक्यूएसी और आयोजन समिति के सभी सदस्यों को इस दिवस के आयोजन के लिये सराहना की। वहीं कार्यक्रम में रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कि हम सभी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं,पर हमारी भारतीय संस्कृति ऐसी है कि यहां महिलाओं और स्त्रियों के सम्मान के लिये किसी एक दिवस की जरूरत नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति सदैव स्त्रियों को सम्मान और अधिकार देने की रही है।

किसान एग्रोटेक मेला के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए सीएम को किया आमंत्रित

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) रांची के कुलपति डॉ. एस सी दुबे ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने 14 से 16 मार्च तक बीएयू मैदान में आयोजित होने वाले किसान एग्रोटेक मेला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मौके पर मुख्यमंत्री को उन्होंने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सहित अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात करते बीएयू के कुलपति डॉ. एससी दुबे

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए निमंत्रण

मुख्यमंत्री से दिगंबर जैन पंचायत जैन मंदिर अपर बाजार रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने आगामी 1 से 6 अप्रैल तक जिला स्कूल परिसर रांची में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मौके पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष प्रदीप बाकलीवाल, मंत्री जितेंद्र छाबड़ा सहित पंकज पांडेय, पूरणमल सेठी, अमित रारा उपस्थित थे।

डीसी ने कार्यालयों का किया निरीक्षण, बिना सूचना अनुपस्थित कर्मचारियों को शो-कॉज

PHOTON NEWS RANCHI : होली की छुट्टियों के बाद डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक-ए के सभी कार्यालयों का निरीक्षण कर उपस्थित कर्मियों की कार्यप्रणाली और व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों से कार्य संबंधी जानकारी भी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने छुट्टी पर रहने वाले कर्मचारियों के आवेदन पत्रों की भी जांच की तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये कि सभी कर्मचारी नियमानुसार अवकाश आवेदन प्रस्तुत करें। जिन कर्मचारियों के बारे में यह पाया गया कि वे कार्यालय प्रधान को पूर्व सूचना दिए बिना अनुपस्थित थे। उनके विरुद्ध संबंधित कार्यालय प्रधानों को शो-कॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। अर्जुन मुण्डा सहायक सामान्य शाखा, ललिता कुमार महतो और विकास जायसवाल जिला कल्याण शाखा को शोकॉज करने का निर्देश दिया गया।

छुट्टी पर रहनेवाले कर्मचारियों के आवेदनों की हुई जांच

आईडी कार्ड व नेमप्लेट नहीं लगाने पर चेतावनी

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में कर्मियों को आईडी कार्ड अनिवार्य रूप से धारण करने तथा अपने-अपने टेबल पर नेमप्लेट प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। जिन कर्मचारियों द्वारा इन निदेर्शों का पालन नहीं किया जा रहा था, उन्हें सख्त चेतावनी दी गई और भविष्य में ऐसा नहीं करने की हिदायत दी गई। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अनुशासित और जिम्मेदार ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इसके लिए कार्यालय प्रधानों को भी अपने अधीनस्थ कर्मियों की नियमित उपस्थिति के साथ कार्यप्रणाली पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया।

रांची में सड़कों की हालत में होगा सुधार, चौक सौंदर्यीकरण के लिए 39 करोड़ का टेंडर जारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में नगर निकाय चुनाव समाप्त होते ही राजधानी रांची में विकास कार्यों की रफ्तार तेज हो गई है। शहर और आसपास के इलाकों में सड़क सुधार, यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने और प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण की दिशा में कई योजनाओं पर काम शुरू करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग ने रांची शहर व आसपास की सड़कों तथा चौकों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए निविदा जारी की है। इन योजनाओं पर कुल मिलाकर करीब 39 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। विभागीय इंजीनियरों के अनुसार मार्च माह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर योजनाओं को अंतिम रूप देते हुए निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूरा होने से शहर में सड़क संपर्क बेहतर होगा, यातायात व्यवस्था सुगम बनेगी और प्रमुख चौकों का स्वरूप अधिक व्यवस्थित व आकर्षक होगा।

तीन सड़क परियोजनाओं पर पथ निर्माण विभाग करेगा काम

पथ निर्माण विभाग की ओर से तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए टेंडर जारी किया गया है। इसके तहत जगन्नाथपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर के पीछे 0.501 किलोमीटर अप्रोच रोड की विशेष मरम्मत और रिटेनिंग वॉल का निर्माण कराया

जाएगा। इस कार्य पर लगभग 1.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे चार माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं नेशनल हाईवे-75 पर मांडर चौक से बुढमू रोड तक 14.80 किलोमीटर सड़क पर आईआरक्यूपी (इम्प्रूवमेंट ऑफ रोड क्वालिटी प्रोग्राम) कार्य कराया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 11.42 करोड़ रुपये है, जिससे इस मार्ग पर यातायात अधिक सुगम होगा। तीसरी योजना के तहत सिंह मोड़-लटमा-हेथू सड़क से चरिया टोली से चंदाघासी तक बड़कटोली गांव होते हुए 2.38 किलोमीटर डायवर्जन रोड (पुल कार्य सहित) का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 14.86 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे 13 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नगर विकास विभाग के तहत झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (जुडको) ने भी दो प्रमुख परियोजनाओं के लिए ई-टेंडर जारी किया है। इसके तहत हिनू चौक के राउंडअबाउट का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस योजना पर लगभग 3.16 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा कचहरी चौक से शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक सड़क का रिसर्फेसिंग और रिफर्बिशमेंट कराया जाएगा। शहर के इस महत्वपूर्ण मार्ग के सुधार के लिए करीब 7.59 करोड़ रुपये की लागत तय की गई है और इसे छह माह में पूरा किया जाएगा।

महिला दिवस आज साहस के साथ संघर्ष करने वाली महिलाएं इज्जत की हकदार

हर दिन घरेलू कामगारों को समाज में मिलना चाहिए उचित सम्मान

PHOTON NEWS RANCHI : 8 मार्च को पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं के संघर्ष की दृष्टि से यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस मौके पर शनिवार को अधिवक्ता-सह-समाजसेवी रूना शुक्ला ने कहा आज के समय में जरूरी तो यह है कि सिर्फ एक दिन महिला दिवस पर ही नहीं, बल्कि हर दिन हर वर्ग की संघर्षरत महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए। खासकर उन महिलाओं को, जो हमारे घरों में झाड़ू, पोंछा, बर्तन या रसोई संभालने वाली हैं। साथ ही पूरी सोसाइटी में साफ-सफाई करने वाली ऐसी महिलाएं, जो दूसरों के घरों में सिर्फ अपना घर चलाने के लिए और अपने बच्चों को पढ़ा- लिखा कर एक अच्छी जिंदगी देने के लिए ताने सुनते हुए संघर्ष करती हैं, वह भी सिर्फ एक दिन की नहीं हर क्षण इज्जत की हकदार होती हैं।

कर्मशीलता का अनूठा उदाहरण

नमन उन्हें करें, वैसी महिला जिजीविषा को जो कचरा बीनते हुए पढ़ने का ख?वाब बुनती है और एक दिन अपना कंप्यूटर सेंटर संचालित करती है। मसाला,बड़ी पापड़,दोना,पत्तल बना कर कर्मशीलता का अनूठा उदाहरण पेश करती हैं। हम महिला दिवस मना सकते हैं उन साधारण महिलाओं की साधारण उप?लब्धियों के लिए जो असाधारण हैं। वे महिलाएं जो तमाम विषमताओं के बीच भी टूटती नहीं, रुकती नहीं, अपने-अपने मोर्चों पर डटी रहती हैं बिना थके। सम्माननीय है वह नारी, जो दुर्बलता की नहीं प्रखरता की प्रतीक है। जो दमित है, प्रताड़ित है उन्हें दया या कृपा की जरूरत नहीं है, बल्कि झिंझोड़ने और झकझोरने की आवश्यकता है। वे उठ खड़ी हों। चल पड़ें विजय अभियान पर। विजय इस समाज की कुरीतियों पर, बंधनों पर और अवरोधों पर।

हमें नहीं दिखाई देती अपने ही आसपास की सिसकतीं, सुबकतीं स्वयं को संभालतीं खामोश स्त्रियां। न जाने कितनी शोषित, पीड़ित और व्यथित नारियां हैं, जो मन की अथाह गहराइयों में दर्द के समुद्री शैवाल छुपाए हैं। महिला दिवस मनाया जाए उन तमाम मजदूर, घरेलू कामगार और कामकाजी महिलाओं के नाम, जो सीमित दायरों में संघर्ष और साहस के उदाहरण रच रही हैं। एकदम सामान्य, नितांत साधारण, मगर सचमुच असाधारण, अद्वितीय।

19 मार्च को महापौर रोशनी खलखो व 53 वार्ड पार्षद लेंगे शपथ

RANCHI : रांची के नगर निकाय चुनाव में जीते प्रत्याशी 19 मार्च को उपायुक्त कार्यालय में शपथ ग्रहण करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में महापौर रोशनी खलखो समेत 53 वार्ड पार्षद शामिल होंगे। शपथ ग्रहण के साथ ही पार्षद अपने-अपने इलाकों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। शहर में जल संकट, साफ सफाई, सड़क, नाली निर्माण को रफ्तार दी जाएगी। शहरवासियों की सुविधाओं के लिए महापौर विकास कार्य को अंजाम देगी। डिप्टी मेयर का चुनाव 19 मार्च को ही होगा। सबसे पहले डिप्टी मेयर के लिए नामांकन दाखिल की जाएगी। प्रत्याशी को आधे घंटे का समय नाम वापस लेने के लिए दिया जाएगा। इसी दिन चुनाव होगा और रिजल्ट की घोषणा होगी।

मंत्री-विधायकों को देशभर में मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा : इरफान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार मंत्री, विधायक और पूर्व विधायकों के लिए नई स्वास्थ्य सुविधा लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत राज्य के जनप्रतिनिधियों और उनके परिवारों को देशभर में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नई व्यवस्था के तहत झारखंड के मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक और उनके परिवार के सदस्य देश के किसी भी हिस्से में बेहतर और कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए नियमावली का प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द ही मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि यह

निर्णय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में लिया गया है, ताकि जनप्रतिनिधियों को देशभर में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयार इस व्यवस्था के तहत जनप्रतिनिधियों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति (रिइम्बर्समेंट) की व्यवस्था भी लागू की जाएगी।

BRIEF NEWS

बाइक के नीचे दबा मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

JAMSHEDPUR : जिले के धालभूमगढ़ प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को एक व्यक्ति का शव बाइक के नीचे दबा हुआ मिला। घटना जीएनडी कॉलेज के पीछे बेतझरिया गुड़ा जाने वाले रास्ते की बताई जा रही है। सुबह जब स्थानीय लोग उस रास्ते से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी जो बाइक के नीचे दबा हुआ पड़ा था। यह देख लोगों ने तुरंत आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 05जे 4779 है। बाद में ग्रामीणों की मदद से मृतक की पहचान कानस गांव निवासी अमूल्य मंडल के रूप में हुई। अमूल्य मंडल पेशे से मछली बेचने का काम करता था और आसपास के हाट-बाजारों में मछली बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

विहंगम योग ने अनाथ बच्चों में बांटी शैक्षणिक सामग्री

KHUNTI : ब्रह्म विद्या विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में शुक्रवार अक्षर फाउंडेशन के तहत सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्कूल में किया गया, जहां अनाथ बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। विहंगम योग समाज के जितेंद्र कश्यप ने शनिवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कार्यक्रम के दौरान विहंगम योग संत समाज के प्रधान संयोजक जितेंद्र कश्यप ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य का जीवन अत्यंत दुर्लभ है और 84 लाख योनियों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का कर्तव्य सेवा, सत्संग और साधना से जुड़े रहना है। इस अवसर पर संत समाज की महिला प्रभारी बनार्डेट टूटी, महिला सह प्रभारी नीरा हंसा, शांति देवी, फूलों देवी, सहसंयोजक भोज नाग और प्रभारी खुदेश्वर भगत सहित अन्य उपस्थित थे।

लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश सचिव बने केवल

RAMGARH : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के झारखंड

प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने केवल पासवान को प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि केवल पासवान झारखंड में पार्टी को मजबूत करेंगे। झारखंड प्रदेश सचिव बनने के बाद केवल पासवान ने कहा कि वे पार्टी को पूरे झारखंड के 24 जिलों में जमीनी स्तर पर उतारने का काम करेंगे। लोजपा और दलित सेना के संस्थापक रामविलास पासवान के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, झारखंड के प्रभारी अरुण भारती, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान, झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष सह चतरा विधायक जनार्दन पासवान का आभार व्यक्त किया।

चाईबासा स्थित मधु बाजार के रेस्टोरेंट में अगलगी से मची अफरातफरी

रेस्टोरेंट में लगी आग, लगभग 20 लाख के सामान हो गए खाक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित मधु बाजार में शुक्रवार को देर रात एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते रेस्टोरेंट पूरी तरह से जलकर राख में तब्दील हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक रेस्टोरेंट के अंदर रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो चुका था।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को तड़के मधु बाजार स्थित रोलेक्स रेस्टोरेंट में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते इसने पूरे रेस्टोरेंट को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना रेस्टोरेंट संचालक अनिल कुमार को दी और इसकी जानकारी तत्काल अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही तुरंत अग्निशमन वाहन मौके पर भेजा गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक पूरा सामान जल के राख हो गया। फिलहाल पुलिस और अग्निशमन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि आग लगने का कारण अब तक नहीं पता चला हैं।

फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू : संचालक

रेस्टोरेंट के संचालक अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि आग लगने से रेफ्रिजरेटर, एसी, पंखा फर्नीचर, रसोई उपकरण और जरुरी दस्तावेज पूरी तरह जल गए, आग इतनी भीषण थी कि आसपास की दुकानों तक फैलने का खतरा पैदा हो गया था। हालांकि फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग को नियंत्रित कर लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। संचालक के अनुसार, अनुमान के मुताबिक लगभग 20 लाख रुपये का सामान जल कर राख हो गया।

गुरुद्वारा के पीछे लगी आग, 5 बाइक व कई साइकिलें जलीं

JAMSHEDPUR : साकची स्थित गुरुद्वारा के पीछे शनिवार को अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में आकर वहां खड़ी पांच बाइक और कई साइकिलें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पास की बस्ती में कचरा जलाया गया था। वही आग धीरे-धीरे फैलते हुए यहां तक पहुंच गई थी। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कचरा प्रबंधन प्लांट लगाने के प्रस्ताव का ग्रामीणों ने जमकर किया विरोध

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सदर प्रखंड स्थित कुंदुबेड़ा गांव में (सॉलिड वेस्ट मेजरमेंट) कचरा प्रबंधन प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव का ग्रामीणों ने एक बार फिर भी विरोध किया है। ग्रामीणों को प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी नोटिस मिला है, जबकि वे लंबे समय से गांव में विद्यालय निर्माण की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि पहले नक्सलियों के लिए आत्म समर्पण करने वाले उग्रवादियों को जमीन पर मकान बनाने का प्रयास किया गया था, जिसका जमकर विरोध किया गया। इसके बाद उस प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। अब फिर से ग्रामीणों को उजाड़ने के लिए हेमंत सरकार और जिला प्रशासन ने ग्रामीणों को नोटिस थमाया है। प्रशासन ने ग्रामीणों को 14 तारीख तक सीमाकंन करने के लिए नोटिस भेजा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बेहतर शिक्षा व्यवस्था

सुधारने के लिए प्रशासन से बर्षो से विद्यालय की मांग की गई थी, जिसे प्रशासन नजरअंदाज कर रहा है। अंचल अधिकारी ने नगर विकास एवं आवास विभाग के लिए 3 एकड़ भूमि की मांग की है, जिसमें कचरा प्लांट स्थापित करने की योजना है। इस नोटिस के बाद ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई। शनिवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट हुए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ भी नारेबाजी की। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि हमें स्कूल चाहिए, रोजगार चाहिए, बेहतर स्वास्थ चाहिए, कचरा प्लांट नहीं चाहिए। गांव में गंदगी फैलाने वाली किसी भी योजना को स्वीकार नहीं करेंगे।

घाटशिला कॉलेज में बाहा मिलन समारोह का किया गया आयोजन, झूमे छात्र-छात्राएं

PHOTON NEWS GHATSHILA : घाटशिला कॉलेज में संताली विभाग की ओर से शनिवार को बाहा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें आदिवासी आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। समारोह में छात्र-छात्राओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा परिसर मांदर की थाप से गूंज उठा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सोमेश चंद सोरेन ने कहा कि प्रकृति से जुड़े महापर्व को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उनके पिता पूर्व मंत्री रामदास सोरेन का घाटशिला कॉलेज के विकास का जो सपना था, उसे पूरा कराएंगे। समारोह की अध्यक्षता कालेज के प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने की। संचालन संताली विभाग के प्राध्यापक मानिक मार्डी, बसंती मार्डी और डॉ. एसपी सिंह ने किया।

बाहा मिलन समारोह में पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा, घाटशिला के एसडीओ सुनील चंद्र, सीडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलानशासक डॉ. राजेंद्र भारती, सीवीसी डॉ. प्रभात कुमार सिंह, एबीएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार, सिंहभूम कॉलेज चांडिल के प्राचार्य डॉ. सुनील मुर्मू, जिला पार्षद देवयानी मुर्मू, प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू, पावड़ा पंचायत की मुखिया पार्वती मुर्मू, थाना प्रभारी राजेंद्र मुंडा, समाजसेवी लखन मार्डी, निर्मल झुनझुनवाला, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश शर्मा, प्रो. सुबोध कुमार सिंह, प्रो. विकास मुंडा, बीडीएसएल महिला कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पुष्पा गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, झारखंड श्रमिक संघ के अध्यक्ष काजल डान व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

NEWS BOX

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सम्मानित हुईं जानी-मानी महिलाएं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कदमा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसमें

शहर की जानी-मानी महिलाएं सम्मानित की गईं। इनमें समाजसेवी रत्ना भट्टाचार्या, संस्कृतिकर्मी कृष्णा सिन्हा, चिकित्सक आशा गुप्ता, आध्यात्मिक गुरु अंजू बहन, शिक्षाविद सोमा बनर्जी, जिला पार्षद कविता परमार, कलाकार मीरा दत्ता, गोल्फ चैंपियन अलका गर्ग, उद्यमी पुष्पा तिर्की, रेल इंजन चालक पूजा कुमारी, ईको वॉरियर गरिमा रोहिला, यूथ आइकॉन तनुश्री बोस और फैशन डिजाइनर रीता अग्रवाल शामिल थीं। डॉ. सूरीना भुल्लर सिंह के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम का संचालन अंजली व जसनीत ने किया, जबकि इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. बी.चंद्रशेखर, ट्रस्ट की सह-अध्यक्ष ललिता चंद्रशेखर, सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन, प्रशासनिक सचिव सतीश सिंह, सह-सचिव सुधा दिलीप, प्राचार्या डॉ. जूही समर्पिता व उप-प्राचार्या डॉ. मोनिका उप्पल सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ब्रह्मर्षि विकास मंच ने शुरू की सामूहिक यज्ञोपवीत की तैयारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : ब्रह्मर्षि विकास मंच, जमशेदपुर ने 19-20 अप्रैल को होने वाले सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार की तैयारी शुरू कर दी है। इस

संबंध में शनिवार को विद्यापति नगर में शंभू शर्मा के आवास पर बैठक हुई। इसमें 27 सदस्यीय आयोजन समिति का प्रभारी प्रभाकर शर्मा व सहप्रभारी राजीव चौधरी को बनाया गया। समिति के अन्य सदस्यों में रामनारायण शर्मा, रामप्रकाश पांडे, मुकेश शर्मा, योगेंद्र मौआर, सुधीर कुमार सिंह, विजय नारायण ठाकुर, गोपाल सिंह, कामेश्वर तिवारी, प्रमोद ठाकुर आदि भी शामिल हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत, तीसरा भी गंभीर

PHOTON NEWS CHATRA : इटखोरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल है। यह दुर्घटना हजारीबाग रोड स्थित करनी इलाके के पास हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलाड़ गांव निवासी मिथलेश भुइयां, धुना गांव निवासी पंकज भुइयां और सिलाड़ गांव निवासी नीरज कुमार भुइयां एक ही बाइक पर करनी से धुना गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर बुरी तरह फेंका गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मिथलेश भुइयां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पंकज भुइयां को अस्पताल ले गए। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। तीसरे घायल नीरज कुमार भुइयां को स्थानीय लोगों की मदद से इटखोरी स्वास्थ्य उपकेंद्र में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज-अस्पताल, हजारीबाग रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

मालवाहक पलटा, दबकर एक की मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना क्षेत्र में शनिवार को एक मालवाहक (टाटा एस) अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में सोनुवा थाना अंतर्गत बनजीरा गांव निवासी संजीत कोड़ा नामक व्यक्ति की मौत हो गई। संजीत कोड़ा वाहन में मजदूरों को लेकर धान खरीद केंद्र में धान लेने जोड़ापोखर गांव आया था। उसने वाहन को सड़क पर खड़ा किया था। संजीत कोड़ा ड्राइवर की सीट पर बैठा था, तभी उसका पैर गलती से एक्सलेटर पर दब गया। इससे वाहन तेज गति से बढ़ गया औरअनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। वाहन पलटने से संजीत कोड़ा उसके नीचे दब गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे बाहर निकल गया, तत्काल उसे इलाज के लिए सोनुवा सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पलामू में टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों से टैक्स वसूली का लोगों ने किया विरोध

PHOTON NEWS PALAMU : नेशनल हाईवे (एनएच)-39 दुबियाखांड़ टोल प्लाजा पर स्थानीय चारपहिया वाहनों से टोल टैक्स वसूली के विरोध में और जमीन अधिग्रहण मुआवजा भुगतान को लेकर स्थानीय लोगों ने शनिवार को प्रदर्शन किया।

मौके पर लोगों ने कहा कि सड़क का निर्माण जब अधूरा है तो टोल टैक्स क्यों लिया जा रहा है। घटना में सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी लालजी और एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर सुधीर कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

इस क्रम में निर्णय लिया गया कि सदर मेदिनीनगर प्रखंड क्षेत्र के जितने लोगों के पास चारपहिया निजी वाहन हैं वे अपना नाम, गाड़ी का नंबर और आधार कार्ड मुखिया के माध्यम से कंपनी के पास जमा करेंगे। इसकी लिस्टिंग करके टोल नाके पर लगाया जाएगा और इसके आधार पर ही टैक्स में छूट दी जाएगी। इसी तरह 50 से अधिक रैयतों के मुआवजा भुगतान को लेकर कोर्ट में भेजे गए मामले को वापस लिया जाएगा और उपायुक्त के माध्यम से मुआवजा भुगतान किया जाएगा। इसके लिए 5 दिनों का समय दिया गया। इधर, जिला परिषद सदस्य पति अर्जुन सिंह ने बताया कि दोपहिया वाहन, ऑटो और ट्रैक्टर से टोल नहीं वसूला जाएगा। दोनों मांगों पर सहमति बनने पर विरोध प्रदर्शन समाप्त किया गया। मौके पर बताया गया कि निर्धारित अवधि में वाहनों की जानकारी कंपनी को दे दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सतबरवा- सदर प्रखंड के भोगू से गढवा रोड (रेहला) के शंखा तक 49 किलोमीटर नेशनल हाईवे का निर्माण किया जाना है। इसमें 42 किलोमीटर तक सड़क बन गई है।

शादी का झांसा देकर युवती का 13 वर्षों तक किया यौन शोषण

RAMGARH : जिले में शादी का झांसा देकर एक आदिवासी युवती का 13 वर्षों तक यौन शोषण किया गया। यह मामला तब उजागर हुआ जब पीड़िता महिला थाना पहुंची। मुंडा समाज की पीड़िता मूल रूप से भदानीनगर ओपी क्षेत्र की रहने वाली है। पीडिता अपने एक रिश्तेदार के घर काफी लंबे समय तक मतकमा गांव में रही थी। इसी गांव में अपने रिश्तेदार के घर रह रहे प्रकाश यादव के साथ उसे प्रेम हो गया। वर्ष 2012 में शुरू हुआ उन लोगों का प्रेम संबंध वर्ष 2025 तक चलता रहा। इस दौरान पीड़िता के साथ प्रकाश यादव ने शादी का वादा किया और फिर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। उसने अपने इस प्रेम संबंध को छुपाए रखने के लिए भी पीड़िता को राजी कर लिया था। उसने यह भरोसा दिलाया था कि वह पूरी जिंदगी उसका साथ निभाएगा।

रामगढ़ घाटी में अनियंत्रित ट्रेलर पलटा, 15 किमी तक लगा जाम, 5 घंटे फंसे रहे लोग

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ जिले की चूटूपालू घाटी में एक अनियंत्रित ट्रेलर पलट गया, जिससे करीब 5 घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रही। इस घटना के कारण घाटी में लगभग 15 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था। यह ट्रेलर रांची से रामगढ़ की ओर आ रहा था, तभी घाटी में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रेलर का अगला हिस्सा उसके पिछले हिस्से से अलग हो गया और पिछला हिस्सा ड्राइवर के बीच फंस गया। ट्रेलर के बड़े आकार के कारण सड़क पर दोनों ओर से गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस क्रेन की मदद से पलटे हुए ट्रेलर को हटाया। इसके बाद जाम को जल्द से जल्द खोला

जा सके। चूटूपालू घाटी अपनी घुमावदार सड़कों और लगातार होने वाली दुर्घटनाओं के लिए जानी जाती है, जिसके कारण इसे 'मौत की घाटी' भी कहा जाता है। यहां अक्सर लंबे वाहन पलट जाते हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। जिला प्रशासन ने जाम से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन वे प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं। लंबे समय से जाम में फंसे राहगीर प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। उनका कहना है कि कम से कम एक लेन को पूरी तरह से चालू रखा जाना चाहिए ताकि यात्रियों को परेशानी न हो।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज डॉ. रागिनी भूषण ने उठाए सवाल- महिला दिवस की आवश्यकता क्यों

अशिक्षित होते हुए भी मैंने डायन प्रथा के खिलाफ किया संघर्ष : छुटनी महतो

PHOTON NEWS GHATSHILA : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर शनिवार को सोना देवी विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवेकानंद ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में पद्मश्री छुटनी महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने अशिक्षित होते हुए भी डायन जैसी कुप्रथा, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया है। वह विवाह के बाद जिस घर में गई थीं, वहां से मुझे डायन कहकर निकाल दिया गया था। लेकिन, मैंने इसके

कार्यक्रम को संबोधित करतीं डॉ. रागिनी भूषण, पास खड़ी हैं पद्मश्री छुटनी महतो

खिलाफ लंबी लड़ाई, तो समाज का साथ मिला। मायके में मेरे भाइयों ने आश्रय दिया। मैं आज भी डायन के नाम पर प्रताड़ित व पीड़ित महिलाओं के लिए संघर्ष कर रही हूं और उन्हें आश्रय प्रदान कर रही हूं।

कोई भी पीड़ित महिला मुझसे संपर्क करके सहायता प्राप्त कर सकती है। वह अभी भी थानों में जाकर वहां डायन-बिसाही से संबंधित दर्ज मामलों की जानकारी लेती हैं।

बतौर विशिष्ट अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रागिनी भूषण ने सवाल उठाते हुए कहा कि भारत में महिला दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों है। उन्होंने भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की चर्चा करते हुए पंचतत्व के बारे में बताया। गिव टू गेन का अर्थ बताते हुए कहा कि वेदों में महिलाओं को पुरूषों से उच्च स्थान प्राप्त था।

उन्होंने गृहस्थी तथा स्वयंवर का अर्थ भी बताया। डॉ. रागिनी ने वेदों और पुराणों के संदर्भ साझा करते हुए कहा कि हर तरह से सशक्त होते हुए भी महिलाओं के लिए महिला दिवस मनाने की आवश्यता क्यों पड़ी। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ प्रबंध किए गए। ऐतिहासिक काल में कुछ कुरीतियां आईं और इसका खामियाजा सभी महिलाओं को भुगतना पड़ा। महिलाओं को महिला विमर्श के बजाय अब आत्म विमर्श करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को परिस्थितियों को संभालने की सीख दी तथा सभी महिलाओं तथा छात्राओं को संबोधित 'राष्ट्र की ऋचाओं को गुनगुनाना चाहिए' शीर्षक से एक ऋचा प्रस्तुत कर महिला दिवस की शुभमामनाएं दी।

नाबालिग को अगवा कर तीन दिनों तक किया दुष्कर्म, 3 आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS PAKUR : पाकुड़ जिला के मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी निधि द्विवेदी ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि यह वारदात 17 फरवरी को हुई थी। 6 मार्च को पीड़िता ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि नाबालिग लड़की को कुछ युवकों ने जबरन डंपर में बैठा लिया और दो दिन तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। जब पीड़िता घर लौटी तो परिवार को घटना की जानकारी दी। घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने पहले गांव में पंचायती की थी। थाना में शिकायत मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया। टीम ने दशरथ किस्कू, सकल टुडू व प्रधान मरांडी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है, जबकि अन्य तीन की गिरफ़्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि जिस डंपर से युवती को जबरन ले जाया गया था, उस वाहन को जब्त कर लिया गया है। पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई है, वह स्वस्थ है। पीड़िता ने बताया कि वह 17 फरवरी को दुकान से सामान लाने गई थी।

BRIEF NEWS

डीएम के जनता दरबार में 61 आवेदकों के आवेदन पर हुई सुनवाई

ARARIA : समाहरणालय स्थित सभागार में डीएम विनोद दूहन के जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 61 आवेदकों के आवेदन पर शनिवार को सुनवाई की गई। जनता दरबार में अधिकांश मामले भूमि विवाद, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण,परिवार के भरण-पोषण के लिए रोजगार उपलब्ध कराने, विद्युत संबंधी समस्या, उज्ज्वला योजना का लाभ नहीं मिलने तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े थे। डीएम ने सभी परिवादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को लेकर भाजपा की बैठक

BHAGALPUR : भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 का शुभारंभ शनिवार से हो गया है, जो 14 अप्रैल तक चलेगा। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को बिहपुर एनडीए कार्यालय में बिहपुर विस के सभी मंडल भाजपा अध्यक्षों के साथ कार्य योजना बैठक की गई। क्षेत्रीय विधायक ई.शैलेंद्र, भाजपा जिलाध्यक्ष मुक्तिनाथ सिंह निषाद, उपाध्यक्ष प्रो.गौतम और जिला महामंत्री संजय शर्मा नागर आदि की उपस्थिति में उर्पयुक्त महाअभियान कार्यक्रम के उद्देश्य और इसकी सफल एवं सुव्यवस्थित तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय और आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा उपरांत रूपरेखा तय की गई। बैठक में बताया गया कि महाअभियान के महाप्रशिक्षण की पहली कड़ी में 12 मार्च को खरीक उत्तरी मंडल भाजपा की बैठक होगी।

बक्सर जिला अतिथि गृह के प्रबंधक शराब के नशे में गिरफ्तार

BUXAR : उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए जिला अतिथि गृह बक्सर के प्रबंधक को शराब के नशे में गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 200 एमएल शराब की एक बोतल भी बरामद की गई। उत्पाद आधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि विभाग को सूचना मिली कि जिला अतिथि गृह के प्रबंधक बृजकिशोर पांडेय शराब के नशे में बैठकर कार्य कर रहे हैं। सूचना मिलते ही उत्पाद विभाग की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अतिथि गृह में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने पाया कि प्रबंधक नशे की हालत में मौजूद थे। इसके बाद उनकी तलाशी ली गई, जिसमें उनकी जेब से 200 एमएल शराब की एक बोतल बरामद हुई। बरामदगी के बाद उत्पाद विभाग ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद विभाग के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

सीएम नीतीश ने तेजी से कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना जिलान्तर्गत बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आर०ओ०बी०) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि निमार्णाधीन 2 लेन आरओबी का निर्माण कार्य इस महीने पूर्ण हो जायेगा।

बख्तियारपुर में निर्माणाधीन विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

ताजपुर पुल निर्माण कार्य का लिया जायजा

गंगा नदी पर निमार्णाधीन बख्तियारपुर (करजान)-ताजपुर (समस्तीपुर) फोर लेन पुल एवं पहुंच पथ का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अथमलगोला प्रखण्ड के करजान (बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन बाईपास) से कल्याणपुर होते हुए गंगा नदी के तट तक जाकर निमार्णाधीन बख्तियापुर-ताजपुर पुल के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर-ताजपुर पुल के निर्माण कार्य की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस फोर लेन पुल एवं पहुंच पथ का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और इस साल के अंत तक पूर्ण हो जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनएच-30 एवं एसएच- 106 को जोड़ने वाले इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करें। इस योजना के पूर्ण होने से पटना-बख्तियारपुर पुराना पथ (एसएच-106) तथा पटना-बख्तियारपुर नया फोर लेन (एनएच-30) आपस में जुड़ जायेंगे, जिससे दोनों तरफ के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और समय की बचत होगी। बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा यातायात सुगम होगा। उन्होंने कहा कि बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को पुराने एवं नये दोनों पथों से सीधी सम्पर्कता हो जायेगी, जिससे छात्रों एवं शिक्षकों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बख्तियारपुर के नये भवन के निर्माण कार्य कार्य का भी जायजा लिया। यह भवन पांच मंजिला बनाया गया है, जिसमें 45 वर्ग कक्ष हैं।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करें ताकि छात्रों के पठन-पाठन में सुविधा हो। मुख्यमंत्री ने गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुराने भवन का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बचपन में इसी स्कूल में पढ़ते थे। हमारी पुरानी यादें इससे जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने इसी स्कूल परिसर के पास स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्व डुमर सिंह की प्रतिमा स्थल के पास बनाये जा रहे पार्क निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

अवैध बैनर-पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ बिहार सरकार सख्त

आर्थिक अपराधियों की तरह होगी कार्रवाई : विजय सिन्हा

AGENCY PATNA : बिहार के उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कहा कि राज्य में अवैध बैनर और पोस्टर लगाने वाले विज्ञापनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से विभाग आर्थिक अपराधियों की तरह निपटेगा, क्योंकि ये संगठित तरीके से सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं।

विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों में कुछ लोग सिंडिकेट बनाकर अवैध होर्डिंग और बैनर लगाकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई करता है तो ये लोग आजीविका का हवाला देकर न्यायालय की शरण में चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की सख्ती के बाद राज्य के 38 जिलों के 264 नगर निकायों में 11 हजार से अधिक अवैध होर्डिंग के मामलों में करीब 20 लाख रुपये की दंड राशि वसूली की जा चुकी है।

विज्ञापन एजेंसियों को जारी किया नोटिस

उपमुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पटना नगर निगम ने राजस्व वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया है। शहर की 54 विज्ञापन एजेंसियों पर निगम का भारी बकाया है, जिसे जमा करने के लिए नोटिस भेज दिया गया है। आंकड़ों के अनुसार विज्ञापन मद में कुल 107.12 करोड़ रुपये की बकाया राशि है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर नगर निगम ने अवैध होर्डिंग के मामले में 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है और 19 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला है। दरभंगा नगर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध होर्डिंग हटाकर उससे संबंधित सामान जब्त कर लिया है। वहीं मुजफ्फरपुर नगर निगम क्षेत्र में करीब 55 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं। बेगूसराय नगर निगम में सात अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं और 71 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। कटिहार नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए होर्डिंग लगाने को लेकर लगभग 25 लाख 75 हजार रुपये का एकरारनामा किया है।

पटना नगर निगम क्षेत्र में भी अवैध होर्डिंग के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। अब तक 200 से अधिक अवैध होर्डिंग हटाए जा चुके हैं, जबकि 250 से अधिक होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। सबसे अधिक पाटलिपुत्र अंचल में 59 अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं, जबकि कंकड़बाग अंचल में 89 अवैध होर्डिंग के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं। शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात सुगमता और जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम के सभी छह अंचलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

नगर निगम क्षेत्र में बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारे, विद्युत पोल, सरकारी परिसरों और निजी भवनों पर लगाए गए विज्ञापन सामग्री, यूनिपोल और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। निजी भवनों की छतों और दीवारों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग को हटाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं और जिन एजेंसियों पर बकाया है, उन्हें जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया गया है।

सीवान में पुलिस को चकमा देकर आरोपी हाजत से फरार

SIWAN : सीवान जिले में पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एक सप्ताह के भीतर दो अलग-अलग थानों से गिरफ्तार अभियुक्तों के फरार होने की घटनाओं ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की पोल खोल दी है। सबसे ताजा मामला सराय थाना का है, जहां हाजत में बंद एक आरोपी शनिवार की सुबह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, सराय थाना क्षेत्र के पपौर गांव में शुक्रवार की शाम पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिक अभियुक्त पपौर निवासी भभूति तिवारी के पुत्र बबलू तिवारी को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को उसे सराय थाना की हाजत में बंद कर दिया गया था और शनिवार को कागजी प्रक्रिया पूरी कर उसे जेल भेजने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान शनिवार की सुबह पुलिस की लापरवाही उजागर हो गई। सराय थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ आनन्द के अनुसार हाजत में शौचालय की व्यवस्था नहीं होने के कारण आरोपी ने शौच जाने की बात कही। ड्यूटी पर तैनात संतरी उसे हाजत से बाहर लेकर आया और थाना परिसर में दीवार के पास बैठाया।

NEWS BOX

अररिया व फारबिसगंज के बुनियाद केंद्र में सीएससी शुरू

AGENCY ARARIA : अररिया सदर एवं फारबिसगंज बुनियाद केंद्र में शनिवार को कॉमन सर्विस सेंटर का विधिवत शुभारम्भ जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक दिलीप कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक दिलीप कुमार ने बताया कि बुनियाद केंद्र में सीएससी की शुरूआत होने से अब लाभार्थियों को आधार से संबंधित सेवा तथा अन्य ऑनलाइन सेवा प्राप्त करने के लिए अलग-अलग कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब आधार अपडेट, विभिन्न ऑनलाइन आवेदन एवं अन्य डिजिटल सेवाएं बुनियाद केंद्र परिसर में ही उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे वृद्धजन, दिव्यांगजन एवं अन्य लाभार्थियों को काफी सुविधा मिलेगी। बुनियाद केंद्र फारबिसगंज में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जिला प्रबंधक सक्षम नवीन कुमार नवीन ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बुनियाद केंद्र में सीएससी की शुरूआत से आने वाले लाभार्थियों को एक ही स्थान पर कई महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो सकेगी ।फारबिसगंज सीएससी संचालक रोहित रंजन एवं रितेश कुमार द्वारा सभी सेवाओं को प्रदर्शित किया गया। मौके पर जिला प्रबंधक, सीएससी रविन्द्र कुमार के द्वारा सहायक निदेशक को सीएससी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सेवाओं की जानकारी देते हुए प्रदर्शन किया ।कार्यक्रम में बुनियाद केंद्र के कर्मी उपस्थित रहे।

बाल महासंग्राम क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

AGENCY NAVADA : नवादा जिले के कौआकोल प्रखण्ड के राजकीय बुनियादी विद्यालय बरौन बाजितपुर में शनिवार को समारोह का आयोजन कर बाल महासंग्राम क्वीज प्रतियोगिता में सफल हुए एक दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजनकर्ता टीम के सदस्य हरेराम कुमार और प्रसेनजीत प्रसाद ने बताया कि 20 फरवरी 2026 को प्रखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था,जिसमें 350 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। परिणाम घोषित होने के उपरांत प्रथम विजेता राजकीय बुनियादी विद्यालय बरौन बाजितपुर के आदर्श राज,द्वितीय विजेता उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरगपुर के पीयूष कुमार तथा तृतीय विजेता उत्क्रमित मध्य विद्यालय के खुशी कुमारी बनें, जिन्हें विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में स्थानीय सरपंच अर्जुन साव के द्वारा पुरस्कृत किया गया।,जबकि प्रतियोगिता में सफल टॉप टेन विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार, प्रीतम, विवेक, प्रशान्त,सुमन आदि मौजूद रहे।

विधायक ने छह वर्षो से लंबित पुल के निर्माण कार्य का लिया जायजा

AGENCY ARARIA : रानीगंज के बगुलाहा पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत बड़हरा चौक से शिव मंदिर टोला पथ में बन रहे पुल एवं संपर्क पथ निर्माण कार्य का विधायक अविनाश मंगलम ने शनिवार को स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक अविनाश मंगलम ने बताया कि संवेदक द्वारा लगभग छह वर्षों से कार्य लंबित है तथा सूचना पट्ट पर कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने की तिथि भी अंकित नहीं है, जो गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। पुल निर्माण नहीं होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर दूरभाष से सहायक अभियंता को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा अनियमितताओं की जांच कर कार्रवाई करने को कहा गया है ।विधायक ने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

भ्रष्ट बीडीओ के ठिकानों पर निगरानी विभाग ने की छापेमारी, बड़े निवेश के मिले प्रमाण

AGENCY EAST CHAMPARAN : बिहार निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पूर्वी चंपारण जिला निवासी और सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड में तैनात प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा राम के विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। उक्त कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई है।

निगरानी की टीम ने न्यायालय से प्राप्त सर्च वारंट के आधार पर बीडीओ के सीतामढ़ी स्थित सरकारी आवास और पूर्वी चंपारण जिला स्थित उनके पैतृक गांव तुरकौलिया थाना के टिकैता आवास और मोतिहारी शहर के राजा बाजार स्थित मकान की गहन तलाशी ली है ।अपुष्ट जानकारी के अनुसार तलाशी के दौरान 21 अलग-अलग स्थानों पर जमीन खरीदने के अलावा, विभिन्न बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य स्कीमों में भारी निवेश के प्रमाण भी मिले हैं। निगरानी टीम के एक सदस्य के अनुसार विभाग को गोपनीय सूचना मिली थी कि बीडीओ कृष्णा राम ने पद का दुरुपयोग करते हुए अकूत संपत्ति जमा की है ।जिसके आधार पर 5 मार्च को निगरानी थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था,जिसके बाद उक्त कारवाई की गई है ।वही छापेमारी की इस कारवाई को लेकर बीडीओ कृष्णा राम ने कहा है,कि निगरानी विभाग की यह कार्रवाई उनके पुराने आय विवरणी पर आधारित है। उनका दावा है कि यदि सरकार को दिए गए उनके 'अपडेटेड रिटर्न' की जांच की जाती, तो आय से अधिक संपत्ति का यह मामला ही नहीं बनता।

अवैध आर्केस्ट्रा संचालकों पर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, तीन नाबालिग लड़कियों को किया रेस्क्यू

AGENCY EAST CHAMPARAN : पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अवैध आर्केस्ट्रा संचालकों और नाबालिग लड़कियों के शोषण के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत हरसिद्धि थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने तीन आर्केस्ट्रा संचालकों को गिरफ्तार कर तीन नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया है ।उक्त कारवाई प्रशिक्षु डीएसपी रिषभ कुमार के नेतृत्व में चाइल्ड लाइन मोतिहारी और हरसिद्धि पुलिस की एक संयुक्त टीम ने की है।

टीम ने धनखरैया और नहर के समीप संचालित 'किरण म्यूजिकल आर्केस्ट्रा' पर अचानक छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने मौके से तीन नाबालिग लड़कियों को बरामद किया। जिन्हें जबरन आर्केस्ट्रा में नृत्य कराया जा रहा था ।इसके साथ पुलिस ने तीन आर्केस्ट्रा संचालकों को भी पकड़ा है, जिनमें सुधांशु कुमार, मुकेश कुमार और नीलकमल कुमार शामिल है। पकड़े गए संचालकों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और बाल श्रम निषेध कानूनों के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट किया है कि नाबालिगों के शोषण करने वालो के विरूद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है,कि एसपी के निर्देश पर पुलिस ने इस विशेष अभियान के तहत पूर्व में जिले के कोटवा, डुमरिया घाट और संग्रामपुर थाना क्षेत्रों में भी छापेमारी कर आधा दर्जन से अधिक नाबालिग लड़कियों को मुक्त करा चुकी है,जबकि 6 अन्य अवैध आर्केस्ट्रा संचालकों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज चुकी है। प्रशिक्षु डीएसपी रिषभ कुमार ने बताया कि मुक्त कराई गई लड़कियों को काउंसलिंग के बाद उनके परिजनों को सौंपने या सुधार गृह भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है,साथ ही इसकी जांच की जा रही है, इन लड़कियों को कहां से कैसे और कौन लाकर अनैतिक कार्य में धकेल रहा है। एसपी ने जिलेवासियों से अपील की है कि कहीं भी नाबालिगों से मजदूरी या इस तरह के कार्य कराए जाने की सूचना मिले,तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

नुकसान | भागलपुर की प्रसिद्ध सिल्क इंडस्ट्री पर पड़ रहा बड़ा असर

अमेरिका-ईरान युद्ध की मार, 25 करोड़ का ऑर्डर रद्द

AGENCY BHAGALPUR : अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत के व्यापार पर भी दिखाई देने लगा है। इसका सबसे बड़ा असर बिहार के भागलपुर की प्रसिद्ध सिल्क इंडस्ट्री पर पड़ा है। विश्व प्रसिद्ध सिल्क सिटी भागलपुर के बुनकर इस अंतरराष्ट्रीय संकट से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

यहां तैयार होने वाला सिल्क न सिर्फ देश के बड़े बाजारों में जाता है, बल्कि अमेरिका और खाड़ी देशों में भी इसकी भारी मांग रहती है। लेकिन मौजूदा हालात के कारण सिल्क के व्यापार पर गहरा असर पड़ा है। स्थानीय बुनकरों के अनुसार हाल ही में करीब 25 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर अचानक रद्द कर दिया गया, जिससे बुनकरों की स्थिति और अधिक संकट में आ गई है।

जब स्थानीय स्तर पर बुनकर इलाकों का दौरा किया गया तो कई जगह लूम बंद पाए गए। बुनकर हेमंत कुमार और आलोक कुमार बताते हैं कि कोरोना काल के बाद से ही बुनकरों की हालत खराब हो गई थी। इसके बाद अलग-अलग देशों में हुए युद्ध और अंतरराष्ट्रीय तनाव ने व्यापार को और कमजोर कर दिया। पहले यहां का तैयार माल बांग्लादेश जाता था, लेकिन वहां की स्थिति बिगड़ने से वह बाजार भी लगभग बंद हो गया। बुनकरों का कहना है कि अभी-अभी वे धीरे-धीरे संभलने की कोशिश कर ही रहे थे कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के बीच करीब 25 करोड़ रुपये का ऑर्डर कैंसिल हो गया। इसके अलावा अमेरिकी नीतियों और टैरिफ का असर भी व्यापार पर पड़ा है। हेमंत कुमार बताते हैं कि जब भी बुनकर अपने काम को आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं, तब कोई न कोई संकट सामने आ जाता है। कभी विदेशों में भागलपुर सिल्क की धूम थी, लेकिन अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कई बुनकर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं और भविष्य में लूम बेचकर गुजारा करने की नौबत आ सकती है। भागलपुर में तसर, मुगा, कोटा, मटका, मलवरी और अरंडी जैसे कई प्रकार के सिल्क कपड़े तैयार किए जाते हैं। लेकिन मौजूदा संकट के कारण इस पारंपरिक उद्योग का अस्तित्व धीरे-धीरे खतरे में पड़ता नजर आ रहा है।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

EAST CHAMPARAN : बाल विवाह के रोकथाम को लेकर चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत शनिवार को रक्सौल प्रखंड क्षेत्र के हरैया गांव में काली सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्वती तिवारी की उपस्थिति में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी भी मौजूद रही। जागरूकता अभियान के दौरान प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने बताया कि बाल विवाह के खिलाफ इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान और इसके तहत निकाले गए 'बाल विवाह मुक्ति रथ' को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा, यह कोई प्रतीकात्मक यात्रा नहीं थी।

नीतीश कुमार को भाजपा दे सम्मानजनक विदाई : कांग्रेस

AGENCY PATNA : बिहार की सत्ता को हड़पने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जबरन राज्यसभा भेजा जा रहा है। साथ ही राज्यसभा चुनाव में अतिरिक्त उम्मीदवारी देना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अंतिम राजनीतिक यात्रा में भी अड़ंगा डालना अपने ही गठबंधन सहयोगी के साथ क्रूरतम व्यवहार है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अविलंब अपने अतिरिक्त उम्मीदवार का नाम निर्देन प्रपत्र वापस लेना चाहिए ताकि नीतीश कुमार की अंतिम राजनीतिक पारी सम्मान के साथ संभव हो सकें। राजेश राठौड़ ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राज्यसभा के अपने एक अतिरिक्त उम्मीदवार का नाम वापस लेनाचाहिए और नीतीश कुमार को निर्विरोध निर्वाचन कराकर उनके अंतिम राजनीतिक यात्रा का सम्मानपूर्वक अंत करने में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 2005 से मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार ने अपने पूरे मुख्यमंत्रित्व काल में एक बार छोड़कर, हर बार विधान पारिषद और राज्य सभा का निर्वाचन निर्विरोध करवायें और अतिरिक्त मत रहते हुए भी कभी मतदान के पक्ष में नहीं रहें। ऐसे में आखिर भाजपा और एनडीए ने किस उम्मीद से पांचवें प्रत्याशी की घोषणा कर दी और उनसे नामांकन भी करवा दिया।

भारत नवाचार और डीप टेक का बन रहा वैश्विक केंद्र

भारत के किसी बड़े शहर की चकाचौंध से दूर ओड़िशा या छत्तीसगढ़ के किसी ऐसे जिले में जहां मोबाइल के सिग्नल भी मुश्किल से पहुंचते हैं, वहां एक 14 साल का बच्चा एक पुराने कार्डबोर्ड, कुछ तारों और एक सस्ते सेंसर के साथ बैठा है। वह कोई खिलौना नहीं बना रहा। वह एक ऐसी मशीन तैयार कर रहा है, जो मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी होने पर उसके पिता के मोबाइल पर मैसेज भेज सके। जेन-जी के शोर और जेनरेटिव एआई की चकाचौंध के बीच यह आज के भारत की वह तस्वीर है, जिसे मुख्यधारा का मीडिया अक्सर कुछ कम तवज्जो देता है। यह तस्वीर है बच्चों में विज्ञान चेतना को समर्पित अटल इनोवेशन मिशन की, जो देश के कोने-कोने में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब्स के जरिए एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो विज्ञान को रटती नहीं, उसे जीती है। 10 सालों की यह कहानी केवल मशीनों की नहीं है। यह कहानी है उस आत्मविश्वास की, जिसने भारत को जुगाड़ के देश से इनोवेशन के ग्लोबल हब की ओर मोड़ दिया है। औसत विद्यार्थियों के लिए भारत में विज्ञान शिक्षण एक बोरियत भरा बोझ रहा है। कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर प्रकाश के परावर्तन या ओम के नियम के चित्र तो बनते थे, लेकिन साधारण मेधा वाले छात्रों को यह समझ नहीं आता था कि ये उनकी निजी जिंदगी में क्या बदलाव लाएंगे। विज्ञान आओ करके सीखें जैसी पाठ्यक्रम पुस्तकें और आविष्कार जैसी पत्रिकाएं कुछ रुचि जगाती भी थीं, मगर प्रैक्टिकल के पीरियड्स को छोड़कर प्रयोगशाला में प्रवेश लगभग वर्जित था। हाईस्कूल में पहली बार नसीब होने वाली प्रयोगशालाएं भी ऐसी, जहां उपकरणों की उपलब्धता पाठ्यक्रम से एक इंच टस से मस होने को तैयार नहीं। नतीजतन अरुचि से भरे कई विद्यार्थियों का जोर सीखने पर नहीं, किसी सहृदय प्रयोगशाला सहायक की कृपा से प्रैक्टिकल में नंबर जुगाड़ने पर होता था। ऐसे में कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद कई विद्यार्थी वाणिज्य अथवा कला संकाय में प्रवेश ले लेते थे, इनमें भी लड़कियों की संख्या बहुत होती थी। मगर अटल टिंकरिंग लैब ने इस पूरी व्यवस्था में दिलचस्प परिवर्तन किए है। अब कक्षा छह से ही यहां खुद करके देखो की संस्कृति है। संप्रति भारत भर के स्कूलों में फैली इन 10 हजार से अधिक लैब्स में जब कोई बच्चा खुद थ्री-डी प्रिंटर को कमांड देता है या रोबोटिक्स किट को असेंबल करता है, तो उसके भीतर विज्ञान को लेकर झिझक दीवानगी भरी दिलचस्पी में बदलने लगती है। विज्ञान किताबों के पन्नों से निकलकर उसके हाथों की हथेलियों पर नाचने लगता है। यहां बच्चे विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के सिद्धांतों को किताबों से नहीं, बल्कि प्रयोग करके सीखते हैं। उपकरणों से काम करते हुए वे जिज्ञासा, समस्या-समाधान और रचनात्मकता को विकसित करते हैं। प्रोजेक्ट बनाते हुए टीमवर्क और उद्यमिता की भावना भी विकसित होती है। यही बदलाव छात्रों को रटने से खोज की ओर लेकर जाता है और यही विज्ञान की असली ताकत है। जिन पाठकों ने इस सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट पर नजर रखी होगी, वे समझ रहे होंगे कि भारत की स्थिति आज डीप टेक में वैसी ही है जैसी बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में साफ्टवेयर के क्षेत्र में थी हम एक बड़े धमाके के मुहाने पर खड़े हैं। आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन की बात करते हैं। आम आदमी के लिए ये शब्द अजनबी हो सकते हैं, लेकिन भारत की नवांकुर विज्ञानी मेधा के लिए ये रोजमर्रा के औजार हैं। डीप टेक का सरल अर्थ है ऐसी तकनीक जो गहन वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो। भारत आज अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक में डीप टेक का लोहा मनवा रहा है, जबकि पृष्ठभूमि में एटीएल जैसी इनोवेटिव प्रयोगशालाओं, इसरो के प्रोजेक्ट युविका और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संचालित इंस्पायर-मानक जैसे कार्यक्रमों से इसकी नींव रखी जा रही है। वास्तव में जब एक छठी कक्षा का बच्चा यह समझता है कि सेंसर कैसे काम करता है और नौवीं कक्षा के बच्चे वर्किंग सैटेलाइट माडल बनाते हैं, तो भविष्य के लिए ऐसे डाटा साइंटिस्ट, एआई या स्पेस इंजीनियर तैयार हो रहे होते हैं, जो विदेशी ज्ञान पर नहीं, विज्ञान के सहजबोध पर निर्भर होते हैं। नई पीढ़ी की विज्ञान में बढ़ती रुचि और परिणामस्वरूप इसकी तरफ बढ़ते रुझान का सबसे क्रांतिकारी पहलू है विज्ञान उद्यमिता। इसी मंगलवार को मुंबई में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अटल इनोवेशन मिशन 100 से अधिक इन्क्यूबेटर और डीप-टेक स्टार्टअप्स की बढ़ती हुई पाइपलाइन को जोड़ता है। उन्होंने अटल टिंकरिंग लैब्स को स्कूली स्तर पर उस प्रारंभिक बिंदु के रूप में बताया, जिसे मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति और स्टार्टअप पूंजी तक पहुंच का समर्थन प्राप्त है। विभिन्न हैकाथान से तराशे हुए विज्ञानी मेधा के यह हीरे केवल प्रोजेक्ट नहीं बना रहे, ये भविष्य की यूनिकॉर्न कंपनियों की रूपरेखा लिख रहे हैं। आइडिया से पेटेंट तक का सफर अब आसान हो गया है। नीति आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है कि अगर किसी छात्र का आइडिया वाकई दमदार है, तो उसे इनक्यूबेशन सेंटर्स और निवेशकों से जोड़ा जाता है।

चार करोड़ का बंगला दिया, दस लाख के फर्नीचर दो

ANALYSIS

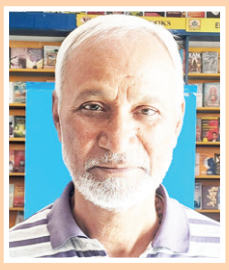

श्याम किशोर चौबे

झारखंड सरकार अपने विधायकों के लिए ऐसे ही बंगले बनवा रही है, जिनमें अधिकतर तैयार हो गये हैं। कई विधायक उनमें शिफ्ट कर चुके हैं। बाकी परिसर का भी निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यह परिसर विधानसभा के ठीक बगल में है। इस परिसर में बंगलों के अलावा क्लब हाउस, यत्र-तत्र पार्क आदि-आदि अन्य सुविधाएं भी बहाल की जा रही हैं। रांची शहर से यह एक अलग ही टाउनशिप जैसा है। जितनी विस्तृत जगह में यह निर्माण हो रहा है, और इसकी जो सजावट की जा रही है, वह इसे रांची की तंग गलियों से अलग पहचान दे रही है। होना भी चाहिए। आखिर देश के 40 प्रतिशत खनिज क्षेत्र वाले राज्य के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की रिहाइश का सवाल है। इन बंगलों के इंटिरियर/फर्नीचर मद में महज तीन लाख रुपये खर्च करने का प्रावधान है। इससे परेशान देवघर के राजद विधायक सुरेश पासवान ने हाल ही बजट सत्र के दौरान आसन से गुहार लगाई कि विधायक आवासों में फर्नीचर मद में कम से कम दस लाख रुपये खर्च किए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

फर्ज करिए कि पांच बेडरूम, विस्तृत डायनिंग हॉल, बड़े से मुलाकाती कक्ष और ऐसी ही अन्यान्य इन्फ्रास्ट्रक्चर वाला साढ़े चार करोड़ का दो मंजिला बंगला हो तो उसके इंटिरियर, फर्नीचर आदि पर कितना खर्च संभावित होगा। कम से कम 10-15 लाख। झारखंड सरकार अपने विधायकों के लिए ऐसे ही बंगले बनवा रही है, जिनमें अधिकतर तैयार हो गये हैं। कई विधायक उनमें शिफ्ट कर चुके हैं। बाकी परिसर का भी निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। यह परिसर विधानसभा के ठीक बगल में है। इस परिसर में बंगलों के अलावा क्लब हाउस, यत्र-तत्र पार्क आदि-आदि अन्य सुविधाएं भी बहाल की जा रही हैं। रांची शहर से यह एक अलग ही टाउनशिप जैसा है। जितनी विस्तृत जगह में यह निर्माण हो रहा है, और इसकी जो सजावट की जा रही है, वह इसे रांची की तंग गलियों से अलग पहचान दे रही है। होना भी चाहिए। आखिर देश के 40 प्रतिशत खनिज क्षेत्र वाले राज्य के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की रिहाइश का सवाल है।

इन बंगलों के इंटिरियर/फर्नीचर मद में महज तीन लाख रुपये खर्च करने का प्रावधान है। इससे परेशान देवघर के राजद विधायक सुरेश पासवान ने हाल ही बजट सत्र के दौरान आसन से गुहार लगाई कि विधायक आवासों में फर्नीचर मद में कम से कम दस लाख रुपये खर्च किए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। सुन लीजिए, उनकी ही जुबान में, जैसा उन्होंने सदन में कहा : सभी माननीय सदस्य का मामला है महोदय ... पूरे सदन का ....जो है मांग है महोदय... महोदय मेरा यही सूचना है कि महोदय हमलोगों को... महोदय आवास

मिल गया है... और ठीक विधानसभा के सामने आवास है महोदय... सभी माननीय सदस्य कोई चौकी पर सो रहे हैं, कोई बेंच पर सो रहे हैं...हम लोगों को जो फर्नीचर के लिए तीन लाख रुपया मिला है महोदय, उससे कुछ नहीं होगा महोदय... उसे दस लाख रुपया तक किया जाय महोदय... पूछ लिया जाय... सभी से पूछ लिया जाय, महोदय बात भी सही है...।

आसन : हो गया सूचना आ गया... वित्त मंत्री के संज्ञान में आ गया बात ...अब हो गया। सूचना पर खड़े विधायक सुरेश पासवान का दर्द वाजिब ही था। उनकी मांग पर किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? आसन से जो बात कही गई, उसका निहितार्थ है कि वित्त मंत्री चाहें तो व्यवस्था करवा दें। वित्त मंत्री को भी क्या आपत्ति हो सकती है? मंत्रियों के लिए तो और शानदार 12-12 करोड़ के बंगले बने हैं। अपना घर-बार छोड़कर जनता की सेवा के लिए जनप्रतिनिधि राजधानी में पधारते-विराजते हैं, तो उनकी सुख-सुविधाओं का ध्यान रखना ही चाहिए। डेढ़ लाख करोड़ से ऊपर के बजट वाला राज्य है। ऐसे राज्य के संचालकों को शाहाना सुविधाएं भी न दी जाएं तो प्रतिष्ठा पर आंच आएगी।

हम 21वीं सदी के मध्य काल से गुजर रहे हैं। यह चंद्रगुप्त का जमाना तो है नहीं। उनके महामंत्री, राजनीति विशारद, जाने-माने कूटनीतिज्ञ और आज भी बार-बार उद्धृत किये जानेवाले आचार्य चाणक्य की एक कथा है कि एक बार वे अपने कक्ष में राजकीय कार्य कर रहे थे। उनके सामने एक दीपक जल रहा था, जिसकी तेल-व्यवस्था राजकोष से होती थी, क्योंकि वे राज्य का काम कर रहे थे।

उसी समय एक यूनानी दूत उनसे मिलने आया। वह चाणक्य से निजी विषय पर चर्चा करना चाहता था। जैसे ही चाणक्य को पता चला कि अब बातचीत निजी विषय पर होगी, उन्होंने तुरंत वह दीपक बुझा दिया और अपनी ओर से तेल डालकर दूसरा दीपक जला लिया। विदेशी दूत ने आश्चर्य से पूछा, 'आपने पहले से जलता हुआ दीपक बुझा क्यों दिया?' चाणक्य ने उत्तर दिया, 'पहला दीपक राज्य के धन से जल रहा था और मैं तब राजकार्य कर रहा था। अब जब मैं निजी विषय पर बात कर रहा हूं, तो राज्य के धन का उपयोग उचित नहीं है। इसलिए मैंने अपना निजी दीपक जलाया है।'

सभी जानते हैं कि चाणक्य कुटिया में रहते थे। आज के राजनेता बंगलों में रहते हैं। सो, फर्क तो पड़ ही जाता है। फर्क इसलिए पड़ जाता है कि एक दूसरा पक्ष भी मुंह बाए खड़ा है। प्राकृतिक रूप से इस अत्यंत अमीर राज्य में गरीबों की भरमार है। प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास जैसी योजनाओं के लिए लंबी लाइन लगती है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में ढाई लाख मिलते हैं तो अबुआ आवास योजन में पौने तीन लाख। वोटर के आवास ढाई-पौने तीन लाख के और उनके द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के साढ़े चार/बारह करोड़ के।

इसी सदन में, इसी सत्र में सवाल उठा तो पता चला कि केंद्रीय सहायता के बगैर हजारों-हजार गरीब छात्रों की छात्रवृत्ति रुकी हुई है। ऐसे ही अनेकानेक योजनाएं केंद्र से पैसे न मिलने के कारण रुकी पड़ी हैं। बहुत संभव है, वेतनादि के जुगाड़ के सवाल पर सरकारी विभागों में 38 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए हैं। पारा टीचर के भरोसे स्कूल चल रहे हैं, जबकि घंटी आधारित 'प्रोफेसर' के भरोसे कॉलेज चल रहे हैं। हजारों-हजार आंगनबाड़ी सेविकाएं-सहायिकाएं, सहियाएं आदि-आदि 5-10 हजार रुपये पर काम कर रही हैं। माननीयों को वेतन-भत्तों पर दो-ढाई लाख मासिक खर्च हो रहा है। जो पूर्व हो चुके, उनको मोटी पेंशन और भत्ते मिलते हैं, यहां तक कि 3600/ साल भर अनंत बातें कराने तथा डेटा पैक की सुविधा के बावजूद फोन खर्च दो लाख मिलते हैं।

क्या ही अच्छा होता, माननीय मिलजुलकर ऐसी नीतियां बनाते, जिससे राज्य में हर कोई सुखी-संपन्न हो जाता। फिर वे चाहे जितनी सुविधाएं ले लेते। आपत्ति किसे होती। आपत्ति अभी भी नहीं होगी। आपत्ति करके भी क्या होगा। खुद ही नियम-कायदे बनाना है, खुद ही उसका सुखोपभोग करना है। रामजी की चिरई, रामजी के खेत...।

नदी को साफ रखना सामाजिक अनुशासन का विषय

मथुरा में बहती यमुना को देखते हुए मन में एक साथ कई भाव उठते हैं- स्मृति, श्रद्धा और चिंता। यह वही नदी है, जिसका उद्गम उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र स्थित यमुनोत्री हिमनद से होता है, जो पहाड़ों की शीतलता और पवित्रता को अपने साथ लेकर मैदानों में उतरती है। कभी इसे कालिंदी कहा गया, कभी इसे कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना गया, तो कभी आगरा और इटावा के खेतों की जीवनरेखा। दिल्ली, मथुरा, वृंदावन और आगरा जैसे नगरों की सांस्कृतिक स्मृति में यह नदी केवल जलधारा नहीं, जीवन का आधार रही है। परंतु, आज जब हम इसके तट पर खड़े होते हैं तो प्रश्न उठता है, क्या हम सचमुच इसके साथ खड़े हैं। पिछले कई दशकों में यमुना की स्थिति सुधारने के लिए योजनाएं बनीं, बजट आवंटित हुए, तकनीकी ढांचे खड़े किए गए। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की संख्या बढ़ी, नालों को इंटरसेप्ट करने के प्रयास हुए, औद्योगिक इकाइयों के लिए मानक तय किए गए। न्यायपालिका और प्रशासन दोनों ने समय-समय पर दिशा-निर्देश दिए। इन प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता, परंतु एक बुनियादी सच्चाई यह भी है कि नदी केवल पाइपलाइन और प्लांटों से नहीं बचती- वह उन लोगों से बचती है जो उसके साथ रहते हैं। यमुना बेसिन में छह करोड़ से अधिक लोग निवास करते हैं। केवल दिल्ली महानगर की आबादी दो करोड़ के आसपास है। मथुरा, आगरा, इटावा, यमुनानगर और अन्य कस्बों को जोड़ दें तो यह संख्या और बढ़ जाती है। प्रतिदिन लाखों लीटर घरेलू सीवेज, ठोस कचरा, प्लास्टिक, पूजा सामग्री और औद्योगिक अपशिष्ट इस नदी तंत्र पर दबाव डालते हैं। सरकारें ढांचा बना सकती हैं, पर हर गली से निकलने वाली नाली पर पहरा नहीं दे सकतीं। यहीं समुदाय की भूमिका निर्णायक हो जाती है। जब तक नदी के किनारे रहने वाला व्यक्ति यह न माने कि यमुना उसकी अपनी है, तब तक कोई भी योजना स्थायी परिणाम नहीं दे सकती। नदी का प्रदूषण केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, यह सामाजिक व्यवहार का प्रश्न भी है। हम अपने घर के आँगन को साफ रखते हैं, मोहल्ले की सड़क पर कचरा डालने से बचते हैं, पर वही कचरा जब नाले के माध्यम से नदी तक पहुँचता है, तो हमें उसका अहसास नहीं होता। नदी सार्वजनिक है और सार्वजनिक वस्तु के प्रति हमारी जिम्मेदारी अक्सर निजी वस्तु जितनी प्रबल नहीं होती। जिस प्रकार हम समाज में रहते हुए यह समझते हैं कि हमारा व्यवहार दूसरों को प्रभावित करता है, सड़क पर कचरा न फैलाना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, नियमों का पालन करना, उसी प्रकार का सिविक सेंस हमें अपनी नदियों और प्रकृति के प्रति भी विकसित करना होगा। यदि हम मानते हैं कि समाज के बीच हमारा आचरण मर्यादित और जिम्मेदार होना चाहिए तो प्रकृति के साथ हमारा व्यवहार भी उतना ही अनुशासित होना चाहिए। अपशिष्ट को उपचारित किए बिना जलधाराओं में न छोड़ना ये केवल पर्यावरणीय उपाय नहीं, बल्कि नागरिक चरित्र के संकेत हैं। जिस दिन प्रत्येक नागरिक यह स्वीकार कर लेगा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी सामाजिक आचरण का हिस्सा है, उसी दिन से नदियों के पुनर्जीवन की वास्तविक शुरूआत होगी। यमुना के प्रति यह जिम्मेदारी केवल पर्यावरणीय नहीं, सांस्कृतिक भी है। मथुरा और वृंदावन में इसके तट पर धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, दिल्ली में छठ और अन्य पर्वों पर हजारों लोग इसके किनारे जुटते हैं। परंतु, श्रद्धा यदि संवेदनशीलता में न बदले तो वह अधूरी रह जाती है। पूजा सामग्री का वैकल्पिक प्रबंधन, एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज, सामूहिक सफाई अभियान ये छोटे कदम हैं, पर इनकी सामाजिक गूंज बड़ी होती है। इसी संदर्भ में जल सहेलियों द्वारा यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए निकाली जा रही यात्रा का महत्व सामने आ रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहीं जल सहेलियां जब यमुना के तटवर्ती गांवों और शहरों में कदम-दर-कदम चल रही हैं तो वह केवल प्रतीकात्मक यात्रा नहीं होती। वह संवाद का माध्यम बनती है। यह यात्रा न किसी के विरोध में है, न किसी पर आरोप लगाने के लिए। इसका उद्देश्य लोगों को उनकी अपनी नदी से पुनः जोड़ना है। इन दिनों जल सहेलियों द्वारा संचालित यह महिला केंद्रित यात्रा विश्व स्तर पर अपनी तरह की महत्वपूर्ण पहल है। सड़क पर उनका हर कदम यमुना की अविरलता और निर्मलता के प्रति उनके अटूट विश्वास और संकल्प को दशार्ता है। जल सहेलियां वे महिलाएं हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में जल संरक्षण, तालाब पुनर्जीवन और सामुदायिक जागरूकता के कार्य किए हैं। जब वे यमुना के किनारे-किनारे चलकर लोगों से पूछती हैं क्या आपको याद है, यह नदी पहले कैसी थी, तो यह प्रश्न सीधा हृदय तक पहुंचता है। एक बुजुर्ग अपने बचपन की स्मृतियां साझा करता है, जब नदी का पानी पीने योग्य माना जाता था। एक किसान बताता है कि अब सिंचाई के लिए वैकल्पिक स्रोत ढूंढ़ने पड़ते हैं। एक युवा स्वीकार करता है कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करना उसके हाथ में है। इस पदयात्रा का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि यह जिम्मेदारी को स्थानीय बनाती है। नदी कोई दूर की नीति नहीं, वह पास की वास्तविकता है। जब किसी गाँव में बैठक होती है और लोग तय करते हैं कि अब से नाले को बिना उपचार के नदी में नहीं गिरने देंगे, जब मंदिर समितियां पूजा सामग्री के संग्रह के लिए अलग पात्र रखती हैं, जब बाजार संघ प्लास्टिक कम करने का संकल्प लेते हैं तो यह परिवर्तन योजनाओं को जमीन देता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं कि नदियों का पुनर्जीवन केवल सरकारी परियोजना से संभव नहीं। यूरोप में टेम्स और राइन जैसी नदियों की स्थिति में सुधार तब आया जब स्थानीय समुदायों, उद्योगों और प्रशासन ने मिलकर दीर्घकालिक संकल्प लिया। जल सहेलियों द्वारा बुंदेलखंड में किये जा रहे छोटी नदियों के पुनर्जीवन के कार्य आज गवाह हैं कि जब समाज स्वयं नदी का संरक्षक बनता है, तब परिवर्तन टिकाऊ होता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शिरकत की। उन्होंने कहा कि संथाल समुदाय के लिए यह गौरव की बात है कि लगभग 240 वर्ष पूर्व तिलका मांझी ने शोषण के विरुद्ध विद्रोह का ध्वज उठाया था। उनके विद्रोह के लगभग 60 वर्ष बाद, वीर भाई सिदो-कान्हू और चंद-भैरव ने वीर बहनों फूलो-झानो के साथ मिलकर 1855 में संथाल हुल का नेतृत्व किया।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना के सभी लाभार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मोदी सरकार की इस पहल ने देश के गरीबों को दवाइयों के आर्थिक बोझ से राहत दिलाने और जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता फैलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। देश में लगभग 18,000 जन औषधि केंद्र गरीबों और जरूरतमंदों को सस्ती व सुलभ दवाइयां उपलब्ध करा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से देशवासियों के ₹40 हजार करोड़ से अधिक की बचत हो चुकी है।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी देखने को मिलती है। राज्य के अनेक ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, अस्पतालों में डॉक्टर और दवाइयों का अभाव है और लोगों को मामूली इलाज के लिए भी दूसरे राज्य के शहरों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान की बजाय अपने लिए आलीशान भवन बनाने पर केंद्रित दिखाई दे, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठना लाज़िमी है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

एआई के विनियमन, शिक्षा और डेटा सुरक्षा की आवश्यकता

दिल्ली में संपन्न एआई इंपैक्ट समिट ने जिस तरह दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया, उससे इस सम्मेलन की महत्ता रेखांकित होती है। एआई पर अब तक हुए तीन वैश्विक सम्मेलनों की तुलना में इस सम्मेलन में जिस तरह एआई कंपनियों के दिग्गजों, शासनाध्यक्षों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ अन्य लोगों की कहीं अधिक भागीदारी रही, उससे भी यह सम्मेलन उपयोगी सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस संबोधन से एआई तकनीक के उपयोग को लेकर एक नई दिशा देने की कोशिश की कि एआई को मशीन से मानव केंद्रित बनाने के साथ उसे जवाबदेह, सुरक्षित, लोकतांत्रिक और समावेशी रूप देना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई को लेकर भारत की प्राथमिकता रेखांकित करने के साथ ही विश्व समुदाय को एक विजन भी दिया, जिसे उन्होंने एमएएनएवी यानी मानव की संज्ञा दी। उन्होंने इसे परिभाषित करते हुए बताया कि एम यानी मारल एंड एथिकल, ए यानी एकाउंटेबल, एन यानी नेशनल सावरनिटी, ए अर्थात एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव और वी यानी वैलिड एंड लेजिटिमेट। इसका आशय है कि एआई नैतिक, जवाबदेह होने के साथ, जिसका डाटा उसके अधिकार को सुनिश्चित करने के साथ ही सबकी पहुंच में हो और वैध एवं प्रामाणिक भी हो। चूंकि भारत एआई में भविष्य देख रहा है, इसलिए भारत सरकार एआई पर निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और इस कोशिश में है कि दुनिया भर की एआई कंपनियां भारत के साथ मिलकर काम करें। इस एआई सम्मेलन ने स्पष्ट किया कि भारत की तकनीकी क्षमता से दिग्गज एआई कंपनियां प्रभावित हैं। उन्हें भारत अपने लिए एक बड़ा बाजार भी दिख रहा है और मानव संसाधनों का स्रोत भी। अमेरिका के बाद चैटजीपीटी के सबसे अधिक उपभोक्ता भारत में हैं। इसे छात्रों से लेकर उद्योग जगत के लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में चैटजीपीटी के साथ अन्य एआई टूल के उपयोगकर्ता तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि सरकार भी एआई टूल्स के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। उसकी कोशिश है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग जगत के साथ शासन-प्रशासन और अन्य अनेक क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल हो। यह अच्छा है कि भारत एआई की महत्ता को समझ रहा है। इस बजट में घोषणा की गई है कि सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा के लिए एक समिति गठन करेगी। इसके अलावा बजट में वित्त मंत्री ने भारत विस्तार नाम से एक नई पहल का एलान किया, जो किसानों के लिए एआई आधारित बहुभाषी सिस्टम होगा। बजट से पहले पेश आर्थिक समीक्षा में भी एआई को एक आर्थिक रणनीति के रूप में देखा गया। यह स्पष्ट है कि जैसे इंटरनेट के उपयोग में भारत अग्रणी देशों में है, वैसे ही शीघ्र ही एआई के इस्तेमाल में भी आगे होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि अधिकांश एआई कंपनियां अमेरिकी हैं और वे भारत में वर्चस्व बढ़ा रही हैं। इस कारण यह सवाल उभर रहा है कि ये अमेरिकी कंपनियां भारतीय डाटा का उपयोग करके अपने एआई माड्यूल को सुदृढ़ करने के क्रम में अपने आर्थिक लाभ में भारत को हिस्सेदार बनाएंगी या नहीं और यदि बनाएंगी तो किस तरह। क्या भारतीयों का डाटा भारत में रहेगा और वह उसके अधिकार क्षेत्र में होगा? इस समय विश्व भर में जैसी तेजी के साथ एआई कंपनियों में निवेश हो रहा है, वैसी तेजी किसी अन्य सेक्टर में नहीं दिख रही। कुछ विशेषज्ञों की मानें तो एआई कंपनियां अपने एकाधिकार को बढ़ा रही हैं। इसी एकाधिकार के कारण उनके स्टाक बढ़ते जा रहे हैं और उनमें निवेश भी बढ़ रहा है। अमेरिकी कंपनियों की कुछ हद तक काट चीन की एआई कंपनियां कर रही हैं, पर अभी उनका वैसा दबदबा नहीं, जैसा गूगल, ओपनएआई, मेटा आदि का है। फिलहाल एआई तकनीक के विकास में यूरोप के साथ विश्व के अन्य देश पीछे नजर आ रहे हैं। भारत एआई क्षेत्र की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की तैयारी कर रहा है, लेकिन बात तब बनेगी, जब भारतीय एआई कंपनियां अमेरिकी कंपनियों के समकक्ष खड़ी हो सकें।

संघवाद के लिए काम

तमिलनाडु सरकार द्वारा नियुक्त केंद्र-राज्य संबंधों पर एक उच्च स्तरीय समिति ने बीते दशकों में भारत में संघीय लोकतंत्र के कमजोर होने तथा सत्ता के केंद्रीकरण के पैटर्न को चित्रित किया है और व्यापक सुधारात्मक उपाय सुझाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जस्टिस कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने विभिन्न विषयों को लेकर हुए अध्ययनों, संविधान सभा की बहसों और केंद्र-राज्य संबंधों पर तीन अन्य समितियों के निष्कर्षों का इस्तेमाल किया है। साथ ही शासन संचालन के उन हालिया रुझानों की आलोचना भी की है, जो राज्यों के प्राधिकार को कमजोर करते हैं। वह इस नतीजे पर पहुंचती है कि केंद्रीकरण बढ़ रहा है, जिसे वह स्वस्थ प्रवृत्ति नहीं मानती और तत्काल उपचारात्मक उपायों की मांग करती है। यह रिपोर्ट संघवाद की जर्जर स्थिति, जो भारत की प्रगति के लिए खतरा बन गयी है की विस्तृत आलोचना है और यह कहते हुए इस खतरनाक दिशा को उलटी तरफ मोड़ने के लिए बदलावों की मांग करती है कि भारतीय संघवाद को अब संरचनात्मक रिसेटिंग की जरूरत है, कुछ वैसी ही जैसी साल 1991 के आर्थिक सुधारों की महत्वाकांक्षा में की गई थी। भारत के संवैधानिक ढांचे ने विभाजन और रियासतों के एकीकरण की पृष्ठभूमि में आकार लिया। इस पूरे संदर्भ ने संस्थापकों को केंद्रीकरण-उन्मुख संवैधानिक योजना की ओर झुकाव के लिए प्रोत्साहित किया। आगामी दशकों के विधायी, प्रशासनिक और न्यायिक उपायों ने इस सोच को और पुख्ता किया। यह रिपोर्ट केंद्रीकरण के पक्ष में दी जाने वाली दलीलों को पूरे विश्वास के साथ ध्वस्त करती है और कहती है कि भारत जैसे आकार और विविधता वाले देश के लिए संघीय शासन आवश्यक है और इस अनिवार्यता की अनदेखी करना दरअसल खतरनाक होगा। कुरियन जोसेफ समिति की रिपोर्ट केंद्र द्वारा सत्ता को केंद्रीकृत करने के लिए बार-बार और जान-बूझ कर उठाए गए कदमों के बीच आई है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Danger of playing catch-up with defence tech

The American-Israeli attack on Iran nudged and winked, if not instigated, by Iran's other regional adversaries has once again underscored that multiple obituaries of the post-1945 US-anchored, soi-disant 'rules-based' international order are repeatedly being foregrounded. The world has regressed to the early 20th century where outcomes are once again being measured in hulls, squadrons and technological edges.

In this churn, the US has delineated a new baseline: its defence budget has almost crossed the trillion-dollar threshold, a sum larger than the next nine nations' combined. A significant portion of this is being channelled into a new generation of capabilities, from the yet-unproven 'Golden Dome' architecture to the software-defined platforms of Silicon Valley's defence tech startups.

Opposite this is the People's Liberation Army of China. Since the Taiwan Strait crisis of 1995-96, Beijing maintained a sustained, double-digit increase in defence spending for two decades, a trajectory that moderated in 2016 to a still-steady 7.6 percent annual rise in the decade since.

From a defence expenditure roughly a sixth of the US's in 2012, China compressed the gap to roughly a third by 2024. In the Indo-Pacific, China's defence spending is hegemonic: more than thrice that of India, five times that of Japan and nearly seven times South Korea's. The Chinese spend more on defence than the next 22 Indo-Pacific militaries combined, including India, Japan, South Korea, Australia and Taiwan. It translates into the world's largest navy, a modernised air force operating stealth aircraft, and an integrated missile force predicated on power projection far from its shores.For a nation of India's geostrategic heft, a peninsula jutting into the Indian Ocean with a contested 15,000-km land frontier, this is the unforgiving context. We are not just situated in a hostile neighbourhood, but also positioned in the crucible of the 21st century's defining great-power competition.

Against this backdrop, India's own fiscal calculus for national security demands a cold, hard audit. The M M Joshi Committee flagged a chilling trend in 2018: defence expenditure had slid from 2 percent of GDP in 2014-15 to 1.6 percent by 2017-18. It has averaged 1.9-2.1 percent since then—a persistent pattern of stagnation.

For 2026-27, the Budget estimated defence spending at Rs 7.85 lakh crore. While this represents an over-15 percent increase from the last fiscal, as a percentage of GDP it hovers around 2 percent, close to the average since 2014. Within this constrained envelope, the twaddle runs deeper. Capital outlays remain anaemic—less than 30 percent of total defence spending, stuck at less than 0.6 percent of GDP for the three services. These modest outlays are strangulating the modernisation the armed forces so desperately require.

The Indian Air Force's struggle to replace its ageing squadrons and expand its fighter fleet is held hostage to this dynamic. The production ramp-up of the Tejas light combat aircraft remains painfully sluggish, a source of public frustration. The advanced medium combat aircraft, however, languishes in bureaucratic limbo.The navy's submarine and surface fleet expansion, from Project S5 to the P-18 class, face interminable headwinds. Projects 75-I and 77 for conventional and nuclear-powered submarines struggle to translate ambitious policy into steel in the water, even as Chinese shipyards launch vessels at a pace outstripping the US's.The army requires advanced surveillance, rugged communications and specialised weaponry. Artillery modernisation remains a work in progress—delayed, scaled down or proceeding in numbers too small to make decisive operational difference.The quest for 'atmanirbharta' in defence is mired in systemic inertia. The Defence Production & Export Promotion Policy 2020 ambitiously aimed for a turnover of ?1,75,000 crore and exports of ?35,000 crore by 2025. Yet.

Lessons from raising a child with autism

Autism was never the enemy. Hopelessness was. And we chose not to surrender.

AS a doctor in uniform, I have worn the olive green for years, managed trauma in high-pressure environments and made life-saving decisions in seconds. On the battlefield, chaos demands clarity. Emotion is secondary to action. But nothing in my training prepared me for a sentence from a specialist in a calm and composed tone: "Your child has autism."There was no protocol, no triage drill, no combat manual. Just silence. My wife's fingers tightened around mine; I remember staring at the wall — not because I was brave, but because I was breaking. Bruce Lee once said, "Do not pray for an easy life. Pray for the strength to endure a difficult one." That day, strength felt distant. We were in denial — a phase I am not proud of. I could feel this would be the fiercest battle and, that too, with an invisible enemy. United in resolve, we decided to tackle it head-on.My son was two and a half years old. He didn't respond to his name, he tore paper into strips, avoided eye contact. My wife saw it, but I refused to; I resisted. As a father, I hid behind denial — because accepting autism felt like accepting defeat. But autism does not wait for your readiness. It arrives, stays and teaches.

New Delhi: Where fear turned into fire

We entered the world of early intervention — speech, occupational and behavioural therapy. Our real training began. Along with it came hefty bills. Finances felt like combat logistics, but quitting was not an option. Autism does not wait. Neural development is time-sensitive. Early years are decisive. My wife took the bravest decision to specialise in autism spectrum disorders. What began as maternal anxiety became professional competence. She studied while raising our son and converted pain into purpose. That decision transformed our journey.

Our son secured admission to a reputed school. On paper, it was inclusion, but in practice, we discovered that inclusion without sufficient numbers of trained special educators, structured shadow support and measurable accountability is fragile. Awareness campaigns are not enough. Schools require autism-specific training, realistic teacher-student ratios and regulatory oversight.

"Absorb what is useful, discard what is not, add what is uniquely your own." That became our model. We absorbed therapies, discarded blind hope, added relentless parental involvement, stopped searching for miraculous cures and began building structured, evidence-based routines at home.

We realised something powerful: Therapists give one hour. Parents shape the other 23.

The day my son ran towards traffic

On a Sunday morning, when he was five, we were in Delhi cantonment, outside a temple. In seconds, he bolted towards the main road. I caught him once; the second time, I couldn't. A stranger stopped him just before the traffic line. That day, I stopped being a passive father and became hyper-aware. Roads became war zones, crowds became unpredictable terrain. I realised autism is not just delayed speech. Sometimes, it is a child who cannot process danger fast enough. I learned to adapt, anticipate, flow around behaviours instead of colliding with them.

Mumbai: When regression broke us again

In 2018, we moved to Mumbai. With relocation, we rebuilt our ecosystem from scratch — new therapists, routines, sensory adaptations. Then Covid struck. Lockdown shattered routines and dismantled structure. Regression followed. One evening, he ran out of the house towards a swing 150 metres away, driven not by defiance but by an unprocessed sensory need. His speech couldn't clearly explain his need; his behaviour did. My wife said something that changed me: "He isn't being difficult. He is trying to communicate."

That sentence humbled me. I emptied my ego, stopped trying to control and started trying to understand.

Jaipur: Discipline meets love

In 2023, we moved to Jaipur. We applied discipline differently. For 90 straight days, we practised structured behavioural walks with our son and practised behavioural techniques. Interruptions like viral fevers proved to be great setbacks — days when it felt like we were back to zero.But consistency strengthened his working memory and significantly reduced impulsive road-running. I still remember that evening when he walked 100 metres ahead and turned back responsibly — I did not clap. I did not shout.I simply looked at the sky and whispered Thank you.

We were never extraordinary. We were just consistent.

What autism taught me

It taught me that:

- Progress is microscopic before it becomes visible.
- Setbacks are not reversals — they are rehearsals.
- Inclusion without trained infrastructure is illusion.
- Sleep, structure and sensory regulation are not luxuries — they are foundations.

Most importantly, it taught me that leadership at home is harder than leadership in uniform.

In the armed forces, commands are obeyed.

At home, love must persuade.

To every parent fighting quietly

You are not weak because you are tired.

You are not failing because progress is slow.

You are warriors in civilian clothes.

My son is 17 now.

He loves structure and predictability.

He is not "less". He is wired differently.

And I no longer ask, "Why us?"

Because Bruce Lee was right: "You fall seven times, stand up eight.Autism was never the enemy. Hopelessness was. And we chose not to surrender.

This journey shaped my broader reflection: Autism care in India must move beyond episodic therapy towards ecosystem-based reform. Autism is no longer rare. This is not a niche condition. It is a public health and education priority.

Tonnes of garbage: Scientific waste disposal needed in Punjab

The upcoming Solid Waste Management Rules are meant to bring order to this chaos

PUNJAB's garbage crisis is no longer merely an urban nuisance; it has become an environmental hazard over the decades. With stricter waste management norms set to take effect on April 1, civic bodies across the state are confronting a daunting reality: mountains of legacy waste, weak municipal capacity and the threat of regulatory penalties. Across Punjab's 166 urban local bodies, nearly 41 lakh metric tonnes of legacy waste still remain to be cleared — a task unlikely to be completed before April 2027. Years of unscientific dumping have created sprawling garbage mountains that release toxic leachate, contaminate groundwater and periodically catch fire. At the same time, cities generate thousands of tonnes of fresh municipal waste every day, much of which still ends up mixed and poorly processed.The upcoming Solid Waste Management Rules are meant to bring order to this chaos. They require stricter segregation of waste streams, mapping and remediation of dumpsites and a time-bound push toward scientific processing. Yet the new regime also exposes how ill-prepared many municipalities remain. Even in districts that claim 100% door-to-door collection, mixed waste continues to be transported to dumping grounds with little segregation or treatment.

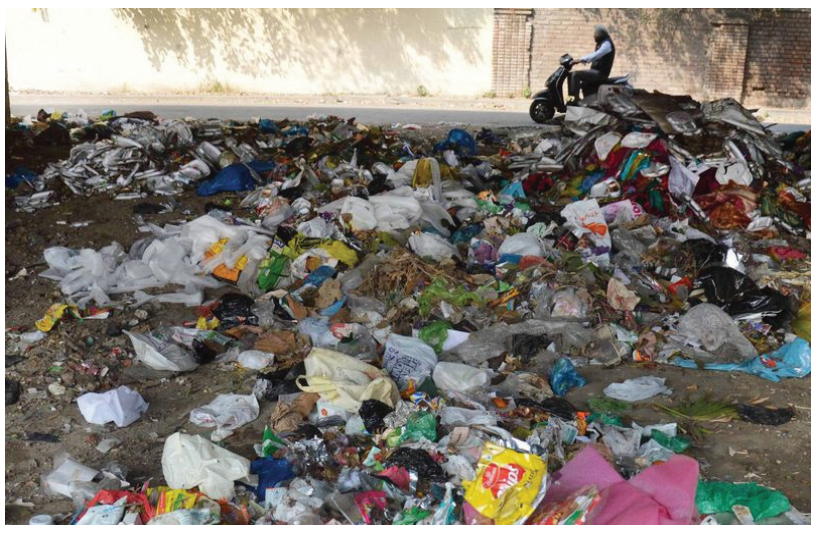

Regulatory pressure is mounting. The National Green Tribunal has repeatedly pulled up the state for failing to manage solid waste and untreated sewage, imposing heavy environmental compensation. Civic bodies are reportedly paying around Rs 10 lakh daily in penalties for non-compliance. It is a reflection of the costs of administrative inertia. Punjab now faces a critical test. Bio-mining legacy dumps, enforcing segregation at source and strengthening municipal infrastructure must become urgent priorities. Without stronger planning, funding and accountability, the new rules risk becoming another well-intentioned reform buried under decades of accumulated neglect.

Op Epic Fury: The inmates are running the asylum

In Trump's topsy-turvy Washington DC, there is a dense fog over the objectives of the attacks on Iran

AMID the unprovoked and illegal attacks launched by the United States and Israel on the Islamic Republic of Iran on February 28, the rupee is falling, stock markets have crashed, oil prices have soared and there is a looming shortage of LNG and LPG. None of this is linked with the fiscal strategies of the Ministry of Finance or monetary policies of the Reserve Bank of India. And it comes in the wake of the chaos unleashed by US President Donald Trump's tariff tantrums and the turbulence created by Russia's invasion of Ukraine. Welcome to a brave new world where geopolitics has become the new macroeconomics.In Trump's topsy-turvy Washington DC, there is a dense fog over the objectives of the attacks. Initially, the stated focus was on Iran's nuclear programme. Oman's Foreign Minister Badr Al Busaidi mediated several rounds of talks in Muscat that brought Iran and the US close to a final agreement. But the guns were locked and loaded, forcing the usually low-key Busaidi to make a desperate public plea. Give diplomacy a chance, he said, because Iran had finally agreed that it would not accumulate or stockpile any enriched uranium.That didn't prevent Israel and the US from launching a volley of strikes on the morning of February 28 to assassinate Ayatollah Ali Khamenei and several other senior members of the theocratic regime in Iran. Because neither President Trump nor Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu could take Yes for an answer.It wasn't just the nuclear programme; it was also Iran's missiles and launchers, US Secretary of State Marco Rubio later clarified. No, the real problem was the regime itself, Trump asserted. Regime change? Surely Washington hadn't already forgotten its disastrous experiments with regime change in Libya, Iraq and Afghanistan? In Iraq, Saddam Hussein's alleged nuclear weapons were never found but he was defeated, deposed and captured in 2003. The power vacuum created by the dismantling of the Ba'ath Party gave birth to the Islamic State and a host of other extremist groups. The Americans ended up with 37,000 casualties (dead or injured), a bill of $2.9 trillion and a battered and bruised country.

In Afghanistan, the Taliban paid the price for hosting Osama bin Laden in the wake of the 9/11 attacks. They were defeated and removed from power in 2001, only to triumphantly return to Kabul in 2021. The Americans suffered over 25,000 casualties and spent $2.3 trillion in the taxpayer-funded fiasco. In Libya, Muammar Qaddafi was taken down in 2011, but the country went through a destructive civil war and still remains cleaved into two antagonistic parts. Arms flowing into Libya have also fed into Islamist groups in the Sahel, leading to violent insurgencies in Mali, Burkina Faso and Niger. Regime change has consequences.Israel, though, has no such misgivings. Netanyahu is quite clear that his end goal is to get a friendly regime in place in Tehran. "This is what I have aspired for 40 years," he crowed. Don't miss this opportunity to take back your country, he told the Iranians. And unlike the Americans who were looking for a quick exit, Israel is quite prepared for a campaign that would last several weeks. The emerging script suggests that we are, once again, witnessing a case of an aggressive tail wagging a befuddled dog.

For the Iranians, who have been at the receiving end of an unpopular and repressive regime, it isn't a question of simple binaries. Hating the theocratic regime doesn't mean embracing the US and Israel. The Central Intelligence Agency's (CIA's) Operation Ajax in 1953 to remove then Prime Minister Mohammad Mossadegh and install the Shah hasn't been forgotten. Bombing a school in Minab and killing over 160 schoolgirls isn't going to win hearts and minds in Iran. Nor will reports that the CIA is planning to arm the Kurdish minority to rise against Tehran. Having seen Iraq and Syria next door, they would also realise that even a bad government is better than having no government at all.Iran's own response to the bombings appears to have caught the US by surprise. The regime has survived the decapitation of its top leaders by pivoting to a collective leadership and a more decentralised command-and-control structure. They have managed to land some blows on US military bases in Kuwait, Qatar and Bahrain. They have also hit airports, ports, hotels and energy infrastructure in each of the six Gulf Cooperation Council (GCC) states and announced the closure of the Strait of Hormuz to all shipping traffic.In lashing out at its Arab neighbours, Tehran appears to have reserved a special ire for the UAE, despatching over a thousand missiles and drones at Abu Dhabi, Dubai, Sharjah and Fujairah. Effective air defence systems have kept damage to a minimum, but Tehran clearly hopes that its attacks will force the rulers of Qatar, UAE and Saudi Arabia to use their special relationship with Trump and bring the war to an early halt.That tactic might backfire. Abu Dhabi has formidable defence capabilities but has so far chosen to act with restraint, as have the other Gulf nations. This is not our war, they have maintained, even as they have asserted their right to respond to Iran's aggression.

Over the last few years, the Gulf countries had worked assiduously to mend fences with Iran. They had actively opposed this war, not only for its potential to destabilise the region but also because a belligerent Israel had started to appear as a larger strategic threat than a weakened Iran. But Iran's actions over the last six days have endangered their economic security and may even push some into joining the US-Israel coalition. It is a choice between the devil and the deep blue sea.

Finally, spare a thought for Canadian PM Mark Carney's spirited plea in Davos for a concert of middle powers to counter Trump's unilateral violations of international law. The last week has shown Carney, along with the leaders of France, Germany, Australia, UK and even India, delicately tiptoeing around the debris of the rules-based order. Because the inmates in Washington DC are running the asylum. And nobody wants to mess with them.

Govt asks ports to allow storage of Middle East-bound cargoes, consider charge waivers

New Delhi,.(Agency)

The Ministry of Shipping, Ports and Waterways has asked ports to allow temporary storage of Middle East-bound cargo as transhipment, and consider waivers or reductions in port charges during the crisis period. The Director General of Shipping, India's statutory maritime authority, will hold a meeting with ship owners, cargo owners and charterers on FridayPorts have been advised to allow cargoes meant for the Middle East to be stored as transhipment cargoes during the affected period. Port authorities have also been instructed to allocate additional storage space where necessary to accommodate the build-up of such cargoes until normal shipping schedules resume.

The directive also asks ports to facilitate berthing of ad-hoc call vessels that may arrive to drop off or pick up Middle East-bound transhipment cargoes. This measure is intended to provide operational flexibility to shipping lines and exporters facing schedule disruptions.The government has asked the ports to " expeditiously facilitate 'Back to Town' movement of export cargo lying in port premises in co-ordination with Customs and provide priority handling for perishable cargo to prevent deterioration."Freighters and exporters have repeatedly flagged concerns regarding losses incurred due to perishable items being stuck. Moreover, several exporters and freighters said that surged storage charges at terminals, demurrage levied by shipping lines, and port-related charges have been skyrocketing as cargo remained stationary.The government asked the port to consider requests from users regarding the reduction, waiver or remission of certain charges during the crisis period, though specific decisions would be taken on a case-by-case basis.

Port authorities have been directed to coordinate closely with agencies such as Customs, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) and other relevant bodies to ensure the timely implementation of the measures.

Gulf tensions: Will use every policy tool to help exporters, assures Piyush Goyal

Kolkata.(Agency)

Government will use "every policy tool and the export promotion mission" to support exporters in the ongoing crisis in West Asia, commerce and industry minister Piyush Goyal said on Friday. "We are in complete engagement with exporters. Every day, the inter-ministerial group talks to exporters and takes feedback. We will not be found wanting in supporting our exporters in any way," Goyal said.

Goyal told reporters on the sidelines of an event by the Indian Institute of Foreign Trade (IIFT) that govt set up a help desk and an inter-ministerial group that engages with exporters daily to review the situation and gather feedback.

Exporters faced disruptions such as higher freight rates, demurrage charges, longer shipping routes and shortages of containers following the conflict involving the US, Israel and Iran, and sought govt support to deal with rising logistics costs.

Goyal said the commerce ministry is in dialogue with the ministry of shipping and shipping companies to address concerns about cargo ships stuck in the Persian Gulf."We are in dialogue with the ministry of shipping and with shipping companies. I hope we will find a resolution to this issue," he said. The minister also said India will continue to meet its commitments to international buyers despite the disruptions. "We will continue to ensure that all our international commitments are met. Even during the Covid pandemic, India met all its international commitments, which earned us the acronym of a trusted partner, and we will continue to be the trusted partner of the world," he said.

In 2025, India imported goods worth about $157 billion from the region while exports to West Asian economies stood at around $67 billion.

Mutual fund: Investors can now place a 'debit freeze' on investments

New Delhi.(Agency)

Sebi has introduced an important and useful feature for mutual fund investors. They will now be able to make their mutual fund investments even more secure. This feature is being referred to as 'debit freeze' and it allows investors to temporarily lock their mutual fund folios. While this lock is active, no funds can be withdrawn from that folio, nor can units be redeemed or transferred.

What is the facility?

Under SEBI's new facility, investors can place a debit freeze on their mutual fund folios. This means that no units can be redeemed, switched, or transferred while the freeze is active. The significant feature of this facility is that it is completely optional, meaning investors can enable or disable it as per their needs. Experts point out that it will be of use when fraudsters are lurking around every corner in this digital age.This facility will apply to both demat and non-demat accounts. This means that whether your investment is held in a demat account or directly with an asset management company, this facility will work on both accounts. Initially, this facility will be available through the MF Central platform. This is a digital platform where investors can manage mutual funds from different fund houses from a single location. Registrars and transfer agents will provide the lock and unlock facility through this platform.

Conditions for using it

There are a few requirements that must be fulfilled before this feature can be used. The investor's folio must be updated as per KYC.

Is buying a Rs 1 lakh iPhone on EMI a bad idea Here's the math you should know

Easy EMI options offered by banks and online platforms have made it possible to buy these expensive devices with monthly payments that may appear manageable at first glance.

New Delhi,.(Agency)

iPhones were once seen as luxury purchases in India. Today, they are far more common, helped by easy EMI options that allow buyers to spread the cost of a Rs 1 lakh phone over monthly instalments.Walk into any electronics store or browse online shopping platforms and one thing is clear: expensive smartphones, especially iPhones, are in huge demand.

Easy EMI options offered by banks and online platforms have made it possible to buy these expensive devices with monthly payments that may appear manageable at first glance.But financial planners say the ease of instalments can sometimes hide the real financial burden. For people who are already paying EMIs on cars, education loans or credit cards, adding another EMI for a phone could quietly stretch their finances.

IS BUYING A iPHONE ON EMI A BAD IDEA?

Abhishek Kumar, Sebi RIA and founder of Sahaj Money, believes the growing trend of buying expensive smartphones on EMIs should make people pause and think."This trend is largely worrying as it encourages the consumption of high-depreciation assets using future earnings," he said.However, he noted that the purpose of the purchase also matters."If someone is buying a phone or a computer to earn their living or upskill themselves then within reasonable limit such spend could be justified."Still, he warns that such purchases should never come at the cost of long-term financial stability.But such spend shouldn't compromise a person's ability to save or invest, leading to long term debt in exchange for short term wants."

CHECK YOUR EMIS BEFORE ADDING

ANOTHER ONE

Many young professionals today are already paying EMIs for education loans, cars, or personal loans. Adding another instalment for a phone can increase financial pressure.Kumar says the first step is to check the debt-to-income ratio.

"They should first calculate their total Debt to Income ratio to ensure it stays below 40% including the new commitment," he said.He also stressed the importance of financial safety nets."Additionally, they should check if they have emergency fund to cover at least six months of all combined EMIs as well as other expenses to avoid a potential default during a financial crisis."

HOW MUC OF YOUR INCOME SHOULD GO TOWARDS EMIs?

Financial planners usually suggest limits on how much of a person's income should go towards loan repayments.

Kumar says crossing certain thresholds can make finances risky.

"Ideally, no more than 30% of your gross monthly income should go toward debt repayments to maintain financial flexibility," he said."Spending more than 40% on EMIs is considered risky, while exceeding 50% often indicates a severe debt trap that can lead to falling into debt trap if income is interrupted.

Domestic LPG price hiked by Rs 60, commercial cylinder up Rs 115 amid Iran war

New Delhi.(Agency)

Domestic cooking gas prices have increased across India, with the cost of a 14.2-kg household LPG cylinder rising by Rs 60, while commercial cylinders have become costlier by about Rs 115. The revision, which took effect on March 7, comes amid rising global energy prices linked to the ongoing military conflict in West Asia.According to the Indian Oil Corporation (IOC), the price of a non-subsidised domestic LPG cylinder in Delhi has increased from Rs 853 to Rs 913.Similar increases have been recorded in other major cities. In Mumbai, the price has gone up to Rs 912.50, while in Kolkata it now costs around Rs 939. In Chennai, the revised price stands at Rs 928.50 per cylinder.Industry officials said the increase reflects a surge in global energy costs triggered by tensions and disruptions in West Asia, a region critical to global oil and gas supply chains.Despite the hike, officials maintain that cooking gas prices in India remain lower than in several neighbouring countries.

The increase marks the second revision in domestic LPG prices in less than a year. The last hike was in April 2025, when prices were raised by Rs 50. Rates differ slightly across states depending on local taxes and VAT.

Beneficiaries of the Pradhan Mantri

Ujjwala Yojana, which provides LPG connections to low-income households, will continue to receive a subsidy of Rs 300 per 14.2-kg cylinder for up to 12 refills annually. The scheme currently covers more than 10 crore households across the country.

COMMERCIAL ENTITIES FEEL THE HEAT

Commercial LPG cylinders, widely used by restaurants, hotels and other establishments, have also seen a significant increase.

In Delhi, the price of a 19-kg commercial cylinder has risen from Rs 1,768.50 to Rs 1,883. In Mumbai, it now costs Rs 1,835, while the price has reached about Rs 1,990 in Kolkata and Rs 2,043.50 in Chennai.

Commercial LPG prices have risen sharply this year, with an overall increase of more than Rs 300 so far.

The price revision comes amid escalating tensions in West Asia that have unsettled global energy markets and sparked worries over the safety of shipments passing through the Strait of Hormuz.The strategic waterway carries a significant portion of the world's oil and gas supplies. Nearly half of India's crude oil and LPG imports move through this route.Recent US and Israeli strikes on Iranian positions, followed by warnings from Tehran to vessels, along with insurers pulling back coverage, have added to disruptions in tanker traffic.

Wall Street slides as weak jobs data, Middle East tensions rattle markets

New Delhi.(Agency)

Wall Street's main indexes fell on Friday, with the financials-heavy Dow touching a more than three-month low, as the conflict raging in the Middle East threatened to fuel inflation and data showed the economy unexpectedly shed jobs in February.Signs of a weakening jobs market came amid a strike by healthcare workers and harsh winter weather. The unemployment rate increased to 4.4%.Traders pulled forward bets for a 25-basis-point interest rate cut by the Federal Reserve, with odds at about even for June, from about 35% earlier in the day, according to LSEG-compiled data."Given the developments in the Middle East and the spike in energy prices, I felt that the first rate cut was likely coming in September," said Jeff Schulze, head of economic and market strategy at ClearBridge Investments."But given the renewed weakness in the labor market, that brings in both sides of the Fed's dual mandate into the equation. I do think that the first rate cut will come in July at this point."The Fed's dual mandate is to balance both prices and the labor market.

Meanwhile, the Middle East conflict pushed up oil prices the most this week since Russia's 2022 invasion of Ukraine, bringing shipping through the strategic Strait of Hormuz to a halt.Brent crude prices hit $90 a barrel, sending the S&P 500's passenger airlines subindex .SPLRCALI on track for a near 13% weekly drop.

Natural gas producer Qatar said it would take "weeks to months" to resume normal deliveries even in the case of an immediate ceasefire, according to a report, and that all Gulf energy producers could shut down exports within weeks, driving oil to $150 a barrel.At 11:44 a.m. ET, the Dow Jones Industrial Average .DJI fell 577.08 points, or 1.20%, to 47,377.66, the S&P 500 .SPX lost 72.78 points, or 1.07%, to 6,758.27 and the Nasdaq Composite .IXIC lost 194.43 points, or 0.85%, to 22,554.56.Losses were broad on the S&P 500, while banks .SPXBK tanked 2.7% and touched a more than four-week low on jitters in the private credit market.Asset manager BlackRock BLK.N lost 5.6% after limiting withdrawals from a flagship private credit fund after redemption requests surged, joining rival Blackstone BX.N earlier this week.Lender Western Alliance WAL.N fell 12.9% after suing Jefferies JEF.N for not making a payment for loans tied to bankrupt auto parts supplier First Brands Group. Jefferies dropped 8.7%.

Tariff refund system to be ready in 45 days: US customs agency

New Delhi.(Agency)

The US customs agency is readying a system within 45 days to process refunds on US President Donald Trump's tariffs that were struck down as illegal and importers will not have to sue for them, a customs official said in a court filing on Friday.The declaration by Brandon Lord, a top Customs and Border Protection official, came as government lawyers were meeting with a federal trade judge to hammer out a process for returning $166 billion in tariff payments to around 330,000 importers.The tariffs that were a central part of President Donald Trump's economic policy were struck down as unconstitutional by the Supreme Court last month. However, the Supreme

Court did not say how the collected tariffs should be refunded, worrying small importers that the process would be prohibitively expensive and time-consuming."This new process will require minimal submission from importers," Lord said in his declaration, which was filed with the US Court of International Trade just as government lawyers began meeting with Judge Richard Eaton of the US Court of International Trade.

Eaton called the meeting to discuss how the government will carry out his sweeping order issued on Wednesday directing the CBP to begin refunding tariffs to potentially hundreds of thousands of importers using the agency's existing internal process.SINGLE PAYMENT FOR IMPORTERS

Lord said the customs agency anticipated the refund process would require importers to file a declaration with the CBP's computer system known as ACE detailing tariff payments, and the system and CBP would then validate those and process refunds with interest.

Are bank lockers still the safest place for your valuables

New Delhi.(Agency)

Gold jewellery meant for weddings, family heirlooms passed down generations, and important documents are quietly placed inside steel vaults with one simple belief, that bank lockers offer the highest level of security.But a series of recent incidents across the country has begun raising uncomfortable questions about that assumption.In Delhi's Kirti Nagar, a woman alleged that jewellery worth around Rs 60 lakh had gone missing from her bank locker. In Lucknow, police registered a case after four lockers at a bank branch were allegedly broken open and gold ornaments worth about Rs 48 lakh were misappropriated.In Faridabad, a chartered accountant and his family accused a bank branch of mishandling their locker after nearly one kilogram of gold and three kilograms of silver jewellery were found missing.

In another case in Lucknow earlier this year, jewellery worth nearly Rs 1.5 crore was allegedly stolen from a locker at a nationalised bank, with the customer accusing bank staff of theft.

And in Bengaluru, police arrested an assistant manager of a nationalised bank who was accused of stealing around 2.7 kg of gold ornaments from customers' bank lockers over time and pawning them to fund online betting.Each of these cases is different and investigations are ongoing. But together they highlight a troubling reality: even spaces that customers believe are the safest can sometimes become the centre of disputes, theft allegations or operational lapses.At the same time, getting a bank locker itself has become increasingly difficult, with waiting lists stretching months or even years in many cities.So the question many customers are now asking is a simple one: are bank lockers still the safest place to store valuables?This is the first story in Lock & Key, a special series examining how India's bank locker system works, what protections customers actually have, and what they should know before trusting their valuables to a steel vault.

HOW SAFE ARE BANK LOCKERS TODAY?

Abhishek Kumar, Sebi Registered Investment Adviser (RIA) and founder of Sahaj Money, told India Today that lockers still provide protection compared with keeping valuables at home, but customers should understand that banks are not responsible for everything inside them."While lockers offer protection

against theft at home, recent RBI guidelines clarify that banks are not absolute insurers of the contents and have capped liabilities," he said."Consequently, customers now face a different set of financial and legal risks regarding total loss compensation."

WHAT CHANGED IN RECENT YEARS

Kumar said the new RBI guidelines were the most significant regulatory change in recent years."The most signifcant change occurred with the RBI's revised locker guidelines effective from 2022, which introduced mandatory new locker agreements and enhanced security protocols," he said."Banks must now provide SMS and email alerts for every operation, maintain CCTV footage for 180 days, and ensure that electronically operated lockers meet strict cybersecurity standards."He added that the rules also clarify bank responsibility in certain situations."Banks are now explicitly held liable for losses caused by their own negligence, such as theft, fire, or fraud by employees."

WHY GETTING A LOCKER IS HARDER NOW

Kumar said the shortage of lockers is largely due to demand rising faster than banks can expand locker facilities."There is a genuine shortage of lockers in many urban and semi-urban areas because the demand has outpaced the physical expansion of bank vaults," he said.

Maoist leader Ganapathy's possible surrender sparks debate over end of Naxalism

New Delhi.(Agency)

Speculation over the possible surrender of senior Maoist leader Muppala Lakshmana Rao, better known as Ganapathy, has triggered intense discussions within security and political circles, with officials weighing whether such a move could signal the beginning of the end for Left-wing extremism in India.

The debate gained momentum after Union Home Minister Amit Shah said during a visit to Odisha on March 6 that the country could witness an "unprecedented" development this month in the fight against Naxalism. His remarks came nearly two weeks after senior Maoist leader Devji surrendered in Telangana, fuelling speculation that more top cadres could follow.

GANAPATHY'S ROLE IN THE MAOIST MOVEMENT

Ganapathy is regarded as one of the most influential figures in India's Maoist insurgency. He spent nearly four decades underground and played a key role in shaping the ideological and strategic direction of the movement.

Having embraced Naxalite ideology in the 1970s, he rose through the ranks to become the general secretary of the Communist Party of India (Maoist) after the merger of major Maoist groups in 2004. He held the post until 2018, when he stepped down citing age and health concerns, though he remained associated with the organisation's leadership and ideological framework.Security agencies say Ganapathy faces more than 150 serious criminal cases across several states, including charges of murder, bomb blasts, sedition and offences under the Unlawful Activities (Prevention) Act. Authorities have announced rewards totalling around Rs 3.5 crore for information leading to his capture, including Rs 1 crore in Chhattisgarh and Rs 25 lakh in Telangana.

WOULD HIS SURRENDER DEAL A MAJOR BLOW?

If confirmed, Ganapathy's surrender would mark one of the most significant setbacks for the Maoist movement since the formation of CPI (Maoist) in 2004.

Security experts say he has long served as a central ideological pillar of the insurgency. His surrender could weaken the movement's leadership structure and have a major psychological impact on cadres across Maoist-affected regions.

However, analysts caution that even the surrender of such a senior leader may not immediately bring an end to Naxalism. The organisation operates through a layered structure that includes the Central Committee, Politburo, regional commanders and the armed wing, the People's Liberation Guerrilla Army (PLGA).

SHRINKING LEADERSHIP CORE

Recent security assessments indicate that the number of top Maoist leaders active in Chhattisgarh has fallen sharply following sustained counter-insurgency operations,

arrests and surrenders over the past decade.

According to security records up to March 5, 2026, only a handful of senior leaders remain active in the CPI (Maoist) hierarchy, mainly within the Politburo, Central Committee and the Dandakaranya Special Zonal Committee.

Among those still considered key figures are Mishir Besra alias Bhaskar, Sujata (Alluri Krishnakumari), Paparao Kudum alias Mangu, and Mangtu alias Lal Singh, many of whom operate across the Bastar–Dandakaranya region.

SECURITY OPERATIONS WEAKEN INSURGENCY

The Maoist leadership has also been weakened by recent security operations. Between January 2025 and March 2026, several senior Maoist leaders, including Basava Raju, Jairam Reddy and Vivek Chandri Yadav, were killed in encounters across Maoist-affected areas.

Others, including Malla Jula Venu Gopal, Pulluri Prasad Rao, Ramder alias Soma and Devji, have surrendered during the same period.Data from security agencies shows that from 2020 to early 2026, more than 4,300 Maoists have surrendered and over 3,500 have been arrested in anti-Naxal operations in the Bastar range alone, pointing to a steady decline in the insurgency.

ED attaches properties worth Rs 441 crore in Andhra liquor scam

New Delhi.(Agency)

The Directorate of Enforcement (ED) on Friday attached the properties worth Rs 441.63 crore of several accused, including Kessireddy Rajasekhara Reddy, Booneti Chanakya, and Donthireddy Vasudeva Reddy and their related entities. The investigative agency seized the properties under the provisions of the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002.The alleged multi-crore scam, which unfolded between 2019 and 2024, when the state was ruled by the YSR Congress, involved Kessireddy Rajasekhara Reddy as the primary accused. As the investigation unfolded, it came to light that Reddy, along with Chanakya, Avinash Reddy, Kiran Kumar Reddy, Paila Dileep, and Saif Ahmed, allegedly manipulated the Andhra Pradesh State Beverages Corporation Limited's procurement process, which led to a loss of Rs 3,500 crore for the state.

"The accused established and/or acquired control over several distilleries, which were utilised as special purpose vehicles for the generation of proceeds of crime," the investigative agency mentioned in its statement.

The investigative agency also found a money trail of Rs 1,048.45 crore, which was collected from several distilleries in the form of kickbacks.As part of the investigation, the ED attached properties that include bank balances, fixed deposits, land parcels and other immovable assets. Further investigation into the case is underway.

Kejriwal defends 'phansi ghar' claim before Delhi Assembly privileges panel

New Delhi.(Agency)

AAP national convenor and former Delhi chief minister Arvind Kejriwal on Friday appeared before the Delhi Assembly's Privileges Committee in connection with the controversy over the alleged 'phansi ghar' in the Assembly complex and accused the BJP government of insulting freedom fighters by claiming that the site was merely a 'tiffin room'.Kejriwal appeared before the Assembly's Committee of Privileges along with former Speaker Ram Niwas Goel and former Deputy Speaker Rakhi Birla and placed their versions on record regarding the authenticity of the 'phansi ghar' that was inaugurated within the Assembly premises on August 9, 2022. Former deputy chief minister Manish Sisodia, however, failed to appear.

After the hearing, Kejriwal said the Assembly complex is a historic building constructed in 1912 when the British shifted the capital to Delhi.

He claimed that in 2022, during the tenure of then Speaker Ram Niwas Goel, it was discovered that a section of the building was used by the British to hang freedom fighters. "Goel had suggested that it should be opened for tourists.

After that, it was inaugurated," Kejriwal said. He alleged that since BJP came to power, it has been trying to prove that the structure was a tiffin room. "There can't be a bigger insult to freedom fighters than calling a place where they were hanged a tiffin room," he said.

Kejriwal said the committee had asked him to present evidence proving that the structure was a 'phansi ghar'. "I said that the then-speaker had taken the step only after conducting a full inquiry asking them if they have any proof that it was a tiffin room. They have none," he said. He also criticised the BJP government, claiming Delhi's condition had deteriorated over the past year.

Committee chairperson Pradyuman Singh Rajput said, "It is deeply concerning that those who held high constitutional offices could not present a single factual document before the panel to support their claims".

He added that making unsubstantiated claims about a 'phansi ghar' without historical proof not only misled the public but also insulted the memory of martyrs. The committee will now deliberate on the next course of action based on the statements.

Roads Blocked, Vehicles Burnt After Delhi Man Killed During Fight On Holi

New Delhi.(Agency)

Tensions gripped Delhi's Uttam Nagar area after the death of a 26-year-old youth following a dispute that began during Holi celebrations. The incident triggered large-scale protests, with hundreds of people gathering outside the Uttam Nagar Police Station demanding justice.

According to police, the dispute started on Holi after coloured water from a balloon accidentally splashed on a woman from another family. The balloon had reportedly been thrown by an 11-year-old girl who was playing Holi on the terrace with relatives. The balloon burst on the road, and coloured water splashed on the woman, which led to an argument between members of the two families.

The argument soon escalated into a violent clash.

The injured youth, identified as Tarun, was allegedly attacked by a group when he was returning home after playing Holi with friends. He was seriously injured in the assault and later died during treatment in the hospital on March 5.

Family members of the victim alleged that the attackers brutally beat Tarun and even threw a large stone on his chest while he was lying on the road.

Following the youth's death, anger spread among residents and members of Hindu organisations.

On March 6, hundreds of people gathered outside the Uttam Nagar Police Station demanding strict action against the accused.Police said around 500 protesters were present at the spot, while 200-300 police personnel were deployed to maintain law and order. Security has been tightened in the area, and police have restricted entry into the inner lanes to prevent any untoward incident.

On Thursday evening, members of Bajrang Dal allegedly removed household items from the accused's residence and set a motorcycle on fire. Police personnel present at the spot quickly extinguished the fire and brought the situation under control.

India gave safe harbour to another Iranian ship days before IRIS Dena's sinking

Days before a US submarine sank IRIS Dena in the Indian Ocean off the coast of Sri Lanka, India gave safe harbour to another Iranian frigate. According to government sources, the ship's crew has been put up at naval quarters in Kochi.

New Delhi.(Agency)

Days before a US submarine sank an Iranian frigate in the Indian Ocean near Sri Lanka, Iran had approached India seeking urgent docking for another naval vessel in Kochi after it developed technical problems, government sources said.Tehran requested permission on February 28, the day the US and Israel launched joint strikes on Iran, for IRIS Lavan to dock at Kochi, saying the vessel had developed technical issues and required urgent attention. The ship was in the region for the International Fleet Review.According to sources, approval was granted on March 1, and IRIS Lavan docked in Kochi on March 4. The vessel's crew of 183 is currently being accommodated at naval facilities in the southern port city.

While IRIS Lavan got safe harbour in the nick of time, its sister vessel wasn't so lucky. IRIS Dena, which was sailing back to Iran after participating in a military exercise at Visakhapatnam, sank in the Indian Ocean on March 4 after being struck by a torpedo fired from a US submarine. The attack sharply escalated tensions in the widening conflict involving Iran, the US and Israel.

The sinking occurred in international waters about 40 nautical miles off the southern Sri Lankan port of Galle. The warship issued a distress call at dawn reporting an explosion but had already sunk by the time Sri Lankan rescue ships reached the scene. More than 80 sailors perished when the frigate went down.

Facing flak for apparently not aiding the Iranian ship that had been its guest, the Indian Navy clarified what had transpired on the day of IRIS Dena's sinking. In a statement on Thursday, the Navy said it launched search-and-rescue operations after receiving the distress signal from the frigate.

A long-range maritime patrol aircraft was deployed to speed up search efforts already underway by Sri Lankan authorities, while another aircraft equipped with air-droppable life rafts was kept on standby.

INS Tarangini, which was operating in the vicinity at the time, was diverted to assist in the rescue mission. Another vessel, INS Ikshak, sailed from Kochi to support the search operations and remains in the region to help locate missing personnel as a humanitarian measure, the Navy said.

Deadly 2025 Uttarkashi Flood Wasn't Caused By Cloudburst, ISRO Reveals Cause

New Delhi.(Agency)

ISRO has identified a new possible cause of last year's flooding in Uttarkashi's Dharali. When a wall of water, mud and boulders tore through the village on August 5, 2025, the devastation was swift and shocking. Homes were smashed, hotels collapsed, and the bustling marketplace along the Khir Gad stream was buried under debris. In the immediate aftermath, the usual explanations came thick and fast: Was it a cloudburst, a glacial lake outburst flood (GLOF), or extreme monsoon rain?

Now, a detailed scientific investigation by scientists from the Indian Space Research Organisation (ISRO) has revealed a very different and far more unusual trigger. The Dharali flood, they say, was caused by the sudden collapse of an exposed ice sheet high above the village, a hidden and under-recognised hazard in a warming Himalaya.

What happened at Dharali?

Dharali sits on the banks of the Bhagirathi River, just below where a smaller glacier-fed stream, the Khir Gad, rushes down from the Srikanta Glacier. The village lies on a narrow valley floor, leaving little room for error when water comes charging down from above.

On August 5, residents captured terrifying videos of a sudden, violent surge, a short-lived but extremely powerful flow of water mixed with rocks, mud and ice. This was followed by hours of slower, muddy flow. The nature of the flood itself raised questions.

Cloudbursts usually bring prolonged, intense rainfall. GLOFs involve huge volumes of water released when a glacial lake bursts. Dharali showed neither pattern.

India eyes long-range strike drone capability with IG Defence's Project KAL

India has unveiled Project KAL, an indigenous long-range strike drone under development by IG Defence, aimed at boosting the country's unmanned combat capabilities amid the growing global role of attack drones in warfare.

New Delhi.(Agency)

India is stepping into the long-range strike drone category with IG Defence's Project KAL. Indigenous defence company IG Defence has offered the first glimpse of the platform, an indigenous long-range strike drone designed to expand the country's unmanned combat capabilities.

Long-range one-way attack drones have become a defining feature of modern warfare. Platforms such as the Iranian Shahed-136 have drawn global attention for their ability to carry explosive payloads across long distances at relatively low cost. Their growing role has been particularly visible in the ongoing escalation between Iran and the United States and Israel, where waves of drones and missiles have been launched across the region.

Shahed-class drones can be produced cheaply and deployed in large numbers, overwhelming air defences and forcing adversaries to use far more expensive interceptor missiles. This sharp cost imbalance has highlighted how relatively inexpensive unmanned systems can impose disproportionate operational and financial pressure on advanced defence networks.

Against this backdrop, Project KAL aims to develop a made-in-India long-range strike drone to expand the country's indigenous combat drone capabilities. The system is envisioned as a deep-penetration strike platform capable of operating far beyond the frontline.

With a projected range of up to 1,000 kilometres and an endurance of three to five hours, the drone is expected to operate

deep inside contested environments, observe targets and adjust its flight path before striking.

Designed to carry a high-explosive payload, the platform is intended to strike high-value targets such as strategic infrastructure, logistics hubs, radar installations and other critical military assets.

Such capabilities could offer armed forces a scalable and cost-effective option for precision strikes while reducing risks to personnel operating in high-threat environments.

Commenting on the development, Maj Gen R.C. Padhi (Retd.), senior vice president at IG Defence, said unmanned systems are rapidly reshaping modern warfare.

"Unmanned systems are rapidly transforming the character of modern warfare. Recent developments in the Middle East, particularly the ongoing conflict involving Iran on one side and the United States and Israel on the other, have once again demonstrated how long-range strike drones can influence operational strategies by combining reach, persistence and cost efficiency," he said.

NEWS BOX

US 'not concerned' by reports Russia aiding Iran's targeting

WASHINGTON. (Agency)

US Defense Secretary Pete Hegseth said Friday that the United States is "not concerned" about reports that Russia is providing intelligence to Iran on US troop positions and movements.While declining to confirm the reports, Hegseth, in an interview with CBS's "60 Minutes," said: "We're tracking everything.""Our commanders are aware of everything," he said. "We have the best intelligence in the world. We're aware of who's talking to who.""We're not concerned about that," the defense secretary said. "We mitigate it as we need to."Earlier Friday, the White House also downplayed a report that Russia is providing Iran with targeting information about US forces in the Middle East."It clearly is not making a difference with respect to the military operations in Iran because we are completely decimating them," White House Press Secretary Karoline Leavitt told reporters.We are achieving the military objectives of this operation and that is going to continue," Leavitt said.

The Washington Post, citing officials familiar with the intelligence, said Russia has provided Iran with the locations of US military assets, including ships and aircraft.Six US service members were killed in a drone attack on a US base in Kuwait on Sunday and the CIA station in Riyadh has also been hit.The Post said China did not appear to be aiding Iran's defenses.

Russia and China have longstanding diplomatic and trade ties with Iran, while Russia has close military links to the country.

Canadian PM Mark Carney calls for Mountbatten-Windsor's removal from line of succession

TOKYO. (Agency)

Canadian Prime Minister Mark Carney said Andrew Mountbatten-Windsor should be removed from the royal line of succession for his "deplorable" actions.

Speaking to reporters in Tokyo, Carney said the actions that have caused him to be stripped of his royal titles "necessitate" his removal from the line of succession.

Despite being stripped of his status as prince in October over his close links with the late convicted sex offender Jeffrey Epstein, the former Prince Andrew, King Charles III's younger brother, remains eighth in line to become monarch.King Charles III is the head of state in Canada, which is a member of the Commonwealth of former colonies.Carney, a former governor of the Bank of England, said that even though Mountbatten-Windsor is "well down" the line of succession, the "point of principle stands."

The prime minister said there is a process to remove someone from the line of succession, which he says should be followed.Under the current line of royal succession, Charles' son Prince William is heir to the throne and his three children — Prince George, Princess Charlotte and Prince Louis — are next.

US Clears Emergency Sale Of 12,000 Bomb Casings Worth $152 Million To Israel

world. (Agency)

The US State Department approved the "emergency" sale of 12,000 bomb casings to Israel on Friday as the countries engage Iran in an escalating Middle East war. The requested sale of 1,000-pound (450-kilogram) bomb casings, worth an estimated $151.8 million, was approved by the State Department's Bureau of Political-Military Affairs, according to a press release. "The proposed sale will improve Israel's capability to meet current and future threats, strengthen its homeland defense, and serve as a deterrent to regional threats," the bureau said in a statement.In addition to the munitions, the sale will include US government and contract engineering, logistics and technical support services, according to the release. Major US defense companies have agreed to quadruple production of advanced weapons, President Donald Trump said in a social media post Friday, a week after the US and Israel first launched strikes on Iran.While US arms sales typically require approval by Congress, Secretary of State Marco Rubio has issued a waiver bypassing the approval, to the consternation of some elected officials."The Secretary of State has determined and provided detailed justification that an emergency exists that requires the immediate sale to the Government of Israel of the above defense articles and defense services is in the national security interests of the United States," the State Department said, citing the Arms Export Control Act.Congressman Gregory Meeks, a Democrat on the House Foreign Affairs Committee, said bypassing congressional review of the arms sale "exposes a stark contradiction at the heart of this administration's case for war.""The Trump administration has repeatedly insisted it was fully prepared for this war," Meeks said in a statement. "Rushing to invoke emergency authority to circumvent Congress tells a different story."

US has given 'permission' to India to accept Russian oil: Treasury Secretary Bessent

We have implemented short term measures to help keep oil prices down. We are allowing our friends in India to take oil that is already on ships, says US Treasury Secretary.

NEW YORK/WASHINGTON. (Agency)

The US said it has given "permission" to India to buy Russian oil that is on ships already floating on waterways with a view to easing supplies around the world amid the West Asia conflict."The world is very well supplied in oil. Yesterday, the Treasury (Department) agreed to let our allies in India start buying Russian oil that was already on the water," US Treasury Secretary Scott Bessent said in an interview to Fox Business on Friday."The Indians had been very good actors. We had asked them to stop buying sanctioned Russian oil this fall. They did. They were going to substitute it with US oil. But to ease the temporary gap of oil around the world, we have given them permission to accept the Russian oil. We may unsanction other Russian oil," he said.Bessent added that there are hundreds of millions of sanctioned barrels of sanctioned crude on the water, and in essence, "by unsanctioning them, Treasury can create supply. And we are looking at that. We are going to keep a cadence of announcing measures to bring relief to the market during this conflict."Several other Trump administration officials have also been saying that the US has now allowed India to buy Russian oil, months after President Donald Trump had imposed 25 per cent punitive tariffs on Delhi for its purchases of oil from Moscow.Energy Secretary Chris Wright said in a post on X Friday that the United States is "allowing our friends in India" to take the Russian oil already on ships around Southern Asia, refine it and move the stocks into the market quickly in order to ensure a flowing supply and ease pressure amid the ongoing US-Israel war against Iran."We have implemented short term measures to help keep oil prices down. We are allowing our friends in India to take oil that is already on ships, refine it, and move those barrels into the market quickly. A practical way to get supply flowing and ease pressure," Wright said.In an interview to ABC News Live, Wright said that long-term oil supplies are "abundant" and there are no worries regarding that, but in the short term, there is a need to get oil on the market."But as oil gets bid up a little bit because of those constraints coming out of the Strait of Hormuz, we're taking a short-term action to say all this floating Russian oil storage that's around Southern Asia, it's China just backed up, China does not treat their suppliers well, so there's a bunch of floating barrels just sitting there."We've reached out to our friends in India and said, 'Buy that oil. Bring it into your refineries'.That pulls stored oil immediately into Indian refineries and releases the pressure on other refineries around the world to buy oil that they're no longer competing with the Indians for in that marketplace," Wright said.So we have a number of measures like that that are short-term and temporary. This is no change in policy towards Russia. This is a very brief change in policy just to keep oil prices down a little bit better than we could otherwise," he added.

Man convicted in political assassination plot he tied to Iranian paramilitary

CANBERRA. (Agency)

A Pakistani business owner who tried to hire hit men to kill a U.S. politician was convicted Friday in a trial that showcased allegations of Iran-backed plotting on American soil.As the Iran war unfolded in the Mideast, Asif Merchant acknowledged in a U.S. court that he sought to put an assassination in motion during the 2024 presidential campaign — a plot that was quickly disrupted by American investigators before it had a chance to proceed.A jury in Brooklyn convicted Merchant on terrorism and murder for hire charges. He faces up to life in prison.The verdict after only a couple hours of deliberations followed a weeklong trial that included remarkable testimony from Merchant himself.Merchant told the jury he was carrying out instructions from a contact in the Islamic Republic's powerful paramilitary Revolutionary Guard. According to Merchant, the handler never specified a target but broached names including then-candidate Donald Trump, then-President Joe Biden and Nikki Haley, the former U.N. ambassador who was also in the race for a time.The Iranian government has denied trying to kill U.S. officials.The nascent plot fell apart after Merchant showed an acquaintance what he had in mind by using objects on a napkin to depict a shooting at a rally. He asked the man to help him hire assassins. Instead, he was introduced to undercover FBI agents who were secretly recording him, as had the acquaintance.Merchant told the supposed hit men he needed services that could include killing "some political person" and paid them $5,000 in cash in a parked car in Manhattan."This man landed on American soil hoping to kill President Trump — instead, he was met with the might of American law enforcement," U.S. Attorney General Pam Bondi said in a statement released after the conviction.Merchant's attorney, Avraham Moskowitz, didn't immediately reply to a message seeking comment.Merchant, 47, worked for Pakistani banks for decades before going into clothing and other businesses. He has two families, in Pakistan and Iran, and he sometimes visited the U.S. for his garment business.Merchant testified that he met a Revolutionary Guard intelligence operative about three years ago. The contact gave him countersurveillance training and assignments including the assassination scheme, Merchant said.

He maintained that he had to do his handler's bidding to protect loved ones in Iran. The defendant said he reluctantly went through the motions but thought he'd be arrested and explain his situation to authorities before anyone was killed.I was going along with it," he said, speaking in Urdu through a court interpreter.

Prosecutors emphasized that Merchant admitted taking steps to enact the plan on behalf of the Revolutionary Guard, which the U.S. considers a foreign terrorist organization, and he didn't proactively go to authorities.

Blue Sparrow, Lucas Drone, PrSM: New Weapons Shaping Middle East War

World. (Agency)

Israel and the United States are testing new or little-known weapons in the Middle East war, including an Israeli "Sparrow" missile and an Iranian-inspired drone made in America then fired back at Iran.

Israel's Blue Sparrow Israeli F-15 jets fired munitions including the Blue Sparrow ballistic missile in the operation to kill Iran's supreme leader Ayatollah Ali Khamenei on Saturday, the Wall Street Journal and Financial Times have reported.Developed by Israeli defence firm Rafael, the Blue Sparrow belongs to the same family as its Black Sparrow and Silver Sparrow -- all originally conceived to to test the effectiveness of Israel's air defences.The Blue Sparrow was developed to imitate missiles like Iraq's Scud-C/D, according to a 2023 presentation document. It weighs 1,900 kilos before it is launched and is 6.5 metres long.During the 12-day war in June last year, "Blue Sparrow and Silver Sparrow aeroballistic missiles made it possible to hit various targets at enormous distances -- 1,000 kilometres (620 miles) for the former and 2,000 kilometres for the latter," the chief of staff of the French air force, General Jerome Bellanger, said in July.

This range means a Blue Sparrow can be fired from a safe distance, without a war plane risking being shot down by aerial defences.Reversed engineered Shaheds The Lucas is a low-cost, long-range one-way attack drone that looks strikingly similar to the Iranian Shahed-136 from which it is inspired.

The commander of the United States Central Command (CENTCOM), Admiral Brad Cooper, has described it as "indispensable" in the conflict with Iran.

"This is an original Iranian drone design," he said on Thursday."We captured it, pulled the guts out, sent it back to America, put a little 'Made in America' on it," he said.And we're shooting at the Iranians."

It was used "for the first time in history" in the operation that started on February 28.

"These low-cost drones, modelled after Iran's Shahed drones, are now delivering American-made retribution," CENTCOM said on X.

Details about the Lucas are few and far between.

It is made by SpektreWorks, developed from its FLM 136 drone target, which was initially developed to emulate a threat and which can fly at 137 km/h for more than 800 kilometres.A CENTCOM spokesperson told specialised website the War Zone that the new drone cost "approximately $35,000", making it possible to mass produce.

In comparison, a cruise missile costs more than $1 million to make.Iran has deployed hundreds of Shahed-136s against the Gulf, and supplied the technology to Russia, which has produced thousands of such drones under the name Geran-2 for its war against Ukraine.

A Week On, How Iran War Is Unfolding, Affecting Middle East And Beyond

world. (Agency)

The broadening Iran war has ricocheted across the region and beyond, with nearly every country in the Middle East sustaining damage from missile hits, drone strikes or shrapnel. Many are reporting casualties, and key embassies, economic engines and passageways have closed down.

On Friday, the seventh day of war, Israeli warplanes struck Beirut and Tehran as Iran launched another wave of retaliatory strikes against Israel and Gulf countries. There was no sign of the war letting up, as US President Donald Trump appeared to rule out negotiations with Iran and called for "unconditional surrender."

Since the war started with a joint US-Israel attack on Iran, foreign governments have urged citizens to leave Middle East countries on any available commercial flight. Airspaces have closed, cruise ships and tankers have been unable to pass through the Strait of Hormuz, and major airlines have canceled flights. Countries around the world have scrambled to organize repatriation flights to get their citizens out of the region.Here's a country-by-country breakdown of the impact of the war so far.All airspace information is for commercial flights, from the real-time flight-tracking service Flightradar 24, as of Friday, or national authorities.Death count: At least 1,230 according to Iran's Foundation of Martyrs and Veterans Affairs. It's unknown how many are civilians. That figure doesn't include the latest Israeli strikes on the Iranian capital of Tehran. Witnesses described the airstrikes as particularly intense, shaking homes in the area. Others reported explosions around the Iranian city of Kermanshah, in an area home to multiple missile bases.Israel's military also said Friday that it had pummeled an underground bunker Iranian leaders had planned to use in emergencies, deploying more than 50 fighter jets and 100 munitions.Major casualty incidents: More than 160 were killed by a strike on an elementary school in Minab, according to the state-run IRNA news agency.Damage and impact: State TV and the Red Crescent Society of Iran say the US-Israeli strikes have hit hospitals, pharmacies.

Only Iran's 'unconditional surrender' can end war: Trump

TEHRAN.(Agency)

US President Donald Trump said Friday that only Tehran's unconditional surrender would bring an end to the escalating Middle East war as crude oil prices surged on fears about global supply disruption.

As Israel intensified its air strikes on Lebanon and announced "broad-scale" strikes on Tehran, the US military said it had hit more than 3,000 targets during the first week of the US-Israeli war on Iran.The conflict has embroiled nations beyond the region, upended the world's energy and transport sectors, and brought chaos to usually peaceful areas around the Gulf.

UN Secretary-General Antonio Guterres appealed for "serious diplomatic negotiations" and warned of a "situation that could spiral beyond anyone's control."

Russian President Vladimir Putin voiced support for an "immediate" ceasefire in Iran during a phone call with Iranian counterpart Masoud Pezeshkian on Friday, the Kremlin said.Trump, who has given varying reasons for starting the war a week ago, has spurned fresh talks with Tehran, however, and said on Truth Social "there will be no deal with Iran except UNCONDITIONAL SURRENDER."White House Press Secretary Karoline Leavitt said when the president determines Iran no longer poses a threat to the United States and the operation's goals are realized, "Iran will essentially be in a place of unconditional surrender, whether they say it themselves or not."Trump also promised to help rebuild the country's economy if Tehran installs someone "acceptable" to him to replace Iran's supreme leader Ayatollah Ali Khamenei, who was killed last weekend.

Crude prices -- already surging with the critical energy waterway the Strait of Hormuz in the Gulf effectively blocked -- rose further on Friday.

The international benchmark oil contract, Brent North Sea crude, jumped to $92.69 per barrel, up 8.5 percent for the day and nearly 30 percent for the week.Humanitarian disaster'US Central Command, responsible for US forces in the Middle East, said more than 3,000 Iranian targets have been struck, including command-and-control centers, air defense systems, missile sites, and navy ships and submarines.Six US service members have died and Trump is to attend the return of their bodies at a dignified transfer ceremony at Dover Air Force Base in Delaware on Saturday.Israel continued to batter Beirut's southern suburbs, where the Iran-backed militant group Hezbollah holds sway, and the Lebanese health ministry said the death toll has risen to 217.

Israel also carried out strikes on Nabi Sheet in eastern Lebanon's Baalbek district that the ministry said killed at least nine people.

Lebanon's Prime Minister Nawaf Salam warned that a "humanitarian disaster is looming", and the Norwegian Refugee Council said 300,000 people in the country had been forced to flee.Three UN peacekeepers were wounded when their base in southern Lebanon was hit on Friday, the UN force and the Ghanaian military said.Lebanese President Joseph Aoun accused Israel of targeting them, and French President Emmanuel Macron condemned the attack as "unacceptable."

NEW

Clutch is Hardik Pandya: How India all-rounder went into zen mode vs England

New Delhi. (Agency)

When the Indian all-rounder made this statement in the latest video released by the BCCI ahead of the T20 World Cup final, you kind of realise that he is just stating a fact. During the T20 World Cup 2024 final, it was Hardik who followed up Jasprit Bumrah's good work by bowling a sensational last over. He did the same during the semi-final against England, where India looked to be on the ropes.After Bumrah bowled a sensational 18th over, Hardik came on and was received with a six by Jacob Bethell. He didn't flinch and go into a shell or lose focus. Hardik picked up the wicket of Sam Curran in the same over to put more pressure on England.“There are two ways in life. I could have got my heart racing and not been able to execute, so I went into my Zen mode. It’s quite amazing that instead of my heartbeat rushing, I stayed still. I’m really proud of that," said Hardik.This was followed up with a sensational fielding effort by the all-rounder

as he was able to run out Bethell in the final over, which sealed the win for India. This allowed him to win the Impact Player Of The Match medal, given by the Indian team management.“One batter I had to get out from the field was Bethell, the way he was batting. I knew I had to keep calm and throw it where it was supposed to be. I would have liked it a little closer to the stumps, but nevertheless we got the job done," said Hardik.

BEING THE FAMILY MAN'

The reaction from Hardik after dismissing Bethell was telling as he was very animated in his celebration, pumping up the entire side. The all-rounder said it was because his son Agastya and girlfriend Mahieka Sharma were present in the stands and he wanted them to feel his emotions during the game.

Wouldn't be surprised if Bumrah is T20 World Cup final's Player Of The Match: Clarke

LONDON. (Agency)

With anticipation building for the T20 World Cup 2026 final between India and New Zealand, Michael Clarke has singled out Jasprit Bumrah as a potential game-changer. The final, set to take place on Sunday, March 8, in Ahmedabad, comes after India's narrow seven-run victory over England in a high-scoring semifinal, where Bumrah played a pivotal role.Clarke's comments focus on Bumrah's consistent impact throughout the tournament, praising his ability to deliver under pressure in key moments. The star pacer bowled the 18th over, where he gave away just six runs. This was followed by another tight over from Hardik Pandya, which sealed the deal for India in the end.

Speaking on the Beyond23 cricket podcast, Clarke said that Bumrah has the skills to execute under pressure, which makes him the best bowler in the world.

"One thing is having so many options (variations), but most importantly, having

the skills to execute under pressure. This is what makes him the best in the world. He has been a defining factor for India. I wouldn't be surprised if he is Man of the Match in the final. He's just so dominant," said Clarke.

WHAT MAKES BUMRAH SPECIAL?

Clarke further lauded Bumrah's versatility and adaptability on the international stage, which makes him special and the best bowler in all three formats of the game.

"India are the standout team in this tournament. They have been absolutely brilliant. We probably haven't spoken much about him throughout this World Cup campaign, because we now just expect it. Bumrah. He is just a freak. All three formats, he is, by a distance, the most important player in the world in all three formats. He is a match-winner. He bowls the most difficult overs. Run-saving machine, wicket-taker, execution under pressure is better than anybody in world cricket," Clarke stated.

Pakistan seal Hockey World Cup spot after 8 years, put AUS tour horror behind them

New Delhi. (Agency)

Pakistan has secured its place at the FIH Hockey World Cup 2026 after defeating Japan 4-3 in a dramatic semifinal at the qualifiers held in Ismailia, Egypt, on Friday, March 6. The team clinched victory with a late goal, ensuring a return to the World Cup and putting the horror of their ill-fated Australia tour behind them. Alongside Pakistan, England also qualified after a commanding 7-1 win over Malaysia in their respective semifinal, setting up a final clash between the two sides.With these results, both Pakistan and England advance to the tournament, joining India, Germany, New Zealand, South Africa, Argentina, Belgium, Spain, Netherlands, and Australia as confirmed teams. France and Ireland also made it to the tournament, with 13 out of the 16 World Cup spots filled.Pakistan and England will now face off in the final of the qualifying tournament in Ismailia, while Malaysia and Japan contest the bronze medal match. The winner of the third-place game will also qualify for the World Cup. Additionally, the highest-ranked fourth-placed team across all qualifiers is set to earn a spot, further intensifying competition for the remaining places.

HOW PAKISTAN OVERCAME OFF-FIELD ISSUES

Despite on-field success, Pakistan's hockey faced significant off-field turmoil during its FIH Pro League tour of Australia. The team encountered an accommodation crisis, resulting in widespread criticism and administrative fallout. The incident drew attention at the highest political level and had repercussions for both management and athletes.Team captain Ammad Butt was vocal in his criticism of the Pakistan Hockey Federation (PHF) over alleged mismanagement during the tour. The controversy escalated when Prime Minister Shehbaz Sharif ordered an inquiry into the matter. Subsequently, PHF president Tariq Bugti resigned from his position, and Ammad Butt was initially issued a two-year ban. This series of events further complicated Pakistan's build-up to World Cup qualification.

The administrative situation began to stabilise after Mohiuddin Wani was appointed interim PHF president. Under his leadership, Ammad Butt’s two-year ban was lifted, allowing the captain to rejoin the squad as they completed their qualification run.

HOW DID PAKISTAN VS JAPAN UNFOLD?

Japan had the first clear chance of the match

when Tsubasa Tanaka found himself one-on-one with the goalkeeper, but his attempt sailed over the crossbar. Muhammad Ammad put Pakistan ahead in the 9th minute, reacting quickly to a rebound after his initial shot was saved by Takumi Kitagawa and bounced back off the post. Japan created a few opportunities from penalty corners but were denied, including a brilliant save on the post by Arshad Liaqat. They eventually equalised in the 21st minute when Ryoma Ooka deflected the ball into the net from open play, making it 1-1 at halftime.Japan took the lead early in the second half through Shota Yamada, whose drag flick in the 35th minute found the net. They extended their advantage in the 41st minute after a clever overhead pass caught the Pakistani defence off guard. The goalkeeper rushed out but failed to clear the ball, allowing Koji to score with a simple finish at the left post.However, Pakistan mounted a comeback, especially after Japan were reduced to 10 players following a yellow card with about 10 minutes left. Abu Mahmood pulled one back in the 52nd minute with a drag flick down the middle. Pakistan levelled the score three minutes later when Sufyan Khan fired a powerful drag flick between the goalkeeper and the post defender.

Ahmedabad calling: Airlines add special flights for IND vs NZ final rush

T20 World Cup: Flights and trains are being added as fans rush to Ahmedabad for the T20 World Cup final. With India chasing history and New Zealand eyeing their first title, travel demand for the big clash has surged.

New Delhi. (Agency)

Cricket fans across the country are making plans to travel to Ahmedabad as India prepare to take on New Zealand in the T20 World Cup final on March 8. With the summit clash expected to draw a massive crowd to the Narendra Modi Stadium, airlines and railways have started adding extra travel options to handle the sudden surge in demand.Air India Express and Akasa Air on Friday announced special flights to Ahmedabad to help fans reach the city for the highly anticipated final. The move comes as ticket demand for both flights and trains rises sharply whenever India feature in a major global final.Such occasions often see airfares shoot up while train tickets disappear within minutes. Despite the challenges, thousands of supporters still travel long distances for marquee matches, especially when the Indian team is involved and chasing silverware. The Narendra Modi Stadium, the world’s largest cricket venue, is expected to be packed for the final.To manage the rush, airlines have started

adding more seats while also keeping an eye on booking trends. Both carriers indicated that they may consider increasing capacity further if demand continues to grow closer to match day.Air India Express has also announced additional flights to Ahmedabad from several major cities to accommodate fans travelling to the match.“To facilitate cricket fans travelling to witness the final, the airline will operate additional flights to Ahmedabad from Delhi, Bengaluru, Mumbai, and Hyderabad. These flights have been scheduled in response to the sharp increase in demand for travel to the city as fans across the country plan to attend the highly anticipated match,” Air India Express said in a release.Akasa Air said it will operate special direct flights between Mumbai and Ahmedabad on March 8 and March 9, adding to its existing services between the two cities. The airline is also planning to bring a cricket-themed touch to the journey for passengers travelling to the final.Through its SkyScore feature, Akasa Air passengers will be able to follow live match updates even while they are in the air. The airline also said it plans to create a festive environment on board for fans heading to the big game.

FANS GEAR UP FOR IND vs NZ T20 WORLD CUP FINAL

Apart from air travel, railways have also stepped in to handle the demand. Western Railway has announced two special trains between Mumbai and Ahmedabad on special fares, including one scheduled to run on match day, March 8, to help supporters reach the city in time for the final.The excitement around the match is understandable. India head into the final with a chance to achieve something no team has managed before in T20 World Cups. After edging past England in a thrilling semi-final, where Sanju Samson’s explosive innings helped India post 254, the hosts are now one win away from successfully defending the title on home soil.

Abhishek Sharma's World Cup struggles await a Virat ending

MELBOURNE. (Agency)

In Indian cinema, that line usually arrives just before the credits roll. The hero may have stumbled through most of the film, but if the ending lands perfectly, everything that came before suddenly feels like part of the journey.For Abhishek Sharma, the 2026 T20 World Cup has felt like a long and uncomfortable middle act. The kind where the script refuses to cooperate, the timing never quite clicks, and the critics grow louder with every scene.Yet the final still remains.

And if there is one player whose story proves that a messy tournament can still end in glory, it is Virat Kohli.Abhishek arrived at this World Cup carrying enormous expectations. Over the last couple of seasons, the left-hander had built a reputation as one of India’s most fearless T20 batters. His ability to take down bowling attacks inside the powerplay pushed him rapidly into the spotlight and even took him briefly to the top of the ICC T20I batting rankings.Some saw him as India’s explosive X-factor at the top. Others pointed to the influence

of his mentor Yuvraj Singh and imagined another World Cup campaign lit up by fearless hitting.Instead, the tournament turned into a survival test.A stomach infection struck early, forcing Abhishek to play the opening game against the United States while unwell. The match ended with a first-ball duck. His condition worsened soon after, requiring hospitalisation and ruling him out of the Namibia clash.

But the physical toll did not end there.

Abhishek reportedly lost around two kilos during that period. For a batter whose entire style revolves around power hitting, wrist strength and the ability to clear the ropes, even a small drop in body weight can have a real impact. Less strength often means less power in the swing.Now add another complication to the mix. A tournament like the T20 World Cup rarely allows players the luxury of proper recovery. Teams travel constantly from one city to another, matches arrive every few days, and training schedules barely leave space for the body to fully reset.

India vs New Zealand, T20 World Cup final: What type of pitch awaits in Ahmedabad

Mumbai. (Agency)

The countdown to the T20 World Cup final between India and New Zealand in Ahmedabad has triggered the usual debates about team combinations and match-ups. But at the Narendra Modi Stadium, there is another element that could quietly shape the outcome — the pitch.Motera is unlike most venues in India because it offers three different kinds of surfaces: red soil, black soil and a hybrid of the two. Each brings its own personality to a game. Black-soil pitches tend to be slower and can grip a bit, making it harder for batters to play through the line. Red-soil surfaces, on the other hand, usually provide better bounce and pace, something that often leads to higher scores.India’s experience earlier in the

tournament might also be fresh in their minds while deciding what works best. During the Super Eight stage, the hosts suffered a heavy defeat against South Africa on a black-soil pitch in Ahmedabad, where the surface slowed down and made run-scoring tricky as the game progressed.That is why the curators have been carefully weighing their options ahead of the final. According to ESPNcricinfo, the centre pitch expected to be used for the title clash is likely to be a mix of red and black soil. These hybrid strips generally offer the best of both worlds, enough bounce and pace for strokeplay, but also some grip for bowlers as the match moves along.Interestingly, the final call had not been officially confirmed even late on Friday. Broadcasters were yet to install the stump cameras, usually a sign that the surface is still being finalised. One particular pitch, however, attracted plenty of attention from the ground staff, with local curators inspecting it closely while BCCI CEO Hemang Amin was also seen doing a recce before that strip was eventually.

Brendon McCullum set to continue as England coach despite Ashes humiliation

Brendon McCullum is expected to remain as England's head coach across formats following a challenging winter, with strong support from players and the ECB amid ongoing

New Delhi. (Agency)

Brendon McCullum is set to continue leading the England cricket team as head coach in all formats, despite a series of setbacks during the past winter, according to reports in British media. Following England's T20 World Cup 2026 semi-final defeat to India in Mumbai, scrutiny intensified over McCullum's position. However, the England and Wales Cricket Board (ECB) appears committed to retaining his leadership as it reviews recent results and plans for the future.England’s defeat in the T20 World Cup semi-final marked the culmination of a demanding period for the squad across both white-ball and red-ball formats. The team's results, particularly a poor Ashes campaign in Australia, brought McCullum’s tenure under renewed examination. Pressure on the head coach increased following reports of off-field incidents during the tour, fuelling discussions about potential changes in team management.

WHAT DID MCCULLUM SAY ABOUT HIS FUTURE?

Despite these challenges, McCullum publicly expressed his desire to continue as head coach after the semi-final loss to India."I love the job. It's a great job. It doesn't come without its challenges, of course, but that is the nature of it.""I feel we have achieved some really cool things over the last few years but there is still so much to achieve with the side, across all formats.""I would love to carry on, so we will see what unfolds over the next little while. Right now, after being on the road for a fair bit of time, it's

about getting home, watching some fast horses and playing some shocking golf.

"A bit of time to reflect, to let things land and objectively look at what is and isn't working.""I would love to help lead the team through to the next stage."

Reports suggest that the England and Wales Cricket Board (ECB) still expects him to remain in the role. McCullum also received strong support from England white-ball captain Harry Brook, who offered strong backing for McCullum after the World Cup exit.

The ECB has initiated a formal review into England's Ashes performance in Australia, aiming to identify causes behind the disappointing results. While the investigation is ongoing, McCullum remains at the helm, continuing to oversee preparations across formats and maintaining regular communication with team leadership.Plans are underway for McCullum to focus on rebuilding the Test side for the upcoming home Ashes series in 2027. Despite the recent disappointments, the ECB and team management see continuity as essential for long-term success and stability, especially with major tournaments on the horizon.

Bhumi Pednekar

Cheers For Anil Kapoor As Subedaar Receives Positive Reviews

Anil Kapoor's latest action drama, Subedaar, premiered on Prime Video on March 5, 2026. The film combines patriotism, family emotions, and high-octane action to create an engaging experience for both mainstream audiences and OTT viewers. While many in the industry praised the movie, Bhumi Pednekar was quite happy about it getting good reviews.Bhumi shared a snap showcasing the various ratings given by many reviewers. She posted it with clapping emojis and tagged Anil Kapoor and others from the Subedaar team.

Mohit Suri Praises Anil Kapoor

Before the film's release, director Mohit Suri posted the trailer on his Instagram story, identifying the whole cast and crew. Suri praised Anil Kapoor by writing, "Jhakasss boss." Anil Kapoor promptly re-shared the article and replied, "thanks Mohit."

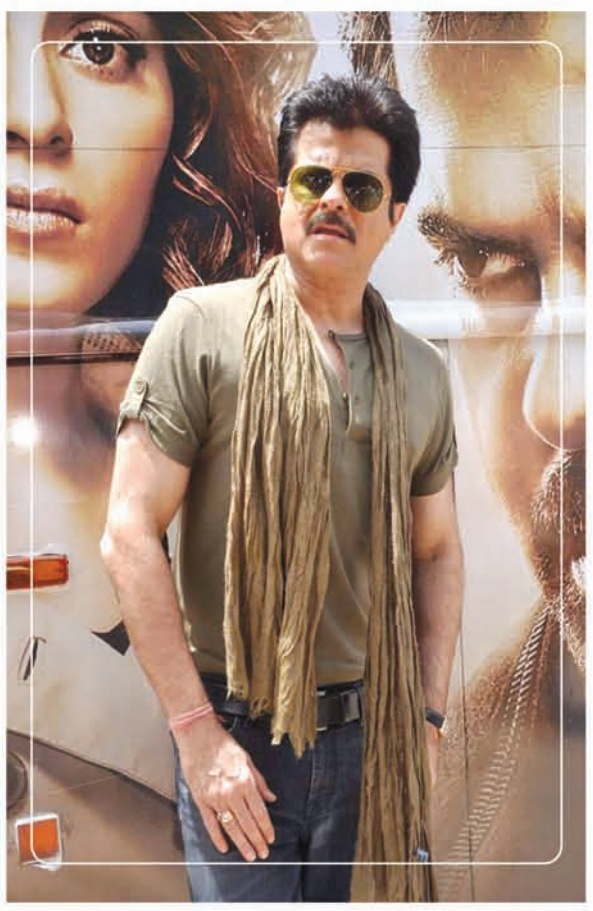

Anil Kapoor On Subedaar

Recently, Anil Kapoor spoke at the News18 Rising Bharat Summit 2026. Sharing insight into the project, Kapoor said, "Subedaar is the story of a retired fauji and about his dignity, emotional depth and how he is dealing with his civil life. His story is set in the heartland of India, so we shot for it in Agra, Kanpur, etc. Our filmmaker went to all these places first, met these people and then he wrote the film. After that, he shared the story with me and I started feeling emotionally connected to it. I found the emotional layer to the character."

Subedaar, directed by Suresh Triveni, stars Anil Kapoor, Radhika Madan, Aditya Rawal, Saurabh Shukla and Mona Singh, hinting at a layered narrative based on emotional realism. Set in India's heartland, the film follows Arjun Maurya, a former soldier navigating civilian life, unresolved trauma from his past, and a troubled relationship with his daughter.

As the novel progresses, Singh is drawn into a conflict that causes him to face both internal and external fights, with themes of duty, loss, and redemption at its foundation.

Janhvi Kapoor

Shares Glimpses Of Spiritual Birthday Celebration With Friends, 'HBD Ladoo' Cake Grabs Attention

Boney Kapoor and Sridevi's eldest daughter and actress Janhvi Kapoor turned a year older on March 6. Like every year, she chose to keep her special day lowkey as she visited the Tirumala Venkateswara Temple in Andhra Pradesh. She climbed 3,550 steps barefoot to seek blessings on her birthday. A while ago, Janhvi took to social media and shared glimpses of her spiritual trip with her friends. This year, her rumoured beau, Shikhar Pahariya, was not seen accompanying her to the temple.

Janhvi Kapoor drops pictures from her birthday celebration

Janhvi, who turned 29, shared a bunch of pictures on her Instagram handle, offering a glimpse of her quiet yet peaceful birthday celebration with her friends. For her visit to the temple, the actress opted for a pink half saree. In some pictures, she can be seen flashing her million-dollar smile and posing for picture-perfect moments against a picturesque backdrop. She also shared a peek into her early morning trek to the temple. The photo dump even features her birthday cake, with 'HBD Ladoo' written on it. The nickname was given to her by her late mother, Sridevi. The birthday decor also featured a customized balloon with her funny face on it.

Soon after she shared the pictures, her cousin Shanaya Kapoor and aunt Maheep Kapoor dropped red heart emojis while uncle Sanjay Kapoor wished her a happy birthday in the comments section. Orry went on to call her "most beautiful bday girl." Her fans were also seen showering love on her.

Meanwhile, earlier today, Khushi Kapoor took to social media to wish her big sister with a special post. She dropped wholesome pictures and even penned a heartfelt note for her.

Her post read, "Happy birthday to my sister, my best friend, my advisor, my teacher and my partner in crime. Thank you for being the best human ever and helping in raising me in becoming the person that I am today. I'm nothing without you, and I hope I'm stuck with you in every lifetime. I love you."

On the work front, Janhvi was last seen in Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari, alongside Varun Dhawan, Sanya Malhotra, and Rohit Saraf. She will next be seen in the Telugu film Peddi, headlined by Ram Charan.

Priyanka Chopra Shares Romantic Roka Anecdote, Joe Jonas Responds

Priyanka Chopra recently opened up about a touching memory from her roka ceremony with husband Nick Jonas, sharing a heartfelt moment that highlighted the deep connection between them.

The global star reflected on the experience during a conversation on the Mythical Kitchen podcast, where she discussed their whirlwind romance and the emotional significance of the pre-wedding ritual.Priyanka revealed that their relationship moved quickly but felt incredibly natural. According to her, the couple got engaged just two months after they started dating and tied the knot four months later. She explained that soon after the engagement, they travelled to India for the traditional roka ceremony, an important family ritual that marks the formal beginning of wedding celebrations.

Nick Jonas Impresses Priyanka's Family During Roka Ceremony

Talking about the ceremony, Priyanka fondly recalled how Nick embraced the traditions and impressed her family members, especially her aunts. She shared, "After the ceremony was over, which Nick did perfectly. Much to the joy of my aunties, they were like oh he's saying swaha, oh wow, he can play the Dholak, they loved him. It was great. So we went back upstairs just to change and come back to lunch. He held my hand, and he said, 'I feel like we are on our third or fourth lifetime.'"

The Meaning Behind Nick's Romantic Words

Priyanka also spoke about how Nick's remark resonated with the deeper symbolism of Indian wedding traditions. She explained that in Hindu weddings, couples walk around the sacred fire seven times, symbolising a promise to stay together for seven lifetimes.Reflecting on that moment, she said she was curious about what prompted Nick to say something so meaningful. He said, "'Because it's so familiar, it feels like home, but I want to experience so much of it together.' I mean, how are you not gonna marry that.

Joe Jonas Reacts to the Story

The heartfelt story also caught the attention of Nick's brother, Joe Jonas. Reacting to the clip from the conversation online, Joe left a comment with big puppy-dog eyes emojis, hinting at how touched he was by the emotional moment shared by the couple.

Rani Mukerji Not On Board OMG 3 Despite Early Talks With Akshay Kumar: Report

Speculation had been rife that National Award-winning actor Rani Mukerji would join Akshay Kumar in the third instalment of the Oh My God series, OMG 3. The potential collaboration had generated considerable buzz, as it would have marked the first time the two stars shared screen space.However, recent reports indicate that Mukerji will not be part of the project.

Talks Did Not Move Beyond Early Discussions

According to Variety India, Mukerji had been approached to play the lead protagonist in OMG 3, while Akshay Kumar was expected to return with

an extended cameo appearance.Sources suggest that the actor had heard a brief outline of the story and initially showed interest in the project. However, the discussions reportedly remained at a preliminary stage and did not develop further.

"Akshay and Rani share a great long-standing relationship and were genuinely excited about teaming up, but those were very early conversations," a source reportedly said.

Makers Now Searching For New Female Lead

With Mukerji no longer attached to the film, the makers are now said to be looking for another actor to take on the central role.

The third instalment of the popular franchise is currently in the development stage and is expected to go on floors sometime between May and June 2026.

While the casting process continues, fans of the series are waiting to see which actor will eventually step into the lead role alongside Akshay Kumar in the upcoming film.